@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार 07 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 237 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दलाई लामा का 90वें जन्मदिन पर दुनियाभर से आए भावुक संदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का आज 90वां जन्मदिन है। इस मौके पर उन्होंने दुनिया भर के अपने अनुयायियों को एक भावुक संदेश दिया। उन्होंने खुद को एक 'साधारण बौद्ध भिक्षु' बताया और करुणा, सौहार्द और आंतरिक शांति के महत्व पर जोर दिया। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित समारोह में सैकड़ों अनुयायियों की मौजूदगी में दलाई लामा ने कहा कि भले ही वे व्यक्तिगत रूप से जन्मदिन नहीं मनाते, लेकिन यदि ऐसे अवसरों पर दूसरों की भलाई के लिए काम किया जाए तो वह उन्हें महत्व देते हैं। दलाई लामा ने जन्मदिन समारोह में यह भी आशा जताई कि वे 130 वर्ष तक जीवित रह सकें ताकि बुद्ध के सिद्धांतों और मानवता की सेवा को जारी रख सकें। उन्होंने 1959 में तिब्बत से निर्वासन के बाद भारत में अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि धर्मशाला में रहते हुए वह लोगों की सेवा करते रहेंगे और मानसिक शांति तथा करुणा के माध्यम से दुनिया को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करते रहेंगे।

अमेरिका ने भी दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और तिब्बती समुदाय के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें अपने धार्मिक नेताओं को 'बिना किसी हस्तक्षेप' के चुनने का अधिकार होना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका उनके 90वें जन्मदिन पर परम पूज्य दलाई लामा को शुभकामनाएं देता है। दलाई लामा एकता, शांति और करुणा का संदेश देकर लोगों को लगातार प्रेरित करते हैं।

दलाई लामा ने अपने संदेश में कहा, 'मेरे 90वें जन्मदिन के अवसर पर मुझे यह जानकर खुशी हुई कि दुनिया भर में, विशेष रूप से तिब्बती समुदायों में, लोग इस अवसर को करुणा, सौहार्द और परोपकार के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए उपयोग में ला रहे हैं। मैं खुद को सिर्फ एक साधारण बौद्ध भिक्षु मानता हूं। मैं सामान्यतः जन्मदिन नहीं मनाता, लेकिन चूंकि आप लोग इस दिन को लेकर आयोजन कर रहे हैं, इसलिए मैं कुछ विचार साझा करना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'जहां भौतिक विकास आवश्यक है, वहीं मानसिक शांति प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह तभी संभव है जब हम एक अच्छे दिल के साथ जीवन जिएं और केवल अपनों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी प्राणियों के लिए करुणा रखें। इसी के माध्यम से दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाया जा सकता है।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर विवादः सुप्रीम कोर्ट पहुंची राजद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विवाद के बाद अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। राजद सांसद डॉ। मनोज झा ने चुनाव आयोग के इस कसम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मनोज झा ने चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने की सुप्रीम कोर्ट से मांग की है। इससे पहले एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा भी चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दे चुके है।इन याचिकाओं मे कहा गया है चुनाव आयोग का यह फैसला मनमाना है और इसके चलते बिहार के लाखों मतदाताओं का मतदान का अधिकार छीन लिया जाएगा। बिहार में इसी साल चुनाव होना है। बीते 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न की घोषणा की थी। आयोग के इस फैसले पर कई विपक्षी दल के नेता भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं. इस मामले में चुनाव सुधारों पर नजर रखने वाली संस्था एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संस्था का कहना है कि, चुनाव आयोग की यह नीति संविधान के खिलाफ है।इससे वो लोग जो गरीब हैं, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

आज ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे।इस अहम बैठक में गाजा में युद्धविराम की कोशिशों और ईरान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये मुलाकात ट्रंप की मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की कोशिशों का हिस्सा है। डोनाल्ड ट्रंप गाजा में सीजफायर को प्राथमिकता दे रहे हैं और ये मुद्दा दोनों नेताओं की मीटिंग में सबसे ऊपर रहेगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप कई दिनों से इस दिशा में संकेत दे रहे हैं। इधर, हमास ने भी अमेरिका द्वारा प्रस्तावित सीजफायर प्लान पर सकारात्मक रुख दिखाया है और बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही है। इस योजना में बंधकों की रिहाई और संघर्ष समाप्त करने को लेकर बातचीत का प्रस्ताव है।

लाइन पर आए बिलावल बोले- तो- हम हाफिज सईद और मसूद अजहर को भी सौंप देंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि को रद्द करने के बाद पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आती नजर आ रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और देश के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान उन लोगों को सौंपने के लिए तैयार है, जिसे लेकर भारत हमेशा शिकायत करता रहता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर भारत को 'चिंता के विषय' वाले व्यक्तियों को प्रत्यर्पित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए।

इजरायल-ईरान जंग के बाद पहली बार सबके सामने आए खामेनेई

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल-ईरान संघर्ष का अंत 24 जून को ही हो गया था, लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई कहीं नजर नहीं आ रहे थे। इसको लेकर विदेशी मीडिया में हलचल तेज थी और कई तरह के सवाल पूछे जाने लगे थे। इशारों-इशारों में बात कही तो इजरायली मीडिया ने भी सवाल पूछना शुरू कर दिया। खबरों के अनुसार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया, और न ही उनसे कोई बात हुई है। ईरान-इजरायल के बीच युद्ध विराम के बावजूद खामेनेई अब तक सामने नहीं आए हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। ईरान-इजरायल युद्ध शुरू होने के बाद वह पहली बार सार्वजनिक से सामने आये थे। खामेनेई के सबके सामने नहीं आने से इजरायल द्वारा संभावित हमलों से पहले ईरानी नेता खामेनेई को दी गई कड़ी सुरक्षा का संकेत मिलता है। वॉशिंगटन स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समूह के अनुसार, ईरान पर इजरायल के हमले में कम-से-कम 417 नागरिकों सहित 1,000 से अधिक लोग मारे गए। दावा किया जा रहा था 13 जून को जैसे ही इजरायल ने ईरान पर मिसाइल दागने शुरू किए, तभी खामेनेई को छिपा लिया गया था। दरअसल, उन्हें इस बात का डर था कि इजरायल उनकी हत्या की कोशिश कर सकता है। खामेनेई की सुरक्षा ईरान की स्पेशल सिक्योरिटी 'सेपाह-ए-वली-ए-अम्र' के हवाले है, जिसमें करीब 12 हजार बॉडीगार्ड्स रहते हैं। इन सभी की जिम्मेदारी अलग-अलग होती है। ईरान के परमाणु हथियार बनाने के मंसूबों को नाकाम करने के लिए इजरायल ने बीते 13 जून को तेहरान के कई न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया था, जिसके बाद दोनों देशों में जंग की शुरुआत हो गई। इजरायल ने दावा किया था कि उसने लगभग 30 ईरानी कमांडरों और 11 परमाणु वैज्ञानिकों को मार डाला, जबकि आठ परमाणु संबंधित प्रतिष्ठानों और 720 से अधिक सैन्य बुनियादी ढांचे के स्थलों को तबाह कर दिया।

भारत का दिखा शौर्यः ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर पीएम मोदी का ब्राजील में हुआ स्वागत

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां भव्य स्वागत किया गया। खास बात ये थी कि यहां भारत का शौर्य दिखाई दिया और पीएम का स्वागत ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर किया गया। यहां एयरपोर्ट पर उनका राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'मैं रियो डी जेनेरो, ब्राज़ील पहुंचा हूं, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और उसके बाद ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा, जहां मुझे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय दौरे पर जाना है। इस यात्रा के दौरान उपयोगी बैठकों और संवादों की एक प्रभावशाली श्रृंखला की प्रतीक्षा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना गए थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पिछले 57 सालों में यह पहली बार है कि अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा पर भारतीय प्रधानमंत्री पहुंचे। इससे पहले साल 2018 में पीएम मोदी अर्जेंटीना गए थे, लेकिन उस यात्रा का मकसद जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होना था। इस बार उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। इससे पहले पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ब्यूनस आयर्स में द्विपक्षीय यात्रा को साकार करने के लिए अर्जेंटीना के साथ संबंध स्थापित करना। मैं प्रेसिडेंट जेवियर माइली के साथ फिर से मिलने और उनसे विस्तार से बात करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है।

प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे, जहां एजीजा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली से भेंट करने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और गले मिले। फिर प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के लिए राष्ट्रपति भवन में चले गए।

शिवराज-खट्टर समेत 6 चेहरे भाजपा अध्यक्ष की रेस में

-संगठनात्मक अनुभव के साथ जातीय-क्षेत्रीय समीकरण देखे जा रहे; केंद्रीय चुनाव समिति का गठन जल्द

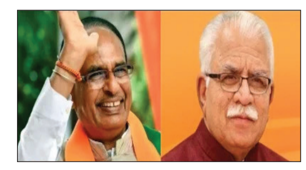

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा जल्द ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। भाजपा नए अध्यक्ष के लिए 6 नामों पर विचार कर रही है, इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। वहीं, भाजपा महासचिव सुनील बंसल और विनोद तावड़े भी रेस में बताए जा रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए तीन मुख्य बातों-संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण को ध्यान में रख रही हैं। जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक केंद्रीय चुनाव समिति का गठन हो सकता है। यदि चुनाव की जरूरत पड़ती है तो यह समिति नामांकन, जांच और मतदान की प्रक्रिया की पूरी करेगी। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।

भाजपा के 37 में से 26 प्रदेश अध्यक्ष चुने गए

पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50 प्रतिशत राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुनने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से 26 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। पार्टी ने 1-2 जुलाई को 9 राज्यों (हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख) में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव किया।

राहुल गांधी ने कहा- बिहार को बना दिया क्राइम कैपिटल, अब बदलाव जरूरी

- व्यवसायी खेमका हत्याकांड से राज्य में रोष व्याप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जबरदस्त निशाना साधा है। उन्होंने प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर कहा कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। अब जबकि बिहार विधानसभा चुनाव करीब ही हैं तो ऐसे में बदलाव जरुरी हो गया है। राज्य में क्राइम रेट बढ़ने से राजनीति भी गर्मा गई है।

दरअसल कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। बिहार आज लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम। इसी के साथ ही राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे लिखा है, कि बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली- एक चीख है बदलाव की। अब समय है एक नए बिहार का- जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार

बदलने के लिए नहीं, बल्कि बिहार को बचाने के लिए भी है।

यहां बताते चलें कि बिहार के प्रमुख उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या शुक्रवार रात करीब 11 बजे की गई थी। गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास स्थित अपार्टमेंट के गेट के सामने अज्ञात हमलावरों ने उन्हें सिर में गोली मारी थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हत्या को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और कहा है, भाजपा-नीतीश कुमार ने बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया है। व्यापारी, आम नागरिक, महिलाएं- कोई सुरक्षित नहीं। वहीं इस घटना के बाद आरजेडी, कांग्रेस, और अन्य विपक्षी नेताओं ने भी बिहार में बिगड़ी कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार और भाजपा पर सवाल उठाए हैं। बड़ी संख्या में राजनीतिक नेता शनिवार को खेमका परिवार से मिलने भी पहुंचे थे।

मंडी में फिर फटे बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी

हिमाचल में 269 सड़के, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं ठप

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश तबाही मचा रही है। मंडी में एक बार फिर बादल फटा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच सुबह से राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मूसलाधार बारिश हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर समेत 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की गई है।

इस बीच मंडी जिला में फिर बादल फटने से दहशत फैला गई। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलियां बह गईं। इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियां में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में

62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि सोमवार को बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। 8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है। लगातार बारिश से राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रविवार सुबह तक प्रदेश में 269 सड़कों, 285 बिजली ट्रांसफॉर्मरों और 278 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है। अकेले मंडी जिले में 200 सड़कें, 236 ट्रांसफॉर्मर और 278 जल योजनाएं ठप पड़ी हैं। यह जिला इस समय सबसे ज्यादा प्रभावित है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 20 जून से 5 जुलाई के बीच हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़क हादसों में अब तक 74 लोगों की मौत हो चुकी है। 115 घायल हैं, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं। इस अवधि में राज्य को 566 करोड़ रुपए से ज्यादा की जनधन हानि का सामना करना पड़ा है। मंडी जिले में 30 जून की रात बादल फटने की 12 घटनाओं में 14 लोगों की जान चली गई और 31 लोग लापता हो गए। कांगड़ा जिले में 13 मौतें हुई हैं, जिनमें 7 भूस्खलन और 2 बादल फटने से हुईं।

प्राकृतिक आपदाओं के चलते 19 मकान पूरी तरह ध्वस्त, 93 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त, 213 पशुशालाएं और 21 दुकानें बर्बाद हो चुकी हैं। खेती और बागवानी को भी भारी नुकसान पहुंचा है। साथ ही 10,000 पोल्ट्री पक्षी और 253 मवेशी मारे गए हैं। फिसलनभरी सड़कों और कमजोर पुलों के चलते सड़क हादसों में 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें चम्बा में 6, मंडी, बिलासपुर और कुल्लू में 3-3 मौत हुई हैं।

चिराग पासवान लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, बोले- बिहार की 243 सीटों पर उतरेगी पार्टी

एनडीए में दरार के संकेत, बीजेपी-जेडीयू की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

छपरा (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और उनकी पार्टी राज्य की 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित कर रहे थे। यहां पर चिराग ने कहा कि बिहार के विकास और युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए वह सीधे मैदान में उतरना चाहते हैं। उनके इस ऐलान को एनडीए में खिंचाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे बीजेपी और जेडीयू की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

विरोधियों पर साधा निशाना

चिराग ने कहा, कि मेरे विरोधी मेरी राह में रोड़े अटकाना चाहते हैं, लेकिन मैं बिहार के हित में चुनाव लड़ूंगा और जनता की आवाज बनूंगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी अब सिर्फ सहयोगी भूमिका नहीं निभाएगी, बल्कि पूरे राज्य में अपने दम पर लड़ाई लड़ेगी।

खेमका हत्याकांड पर उठाए सवाल

राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर चिराग ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, कि यह घटना उस सरकार में हो रही है जिसकी पहचान सुशासन की है और मैं खुद उस सरकार का हिस्सा हूं। यह सवालों से भागने का वक्त नहीं है। चिराग ने सरकार और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए पूछा कि क्या प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी थी? उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की होती है, चाहे घटना पटना में हो या किसी दूरस्थ गांव में।

एनडीए के लिए नई चुनौती?

हालांकि चिराग पासवान अभी एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी पार्टी द्वारा 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा को बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि अगर लोजपा (रामविलास) अकेले दम पर सभी सीटों पर उतरेगी, तो इससे वोटों का बंटवारा होगा और महागठबंधन को फायदा मिल सकता है। बिहार की राजनीति में चिराग पासवान का यह कदम न सिर्फ सत्ता समीकरणों को चुनौती देगा, बल्कि एनडीए की एकता को भी कसौटी पर ले आएगा।

संक्षिप्त समाचार

इटली में यौन दरिंदों पर सीधा वार: रेपिस्ट को मिलेगी 'केमिकल सजा', हो जाएंगे नपुंसक

रोम एजेंसी। इटली सरकार अब रेप और बच्चों से यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कड़ा कानून लाने जा रही है। इस कानून के तहत ऐसे अपराधियों को 'केमिकल कैस्ट्रेशन' की सजा दी जा सकेगी। यह एक दवा आधारित इलाज होता है। इसमें ऐसी दवाएं दी जाती हैं जो अपराधी का हवस का भूत यानि यौन इच्छा को बहुत कम कर देती हैं। यह इलाज पूरी तरह स्वैच्छिक यानी अपनी मर्जी से लिया जाएगा। यह वापस भी लिया जा सकता है यानी स्थायी नहीं होगा। अगर अपराधी यह इलाज स्वीकार करता है, तो उसे जेल की सजा में कुछ छूट दी जा सकती है। हाल के समय में इटली में कई बड़े यौन अपराध हुए हैं। खासकर बच्चों के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले बढ़े हैं। इन मामलों के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सरकार और लीग पार्टी इस प्रस्ताव का समर्थन कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे दोबारा अपराध होने से रोका जा सकेगा।कुछ विपक्षी नेता और मानवाधिकार संगठन इस कानून का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह इंसानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि हर यौन अपराध सिर्फ यौन इच्छा की वजह से नहीं, बल्कि गुस्से और नियंत्रण की भावना से भी होते हैं। सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। एक समिति बनाई गई है जो इस कानून का ड्राफ्ट तैयार करेगी। फिर इसे संसद में बहस के बाद पास किया जाएगा। यह खबर सिर्फ जानकारी देने के लिए है। इसमें इस्तेमाल किए गए फोटो और वीडियो पर हमारा कोई हक नहीं है।

अमेरिका में भीषण बाढ़ का कहर, समर कैंप से 23 लड़कियां लापता, परिजनों में मचा कोहराम

न्यूयार्क एजेंसी। दक्षिण-मध्य टेक्सास में आई भीषण बाढ़ के बाद एक 'समर कैंप से 20 से अधिक लड़कियां शुक्रवार को लापता हो गईं। चिंतित परिजनों ने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें साझा कर गुमशुदा लड़कियों के विषय में जानकारी देने की लोगों से अपील की है। केर काउंटी के शेरिफ लैरी लीथा ने बताया कि टेक्सास हिल कंट्री में बारिश के कारण शुक्रवार को कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में वर्षों से 'समर कैंप आयोजित किए जाते हैं जहां प्रतिवर्ष हजारों बच्चे आते हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि हंट इलाके में ग्वाडालूप नदी किनारे के 'मिस्टिक कैंप की 23 लड़कियां लापता हैं। बचाव दल नाव और हेलीकॉप्टर से उनकी तलाश कर रहे हैं। दर्जनों परिवारों ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें सूचना दी है कि उनकी बेटियों का अब तक पता नहीं चला है। वहीं ''कैंप मिस्टिक ने लड़कियों के परिजन को ईमेल कर कहा है कि जिनसे कैंप ने सीधे संपर्क नहीं किया है,उनकी बच्चियां सुरक्षित हैं।

कनाडा जाने के लिए बैंक में कितना पैसा होना चाहिए और कौन-कौन से कागज़ात जरूरी हैं?

टोरंटो एजेंसी। अगर आप विदेश यात्रा का सपना देख रहे हैं, खासकर कनाडा जाने का, तो इसके लिए सबसे पहले आपके पास पासपोर्ट और वीज़ा होना ज़रूरी है। वीज़ा कई प्रकार के होते हैं, जैसे कि स्टूडेंट वीज़ा, टूरिस्ट वीज़ा, बिजनेस वीज़ा आदि। लेकिन वीज़ा अप्लाई करते समय कुछ ज़रूरी बातें ध्यान में रखना बहुत ज़रूरी है, खासकर बैंक बैलेंस को लेकर। कनाडा के वीज़ा के लिए आपके बैंक खाते में कम से कम 15 लाख रुपये होना ज़रूरी माना जाता है। ध्यान रहे कि यह रकम वीज़ा आवेदन के समय पहले से ही खाते में होनी चाहिए, न कि अचानक से जमा की गई हो। अगर वीज़ा अधिकारी को लगता है कि पैसे अचानक जमा किए गए हैं या खाते में कोई बड़ा लेन-देन हुआ है, तो वीज़ा रिजेक्ट भी हो सकता है। बैंक बैलेंस की ज़रूरत आपके वीज़ा के प्रकार, उसकी अवधि और आपके साथ कौन-कौन जा रहा है।

ब्राजीलियन बट लिफ्ट सर्जरी ने ली एक और जान, अमेरिका में पुलिस अधिकारी की दर्दनाक मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। खूबसूरत और सबसे अलग दिखने की चाह कई बार लोगों की जान ले लेती है। ऐसा ही एक मामला अमेरिका से सामने आया है, जहां पर ब्राजीलियन बट लिफ्ट सर्जरी कराने के बाद अमेरिकी पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। सर्जरी के बाद 26 साल की वाइल्डेलिस रोजा को भयंकर दर्द की शिकायत हुई थी। महिला पुलिस अधिकारी की मौत उनके जन्मदिन के एक दिन बाद 23 मार्च हुई। इससे पहले 19 मार्च को उन्होंने साउथ फ्लोरिडा के प्रेस्टीज प्लास्टिक सर्जरी क्लिनिक में सर्जरी से पहले ब्लड की जांच कराई और फिर अगले दिन डॉक्टरों ने उनके शरीर के चारों ओर 12 अलग-अलग हिस्सों से फैट निकालकर नितंबों में इंजेक्ट किया। सर्जरी के लिए रोजा ने लगभग 6 लाख 41 हजार रुपये दिए। 22 मार्च को रोजा ने अपने परिजनों से बातचीत की और इस सर्जरी के बारे में बताया। उनकी बहन एनामिन वाजक्वेज ने कहा कि रोजा ने बताया था कि उन्हें कुछ परेशानी हो रही है। उनके जन्मदिन के दिन मैसेज भी किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके अलावा रोजा की मित्र ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि सर्जरी के बाद रोजा डॉक्टरों से मिलने के लिए गईं और उनसे भयंकर दर्द की शिकायत की।

मोदी की यात्रा से चमका भारत-त्रिनिदाद रिश्ता, डिजिटल से लेकर दवा तक हुए 6 बड़े समझौते

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, एजेंसी। भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी समकक्ष कमला प्रसाद बिसेसर के बीच वार्ता के बाद बुनियादी ढांचे और औषधि समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल परिवर्तन, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), क्षमता निर्माण और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को बढ़ावा मिला है।

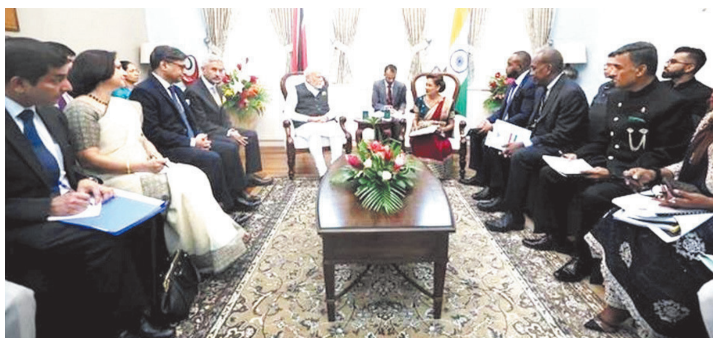

मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की ''ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों के प्रति त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मजबूत समर्थन व एकजुटता की सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से भी मुलाकात की। मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच दोस्ती को नयी गति मिली है। उन्होंने कहा, ''त्रिनिदाद एवं टोबैगो को धन्यवाद। यहां बिताए गए पल कभी नहीं भुलाए जा सकेंगे। हमने भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो मैत्री को नयी गति दी है।

राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू, प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर, सरकार और इस अद्भुत देश के लोगों के प्रति मेरा आभार। दोनों देशों के बीच छह समझौतों से भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच फार्माकोपिया, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं, संस्कृति, खेल और कूटनीतिक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में गहन सहयोग संभव होगा। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं, जिनमें कैरेबियाई देश में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई (भारत की विदेशी नागरिकता) कार्ड की पेशकश भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी और बिसेसर ने 'ग्लोबल साउथ के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने तथा 'भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। 'कैरिकॉम (कैरेबियन समुदाय) 15 राष्ट्रों और पांच सहयोगी सदस्यों का एक क्षेत्रीय राजनीतिक और आर्थिक संघ है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग का आह्वान किया।

राष्ट्रपति कंगालू के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बैठक पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह गर्मजोशी से भरी बैठक थी तथा यह दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता की बानगी थी। मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने पर राष्ट्रपति कंगालू को बधाई दी और उनकी विशिष्ट सार्वजनिक सेवा के लिए गहरी सराहना की।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिसेसर को भारत आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कैरेबियाई देश की संसद को संबोधित किया और दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों के बीच संबंधों में स्वाभाविक गर्मजोशी है। मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के सबसे उत्साही प्रशंसकों में से भारतीय हैं! हम पूरे दिल से उनका उत्साहवर्धन करते हैं, सिवाय इसके कि जब वे भारत के खिलाफ खेल रहे हों।

मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की विकास यात्रा में भारतीय मूल के लोगों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''राजनीति से लेकर कविता तक, क्रिकेट से लेकर वाणिज्य तक, कैलिप्सो से लेकर चटनी तक, वे हर क्षेत्र में योगदान देते हैं। वे उस जीवंत विविधता का अभिन्न अंग हैं जिसका आप सभी सम्मान करते हैं। मोदी ने कहा, ''आपने मिलकर एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण किया है जो अपने आदर्श वाक्य पर चलता है- 'हम साथ मिलकर आकांक्षा रखते हैं, हम साथ मिलकर हासिल करते हैं। भारत तथा त्रिनिदाद और टोबैगो ने 31 अगस्त 1962 को राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। उसी वर्ष इस कैरेबियाई राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी।

अमेरिका में वन बिग ब्यूटीफुल बिल बना कानून, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया बड़ा आर्थिक कानून वन बिग ब्यूटीफुल पास किया है। उन्होंने 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर व्हाइट हाउस में एक पिकनिक समारोह के दौरान इस बिल पर हस्ताक्षर किए। अब यह बिल कानून बन चुका है।सरकार का दावा है कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तेज़ी मिलेगी, मिडिल क्लास को फायदा होगा, और छोटे व्यापारों को बढ़ावा मिलेगा।

कैसे बना यह कानून?

यह बिल पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (अमेरिकी संसद का निचला सदन) में पेश हुआ, जहाँ इसे 218-214 वोटों से पास किया गया।

ट्रंप ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस के लॉन में आयोजित पिकनिक में ट्रंप ने कहा- यह कानून अमेरिकी परिवारों और बिज़नेस के लिए एक नई शुरुआत है। टैक्स कम होंगे, खर्च नियंत्रित होंगे, और अमेरिका की अर्थव्यवस्था पहले से भी ज्यादा मज़बूत होगी।उन्होंने दावा किया कि- यह अब तक की सबसे बड़ी टैक्स कटौती है सबसे बड़ा सरकारी खर्च कम किया गया है अमेरिकी इतिहास में सबसे ज़्यादा सीमा सुरक्षा पर निवेश किया गया है ट्रंप ने यह भी कहा, मैंने पहले कभी लोगों को इतना खुश नहीं देखा। सैनिकों से लेकर आम नागरिक तक सभी को अब ज़्यादा सुरक्षा और स्थिरता महसूस हो रही है।

लेकिन क्यों हो रहा है विरोध?

हालांकि ट्रंप और उनके सहयोगी इसे बड़ी जीत बता रहे हैं, लेकिन बहुत से जानकार और विपक्षी नेता इस कानून पर सवाल उठा रहे हैं।

रिकॉर्ड विरोध भाषण-

हाउस में डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज़ ने इस बिल का विरोध करते हुए लगातार 8 घंटे 46 मिनट तक भाषण दिया। उन्होंने इसे अमीरों का तोहफा और गरीबों की सजा

पुतिन के हाइपरसोनिक मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन का काउंटर अटैक, रूस के मिलिट्री एअरफील्ड को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस पर पलटवार करते हुए शनिवार (05 जुलाई, 2025) को उसके मिलिट्री एअरफील्ड पर हमला किया। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सेना ने सोशल मीडिया के जरिए दी।

यूक्रेनी सेना ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के विशेष बलों ने शनिवार को वोरोनिश क्षेत्र में रूस के बोरिसोग्लबस्क सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें ग्लाइडर बम स्टोर और एक ट्रेनर एअरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। सेना ने आगे कहा कि अन्य विमानों पर भी हमला होने की संभावना है।

हालांकि सेना ने इसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं, रूस ने सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए ड्रोन और मिसाइलों से रात भर यूक्रेन को निशाना बनाया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और एक बच्चे समेत कम से कम 26 लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि कीव में सात घंटे तक चली बमबारी से राजधानी के कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है।रात के समय आसमान में धमाकों की रोशनी फैल गई और हवाई हमले के सायरन की आवाजें पूरे शहर में गूंजने लगीं। आपातकालीन वाहनों की नीली रोशनी ऊंची इमारतों पर पड़ रही थी और मलबे ने शहर की सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था।

बच्चा पैदा करो, सरकार से पाओ 1.26 लाख!

बीजिंग एजेंसी। चीन इन दिनों एक गंभीर जनसांख्यिकीय संकट से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का खिताब गंवा चुका यह देश अब घटती जनसंख्या को थामने के लिए हर मुमकिन कोशिश में जुटा है। बच्चों के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए अब चीनी सरकार ने एक नई योजना का ऐलान किया है, जिसमें माता-पिता को आर्थिक सहायता दी जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से परिवारों को संतानोत्पत्ति के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

नई स्कीम में क्या मिलेगा?

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन सरकार 1 जनवरी 2025 से जन्म लेने वाले हर बच्चे के लिए माता को तीन साल तक हर साल 3,600 युआन (करीब ?42,000) की आर्थिक मदद देगी। इस तरह कुल सहायता राशि करीब ?1.26 लाख होगी। हालांकि, इस योजना की आधिकारिक पुष्टि अब तक स्टेट काउंसिल इंफॉर्मेशन ऑफिस द्वारा नहीं की गई है।

इसके अलावा, स्थानीय सरकारें भी अपनी-अपनी योजनाएं लेकर सामने आ रही हैं। उदाहरण के तौर पर, इनर मंगोलिया के होहोट शहर में दूसरे बच्चे पर 50,000 युआन और तीसरे बच्चे पर 1 लाख युआन की पेशकश की जा रही है।

जनसंख्या में लगातार गिरावट : रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में चीन की जनसंख्या 1.409 बिलियन से घटकर 1.408 बिलियन रह गई है। 2022 में चीन की जनसंख्या में 60 वर्षों बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई थी, और यह सिलसिला अब भी जारी है।

चीन में एक समय लागू रही कुख्यात वन चाइल्ड पॉलिसी को अब थ्री-चाइल्ड पॉलिसी से बदल दिया गया है, लेकिन इसका असर अपेक्षित नहीं रहा। परिवारों को बड़ी चिंता इस बात की है कि बढ़ती महंगाई और जीवनशैली के खर्चों के बीच वे बच्चों का लालन-पालन कैसे करेंगे।

हाल ही में चीन में 1.44 लाख माता-पिता पर किए गए एक सर्वे में सामने आया कि केवल 15त्न लोग ही ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए इच्छुक हैं। जब इन्हें आर्थिक मदद के तौर पर 1,000 युआन की पेशकश की गई, तब भी यह आंकड़ा 8.5त्न ही बढ़ा। यानी, सरकार की आर्थिक सहायता से कुछ असर जरूर दिख रहा है, लेकिन यह बेहद सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या का हल केवल आर्थिक सहायता से नहीं निकल सकता। इसके लिए दीर्घकालिक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव ज़रूरी हैं।

गिरती जनसंख्या दर की चुनौती केवल चीन तक सीमित नहीं है। दक्षिण कोरिया में एक साल से कम उम्र के बच्चों वाले परिवारों को मासिक सब्सिडी 700,000 से बढ़ाकर 1 मिलियन चक्रङ्ख कर दी गई, जिससे पहली बार 3.1त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं जापान में सरकार ने चाइल्ड केयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 2005 से हजारों डे-केयर सेंटर शुरू किए, जिससे प्रजनन दर में मामूली सुधार देखा गया।

चैटजीपीटी ने दिखाया रास्ता... पलक झपकते ही बदल दी जिंदगी! महिला ने चुकाया 20 लाख का लोन

वाशिंगटन एजेंसी। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीकी दुनिया में बदलाव नहीं ला रहा, बल्कि आम लोगों की ज़िंदगी में भी बड़ा फर्क डाल रहा है। अमेरिका की रहने वाली 35 साल की जेनिफर एलन इसकी एक सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से करीब 20 लाख रुपये (25,000 डॉलर से ज़्यादा) का क्रेडिट कार्ड कर्ज चुकाया।

पेशे से रियल एस्टेट एजेंट, पर फाइनेंशियल समझ की कमी : जेनिफर पेशे से रियल एस्टेट एजेंट और साथ ही कंटेंट क्रिएटर भी हैं। आमदनी अच्छी थी, लेकिन फाइनेंशियल लिटरेसी यानी पैसों की समझ की कमी उन्हें धीरे-धीरे मुसीबत में ले आई। जब उनकी बेटी का जन्म हुआ, तो मेडिकल खर्च और बच्चों की ज़रूरतें बढ़ गईं। ऐसे में उन्हें बार-बार क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ा। वे बताती हैं कि उन्होंने कोई फिजूलखर्ची नहीं की, सिर्फ ज़रूरी चीजों पर ही पैसे खर्च किए। लेकिन धीरे-धीरे कर्ज इतना बढ़ गया कि खुद भी डरने लगीं। एक दिन

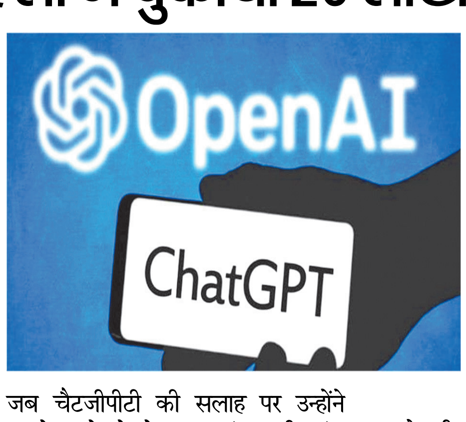

जब चैटजीपीटी की सलाह पर उन्होंने अपने पुराने ब्रोकरेज अकाउंट्स की जांच की, तो उन्हें हैरानी हुई।

उन्हें वहां करीब 8.5 लाख रुपये (10,000 डॉलर से ज़्यादा) की रकम मिली जो उन्होंने पहले कभी निवेश की थी लेकिन भूल चुकी थीं। दूसरी तरफ, किराने के खर्च पर नियंत्रण रखकर उन्होंने 50 हजार रुपये से ज़्यादा की बचत भी की। इस तरह, सिर्फ 30 दिनों में वे करीब 10.3 लाख रुपये का कर्ज चुका सकीं, जो उनके कुल कर्ज का लगभग आधा था।

पैसों से डरना छोड़ दिया, यही असली जीत है : जेनिफर कहती हैं, ये किसी जादू की तरह नहीं था। मैंने रोज़ अपने हालात का सामना किया, अपनी गलतियों को समझा और उन्हें सुधारने की कोशिश की। मैंने पैसों से डरना छोड़ दिया, यही मेरी सबसे बड़ी जीत है। अब वे एक और 30 दिनों का फाइनेंशियल चैलेंज शुरू करने की तैयारी में हैं, ताकि बाकी का कर्ज भी उतारा जा सके।

दूसरों के लिए प्रेरणा बनीं जेनिफर : अमेरिका जैसे देश में जहां पर्सनल कर्ज लगातार बढ़ रहा है, वहां जेनिफर की कहानी लाखों लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है। उनका साफ़ संदेश है, शुरुआत करने के लिए परफेक्ट समय का इंतज़ार मत करो। सही जवाबों की तलाश में मत भागो। बस शुरुआत करो और अपनी स्थिति से भागना बंद करो।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो में बिना वीजा 90 दिन रह सकते हैं भारतीय

चगवानस एजेंसी। दुनियाभर में भारतीय पासपोर्ट की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। अब भारतीय नागरिक त्रिनिदाद एंड टोबैगो जैसे खूबसूरत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में बिना वीजा 90 दिन तक रह सकते हैं। यह सुविधा सिर्फ पर्यटन ही नहीं, बल्कि परिवार से मिलने या व्यावसायिक उद्देश्य के लिए यात्रा कर रहे भारतीयों पर भी लागू होती है।

यह सुविधा दर्शाती है कि भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के संबंध कितने मजबूत हैं, और यह भी दिलचस्प है कि इस देश की सत्ता के प्रमुख पदों पर भारतीय मूल के नेता मौजूद हैं।

बिना वीजा के 90 दिन कैसे बिता सकते हैं? जानें नियम : भारतीय नागरिक यदि घूमने, बिजनेस या परिवार से मिलने के लिए त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाना चाहते हैं, तो उन्हें पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं है। वे वहां 90 दिनों तक रुक सकते हैं। हालांकि कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना ज़रूरी है-

त्रिनिदाद एंड टोबैगो- एक देश, दो द्वीप, अनगिनत अनुभव : त्रिनिदाद एंड टोबैगो दो द्वीपों से मिलकर बना एक कैरेबियाई देश है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और विविधता के लिए मशहूर है।

भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के गहरे संबंध : इस कैरेबियाई देश में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी समुदाय है, जिनकी जड़ें 180 साल पुरानी हैं। यहां के बहुत से नागरिकों के पूर्वज 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूर के रूप में भारत से आए थे। आज वे देश के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में त्रिनिदाद की यात्रा के दौरान इन संबंधों को साझा संस्कृति और भविष्य की साझेदारी बताया। इस दौरान भारत और त्रिनिदाद के बीच कई समझौते भी हुए।

कमजोर पड़ रहा है हिजबुल्लाह? रणनीति बदलने से उठने लगे सवाल, इजरायल को कितना खतरा

बेरुत, एजेंसी। क्या हिजबुल्लाह कमजोर पड़ रहा है? क्या वह खुद को सीमित कर रहा है? यह सवाल उठा है हिजबुल्लाह की ताजा रणनीति के खुलासे के बाद। बताया जा रहा है कि इजरायल से युद्ध बाद ईरान समर्थित यह संगठन अपना शस्त्रागार कम करने पर विचार कर रहा है। इसके साथ-साथ वह सशस्त्र आंदोलन में अपनी भूमिका को सीमित करने पर भी विचार कर रहा है। जानकारी के मुताबिक इस बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इस तरह की चीजें दिखाती हैं लेबनान पर किस तरह का दबाव है। यह दबाव नवंबर के अंत में संघर्ष विराम के बाद से और ज्यादा बढ़ा है।

आर्थिक परेशानियां भी बढ़ीं : गौरतलब है कि इजरायली सेना लगातार हिजबुल्लाह प्रभावित जगहों पर हमले करती है। इजरायल हिजबुल्लाह पर युद्धविराम के उल्लंघन का भी आरोप लगाते हैं। हालांकि हिजबुल्लाह इस बात का लगातार खंडन करता है। हिजबुल्लाह पिछले कुछ समय से गंभीर आर्थिक परेशानियों से भी जूझ रहा है। वहीं, अमेरिकी सेना लगातार इस चरमपंथी संगठन पर निरस्तीकरण का दबाव बनाए हुए है। हिजबुल्लाह की परेशानी पिछले साल उस वक्त बढ़ गई जब इजरायल ने इसके ऊपर हमले करके इसकी कमान को नष्ट कर दिया। इस हमले में हजारों हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए और उसका बहुत सारा हथियार भी नष्ट हो गया।

सहयोगी भी हो रहे कमजोर : 'सिर्फ इतना ही नहीं, हिजबुल्लाह का सीरियाई सहयोगी, बशर अल-असद, पिछले साल दिसंबर में सत्ताविहीन हो गया। इसके बाद इसकी हथियारों की सप्लाई प्रभावित हुई है। वहीं, ईरान खुद इजरायल के साथ युद्ध से उबरने की कोशिश में लगा हुआ है। ऐसे में वह हिजबुल्लाह की कितनी मदद कर पाएगा, यह कहना भी मुश्किल होगा। हिजबुल्लाह की अंदरूनी चर्चाओं की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहाकि समूह का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर गुप-चुप बातें चल रही हैं।

मिडिल ईस्ट का अहम खिलाड़ी : बता दें कि हिजबुल्लाह मिडिल ईस्ट में सैन्य अहमियत रखता है। उसके पास हजारों सैनिक, मिसाइलें और इजरायल पर हमले के लिए ड्रोन शामिल थे। पिछले साल मारे गए हसन नसरल्लाह के नेतृत्व में इसकी इसकी क्षेत्रीय अहमियत काफी ज्यादा थी। इसने सीरिया, इराक और यमन में अपने सहयोगियों को भी समर्थन दिया। इजरायल हिजबुल्लाह को अहम खतरा मानता रहा है। गाजा में 2023 के युद्ध में इसने फिलिस्तीनी संगठन हमास का सहयोग करते हुए हमला बोल दिया। तब इजरायल ने भी लेबनान को करारा जवाब दिया था।

भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। उन्होंने मात्र 33 वर्ष की उम्र में कोलकाता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वह एक प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान शिक्षाविद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पूरा जीवन राष्ट्र माता के लिए समर्पित किया था। बंगाल के अकाल के दौरान उनकी सेवाएं पूरा देश स्मरण करता है। उनका जीवन भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा। डॉ. मुखर्जी ने आजादी के बाद पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी पहली सरकार में भारत के खाद्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में देश में खाद्य को आत्मनिर्भरता और औद्योगीकरण की नींव रखी थी, जो नए भारत में भी स्पष्ट देखने को मिलता है। उन्होंने नेहरू सरकार के तुष्टीकरण के नीति के विरोध में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। इतना ही नहीं भारतीय जन संघ का गठन और

उसके पहले अध्यक्ष होने के साथ जब भारत के संविधान में नेहरू सरकार ने कश्मीर को 370 धारा के माध्यम से अलग स्टेटस देने का प्रयास किया और परमिट सिस्टम जम्मू कश्मीर के लिए लागू किया, उसके खिलाफ सबसे पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ही आवाज उठायी थी। उन्होंने उस समय एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के इन सपनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करके कश्मीर को भारत के संविधान के अनुरूप शेष भारत के साथ जोड़ते हुए एक विधान एक प्रधान और एक निशान के साथ भारत के लोकतांत्रिक की धारा के साथ जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है। आज जम्मू कश्मीर तेजी के साथ विकास कर रहा है, जो डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के संकल्पों की विजय है। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया भर में इन्वेस्टमेंट के बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण की नींव को आजाद भारत में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने प्रारंभ किया था और आज उसका एक बहुत ही वृहद स्वरूप देश में देखने को मिल रहा है। इस सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया त्रस्त थी, उस दौरान भारत ने अपने यहां 80 करो? लोगों को फ्री में राशन की सुविधा का लाभ दिया, जो आज भी निरंतर चल रहा है। यह सभी संकल्प डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने वाला है। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, मेयर सुषमा खर्कवाल, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्बेट नेशनल पार्क में सीएम धामी ने किया जंगल सफारी का अनुभव

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज कार्बेट नेशनल पार्क में जंगल सफारी के दौरान वन्यजीवन की अद्भुत और रोमांचकारी झलक का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि यह अनुभव केवल प्रकृति की सुंदरता को देखने का नहीं, बल्कि जैव विविधता और प्रकृति की अनमोल विरासत से जुड़ने का अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप जंगल सफारी पर्यटन को आज एक नई पहचान मिली है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखण्ड आ रहे हैं, जिससे राज्य की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। इसके साथ ही स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार और आजीविका के नए द्वार भी खुले हैं। इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वन विभाग, स्थानीय समुदाय और पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से 1000 से अधिक पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महज एक पौधा रोपण नहीं, बल्कि मातृत्व और प्रकृति के प्रति सम्मान का भावपूर्ण प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग की टीम से भी

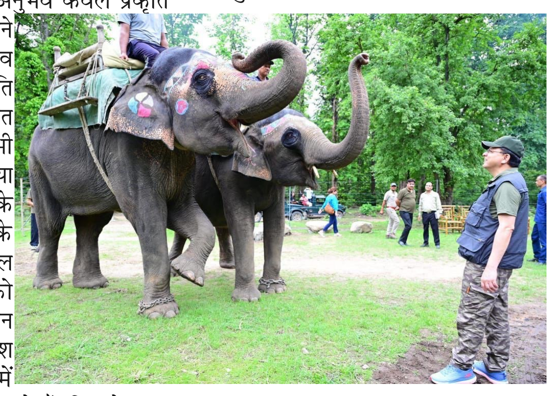

भेंट की और उनके द्वारा वनों व वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विभाग की प्रतिबद्धता और समर्पण को राज्य की हरियाली और जैव विविधता के संरक्षण हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी के तहत 2927 लोगों को मिलेंगे प्लाट, 15 जुलाई तक करें ऑनलाइन बुकिंग

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। किरायेदारों व बेघरों को घर देने के लिए सरकार द्वारा चलाई गई मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी के तहत दूसरे चरण में नगर निगम क्षेत्र के 2927 आवेदकों को प्लॉट दिए मिलेंगे। प्लॉट देने के लिए सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग शुरू की हुई है। जिन आवेदकों ने सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन कराया था। उनमें 2927 की सूची निगम के पास आई है। आवेदक 15 जुलाई तक प्लॉट की ऑनलाइन बुकिंग कर सकते है। इसके लिए उन्हें 10 हजार रुपये की बुकिंग राशि जमा करवानी होगी। आवेदक अटल सेवा केंद्र या स्वयं ही हाउसिंग फॉल ऑल विभाग की वेबसाइट पर प्लॉट की बुकिंग कर सकते है। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि शहरी क्षेत्रों के जिन बीपीएल परिवारों के पास अपना आवास नहीं है, उन्हें पक्का मकान बनाने को प्लॉट व फ्लैट देने के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी शुरू की हुई है। योजना के तहत प्लॉट लेने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग पोर्टल पर 13 सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए थे। अंतिम तिथि तक नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी एरिया के 10903 लोगों ने योजना के तहत प्लाट लेने के लिए रजिस्ट्रेशन किया था। इनमें से प्रथम चरण में 3139 आवेदकों की सूची जारी हुई थी। जिन्होंने हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के पोर्टल पर 15 फरवरी 2024 तक प्लाट के लिए बुकिंग कराई थी। जून 2024 में इन पात्रों को जगाधरी अनाज मंडी में कार्यक्रम आयोजित कर प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर अर्थात अनंतिम आवंटन पत्र दिए गए थे। बाद में ड्रॉ के माध्यम से इन्हें जगाधरी के भटौली व जय सिटी के पास स्थित सेक्टर 22,

23, 24 व 26 में लगभग 30 वर्ग गज के प्लाट आवंटित किए गए थे। सितंबर 2023 में प्लॉट के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले आवेदकों में से अब सरकार द्वारा 2927 आवेदकों की सूची जारी की है। सभी आवेदकों को उनके मोबाइल पर संदेश भेजकर भी इसकी जानकारी दी गई है। सरकार के हाउसिंग फॉर ऑल विभाग पोर्टल या वेबसाइट पर प्लॉट के लिए ऑनलाइन बुकिंग कर सकते है। जो आवेदक बुकिंग करने में असमर्थ है, वह कन्हैया साहिब चौक स्थित नगर निगम कार्यालय के कमरा नंबर 15 में संपर्क कर सूची में अपना नाम देखकर बुकिंग करा सकता है। प्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 है। इसलिए 15 जुलाई से पहले प्लाट के लिए बुकिंग कराए। बुकिंग कराने के बाद आवेदकों को अनंतिम आवंटन पत्र दिए जाएंगे। बाद में ड्रा के माध्यम से उन्हें नगर निगम क्षेत्र में प्लॉट आवंटित किए जाएंगे।

मिट्टी की ढाय गिरने से तीन महिला समेत चार की मौत

आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी के राजस्थान सीमा में ग्राम दौलत गढ़ के पास चंबल पाइपलाइन के लिए खोदाई कार्य चल रहा है। यहां गड्ढे में से मिट्टी लेने गए दर्जनभर महिला-पुरुष ढाय गिरने से दब गए। सूचना पर राजस्थान के गहनोली थाना की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घटना में तीन महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। ग्राम दौलत गढ़ के पास चंबल पाइपलाइन के लिए खोदाई की गई थी। गड्ढे से पीली मिट्टी लेने के लिए कई महिला-पुरुष वहां गए थे। मिट्टी भरने के दौरान ढाय गिर गई।

कानूनी प्रक्रिया से लें बच्चा गोद ठगी का शिकार होने से बचे निसंतान दंपत्ति

यमुनानगर। जिला कार्यक्रम अधिकारी तरविंदर कौर के कुशल मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण इकाई में अडॉप्शन हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है जहां निसंतान दंपति अगर बच्चा गोद लेने की सोच रहे हैं तो उन्हें दत्तक ग्रहण प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जा रही है, जानकारी न होने पर ठगी का शिकार हो सकते हैं। कार्यवाहक जिला बाल संरक्षण अधिकारी रंजन शर्मा ने बताया कि बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया में मुख्य रूप से सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण और कानूनी कार्यवाही शामिल है। उन्होंने बताया कि बच्चे को खरीदने या बेचने पर दोनों पक्षों को पांच साल की कैद और एक लाख रुपए जुर्माना या दोनों हो सकते है। बच्चा गोद लेने या देने के लिए दत्तक गृह विनियम 2022 के नियम ध्यान में रखने होंगे। संरक्षण अधिकारी प्रीति वत्स

ने बताया कि किसी भी बच्चे को गोद दिए या लिए जाने की एक पूरी कानूनी प्रक्रिया है बच्चों को खरीदना या बेचना कानूनन जुर्म है जिसमें किशोर न्याय अधिनियम के तहत तीन वर्ष की कैद ,एक लाख रुपए जुर्माना एवं दोनों हो सकते हैं। महिला एवं बाल विकास के जिला बाल संरक्षण इकाई में दत्तक ग्रहण प्रक्रिया की पूरी जानकारी और पंजीकरण निःशुल्क कराया जा रहा है। सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इसकी जानकारी ली जा सकती है। वही सामाजिक कार्यकर्ता गुरप्रीत सिंह ने बताया कि इकाई का प्रयास है कि जिला यमुनानगर में गोद लेने या देने की प्रक्रिया को कानूनी रूप से लागू किया जाए उन्होंने ये भी बताया कि किसी भी एजेंट के झांसे में ना आए सही प्रक्रिया से आप अपने घर बच्चा गोद लाने की खुशियां ला सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आप जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यालय एस सी ओ 30 पी रेड क्रॉस मार्केट ग्राउंड फ्लोर सेक्टर 17 हुड्डा जगाधरी में आ सकते है या टोल फ्री चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं 01732-237050 पर सम्पर्क कर सकते है ।

डीसी पार्थ गुप्ता ने किया जिला के विभिन्न गांवो का दौरा

यमुनानगर। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ गांव बलौली, याकूबपुर, तारुवाला, बरौली माजरा, खानुवाला, घोड़ो पिपली का दौरा किया। उपायुक्त ने नेशनल हाईवे पर स्थित याकूबपुर के पास पुलिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नेशनल हाईवे के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पुलिया को ठीक कर यातायात को सुचारू किया जाए। गांव तारुवाला में सरपंच संजीव कुमार ने उपायुक्त को बताया कि गांव से शमशान घाट तक जाने का रास्ता कच्चा है, जिसको पक्का किया जाना जरूरी है। उन्होंने उपायुक्त को इस रास्ते को पक्का करने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने सम्बन्धित अधिकारियों को इस शमशान घाट के रास्ते को पक्का करने के लिये एस्टीमेट बनाकर आगामी कार्रवाई जल्द करने के निर्देश दिये। बरौली माजरा के लोगों ने गांव के नजदीक बह रही बरसाती पथराला नदी के तटबंधों को सुदृढ़ करने की मांग की, जिस पर डीसी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये। इसके उपरांत उपायुक्त पार्थ गुप्ता बिलासपुर उपमंडल के गांव खानुवाला पहुंचे। ग्रामवासियों ने उपायुक्त को बताया कि हर वर्ष बरसात के दिनों में अचानक ज्यादा पानी आने से सोम नदी उफान पर आ जाती है, जिससे गांव खानुवाला, लोपों, चिंतपुर में पानी भर जाता है और काफी नुकसान होता है। उन्होंने उपायुक्त से नदी के तटबंधों को सुदृढ़ कर स्थाई समाधान करने की मांग की। ग्रामवासियों की मांग पर उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये। गांव लोप्यों के निवासियों ने बताया कि गांव की सड? पर बनी पुलिया अ्वरूद्ध हो गई है, जिससे पानी की निकासी सही ढंग से नही हो पाती। उपायुक्त ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को इस पुलिया की सफाई करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने उत्तर प्रदेश की सीमा से लगते गांव घोड़ों पिपली में पंहुचकर लोगों की समस्याएं सुनी, जिसमें ग्रामवासियों ने बताया कि बरसात के मौसम में यमुना नदी विकराल रूप धारण करती है और हम किसानों की खेतों की जमीन यमुना नदी में समा जाती है। इस बार भी यमुना नदी में अधिक मात्रा में पानी आने की संभावना है। ग्रामीणों ने उपायुक्त को यमुना नदी के किनारों को मजबूत करने के बारे में अनुरोध किया। उपायुक्त ने यमुना नदी में चल रहे बाढ़ राहत कार्यों तक जा रहे रास्ता जो पानी में बह गया था, उसमें पाइप डालकर रास्त चालू करने के निर्देश दिये ताकि बाढ़ बचाव कार्य में तेजी लाई जा सके। इस मौके पर एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल, एसडीएम जगाधरी सोनू राम, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता आर.एस. मित्तल, कार्यकारी अभियंता विनोद कुमार, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग पुनीत मित्तल, कार्यकारी अभियंता बिजली निगम पवन चिकारा, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह, तहसीलदार सुदेश मेहरा, बीडीपीओ कार्तिक चौहान, बीडीपीओ आस्था गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर नारी शक्ति का उदाहरण बना प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह

चंडीगढ। हरियाणा के महेंद्रगढ जिला के गांव बवानिया से निकली प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह की कहानी आज पूरे प्रदेश और देश की महिलाओं के लिए एक अमर प्रेरणा बन चुकी है। यह कहानी है बनारसी देवी और उनके समूह की उन मेहनती महिलाओं की है जिन्होंने अपने सामूहिक प्रयास, अटूट विश्वास और हरियाणा सरकार की दूरदर्शी नीतियों के सहयोग से आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिखी है। आज यह समूह न केवल 300 से अधिक महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार दे रहा है बल्कि उनके द्वारा निर्मित उत्पादों की ख्याति देश की सीमाओं को लांघकर अमेरिका और जापान जैसे दूर देशों तक पहुंच चुकी है। इस स्वयं सहायता समूह की यात्रा वर्ष 2001 में शुरू हुई जब बनारसी देवी ने अपने गांव की महिलाओं को संगठित कर आत्मनिर्भर बनने का सपना देखा। इसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह की नींव रखी। वर्ष 2005 में इस समूह की विकास यात्रा ने गति पकड़ी। इसके बाद वर्ष 2017 में उन्होंने गांव की महिलाओं को अचार बनाने का कौशल सिखाया। इस शुरुआती सफलता से उत्साहित होकर समूह की महिलाओं को करनाल स्थित बागवानी प्रशिक्षण संस्थान में उन्नत प्रशिक्षण के लिए भेजा गया जहां उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग के गुर सीखे। हरियाणा सरकार के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का सहयोग समूह के लिए एक गेम-चेंजर साबित हुआ। इसी योजना के तहत वर्ष 2021 में समूह को दाल प्रसंस्करण के लिए एक मिनी दाल मिल उपलब्ध करवाई गई जिसने उनके उत्पादन क्षमता में क्रांति ला दी। धीरे-धीरे समूह ने अपनी गतिविधियों का विस्तार किया और महिला किसान संगठन से जुड़कर मोटे अनाज (मिलेट्स) और ऑर्गेनिक उत्पादों के उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया। बनारसी देवी के कुशल नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने बाजरे, ज्वार, रागी से बने स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद जैसे बाजरा खिचड़ी, बेसन, हल्दी व मसाले, तेल और गुड़ तैयार करना सीखा। आज इस समूह की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का ही नतीजा है कि उनके उत्पादों की मांग न केवल हरियाणा बल्कि दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, गोवा, जापान, अमेरिका और सिंगापुर जैसे देशों तक है। समूह द्वारा तैयार की गई बाजरा की खिचड़ी अपनी पौष्टिकता और स्वाद के कारण इतनी लोकप्रिय हुई है कि यह अब अमेरिका तक पहुंच चुकी है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हरियाणा का नाम रोशन कर रही है। प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह ने न केवल अपने सदस्यों को ही सशक्त किया है बल्कि बनारसी देवी के नेतृत्व में अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। समूह ने हरियाणा और राजस्थान में समय-समय पर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर 100 से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने का मार्गदर्शन दिया है। इन शिविरों में महिलाओं को मोटे अनाज से विभिन्न खाद्य उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिससे वे भी आत्मनिर्भर बन सकें। बनारसी देवी का योगदान केवल आर्थिक सशक्तिकरण तक ही सीमित नहीं है। उनकी समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनके अभूतपूर्व योगदान को हरियाणा सरकार ने भी खुले दिल से सराहा है।

राइट टू सर्विस उल्लंघन में दोषी पाए गए अधिकारी पर लगाया 5 हजार रुपये का जुर्माना

चंडीगढ़, 2 जुलाई। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने एम.एस.एम.ई. विभाग के डी.ओ.-कम-सीनियर अकाउंट ऑफिसर पर 5 हजार रुपये का प्रतीकात्मक जुर्माना लगाया है।आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आयोग ने फरीदाबाद की एक एम.एस.एम.ई. इकाई को वित्तीय सहायता के वितरण में हुई अत्यधिक देरी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर कड़ी टिप्पणी की है और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि यह मामला 24 दिसंबर 2024 को जिला कार्यालय में दाखिल हुआ था, परंतु आयोग द्वारा 20 मई 2025 को नोटिस जारी किए जाने के बाद ही इसमें त्वरित कार्रवाई संभव हो सकी और 30 मई 2025 को राशि का वितरण हो पाया। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल वितरण से संबंधित नहीं था, बल्कि इसमें अनुमोदन, स्वीकृति और वितरण तीनों चरण शामिल थे, जिनकी कुल समय-सीमा 66 कार्य दिवस निर्धारित है। इसके बावजूद 2 लाख रुपये की मामूली सहायता राशि के वितरण में लगभग पाँच माह का समय लग गया, जो किसी भी एम.एस.एम.ई. इकाई के लिए आर्थिक रूप से हानिकारक है। आयोग ने इस प्रक्रिया में राजपत्र अधिसूचना की खुली अवहेलना, प्रशिक्षण की कमी तथा मुख्यालय एवं जिला स्तर पर दिशा-निर्देशों के अभाव को चिह्नित किया है। आयोग ने एस.जी.आर.ए. और एफ.जी.आर.ए. की जिम्मेदारी निभा रहे अधिकारियों द्वारा अधिसूचना के विपरीत कार्य करने को %अवैध% करार दिया है और संबंधित अधिकारियों को ऐसा करने से रोका है। आयोग ने एस.जी.आर.ए. के रूप में कार्य कर रहे अधिकारी द्वारा अपीलों के निस्तारण में दी गई 'अस्पष्ट टिप्पणियों' को भी कानून के उल्लंघन की श्रेणी में माना है और उन्हें चेतावनी जारी की है। साथ ही, फरीदाबाद के एम.एस.एम.ई. विभाग के संयुक्त निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जबकि डी.ओ.-कम-सीनियर अकाउंट ऑफिसर पर 5 हजार रुपये का प्रतीकात्मक जुर्माना लगाया गया है, जिसे उनकी जुलाई माह के वेतन से काटकर राज्य कोष में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

NAME CHANGE
I, PRANJAL CHAUDHARY D/O SARIN CHOUDHARY resident of FLAT NI-139 GROUND FLOOR TDI TISCAN COTY KUNDLI SONIPAT HARYANA-131028 have changed my name to PRANJAL CHOUDHARY for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवाकिलो श्री दलबीर सिंह पुत्र श्री जोगिंदर सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती निर्मल कौर मकान नं.-38 ब्लॉक-के, सौरभ विहार जैतपुर, दक्षिण दिल्ली, 110044 ने अपने पुत्र श्री मनप्रीत सिंह सैनी और बहू श्रीमती नीतू पत्नी श्री मनप्रीत सिंह सैनी निवासी- मकान नं.-38 ब्लॉक-के, सौरभ विहार जैतपुर, दक्षिण दिल्ली, 110044 को उनके दुराचरण व दुर्वव्हार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उसकी गतिविधि के प्रति मेरी मुवाकिलो एवं उनके समस्त परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
Shailendra Kr. Singh ADVOCATE
Ch. No. 471, Lawyer Chamber Block, Court, Complex, Saket, New Delhi-110017

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANDEEP KUMAR GUPTA S/O ONKAR NATH R/O C-187, Sahu Bhawan Back Side, Hari Nagar South West Delhi, Delhi-110064 declare that name of mine has been wrongly written as SANDEEP GUPTA in my minor daughter MIHIKA GUPTA aged 13 years in her birth certificate no. MCDOLIR0111004930228 and SANDEEP KUMAR in her school records. The actual name of mine is SANDEEP KUMAR GUPTA which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto known as MEENU alias MEENA KUMARI D/o RAMAVATAR, and W/o SUNIL R/o Flat No. 17, Rohini Jail Residence Complex Type-3, Sector-19 Rohini, Rohini Sector 15, North West Delhi, Delhi-110089, have changed my name and shall hereafter be known as MEENA KUMARI.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD IBRAHIM S/O MOHD JAVED residing at 504 PHASE-1 SHAHZADA ABGH INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MOHD IBRAHIM for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Prithvi Chauhan S/o Amit Kumar R/o H.No-32, Block-C, Sector-108, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Pushpender Chauhan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Amit Kumar S/o Ashok Kumar Saxena R/o 701, Omaxe Palm Green, Bango Palm-A, Near Village Ghodi Bachheda, Sector-MU, Greater Noida, Ghodi Bachheda, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310 have changed the name of my minor daughter Siya Saxena aged 13 years and she shall hereafter be known as Anvesha Saxena.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJNISH KUMAR S/o LAKSHMAN PRASAD SINGH, R/o Flat No. - 79, Upvan Appartment, Rohini Sector-28, Sahibabad Daulat Pur, PO: Sahibabad Daulat Pur, DIST: North West Delhi, Delhi - 110042 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as RAJNISH KUMAR SINGH and LAKHAN PAL SINGH in my Pan Card No. GCMPS9202N. The actual name of mine and my Father are RAJNISH KUMAR and LAKSHMAN PRASAD SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NAVNEET K DEOL D/o AVTAR SINGH R/o 86, Hakikat Nagar G T B Nagar, Delhi-110009 have changed my name and shall hereafter be known as NAVNEET KAUR DEOL, for all future purposes.

Lost & found
(Correction - back date 04.01.2025 publices in Quomi patrika / Sikh times news paper) correct matter-.I.Pankaj Kamatak (Aadhar Card No 6686 5578 8932) S/o V.D.Karnatak aged about 53 years, residing at H/NO-356 PCKET D-9, SECTOR -3. ROHINI, NEW DELHI-110085, do hereby inform to the General Public that I have lost the original land document per-taining to my/our property regis-tered in document No's GPA No 506/2004 Book No 4 Dated 15.12.2004 GPA No 432/2004 Book No 4 Dated 30.12.2004, GPA No-462/2004 ???? 4 Dated 7.12.2004, GPA No 539/2004 Book No 4 Dated 28.12.2004 and Original Sale Deed No 1528/2005 Book No 1 Dated 30.3.2005 regis-tered at Sattur Sub Registrar Office, Virudhunagar Distict, Tamilnadu. If any-one finds the said document, please contact me over phone no 9958168128 or at the following residential address H/NO-356 POCKET D-9, SECTOR-3 ROHINI, NEW DELHI-110085

NAME CHANGE
It is for general information that I RAJ ROOP DRALL S/o MAHENDER SINGH residing at House No. - 492, Ramayan Panna, Tikri Kalan, West Delhi, Delhi-110041 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as RAJ RUP SINGH and MAHINDER SINGH in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are RAJ ROOP DRALL and MAHENDER SINGH respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as AJAY KUMAR TOMAR S/o JAGDISH CHANDER R/o House No. 39, Jai Krish House, Near HDFC Bank, Mahamedha Wali Gali, Surajpur, PO: I.a. Surajpur, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed my name and shall hereafter be known as AJAY KUMAR.

LOST & FOUND
This is to inform the original documents of my property bearing No. 2705/24, 1st Floor, Beadonpura, Bank Street Karol Bagh, Delhi-110005 as following: - 1. Sale Deed in favour of Krishna Luthra Dated 19/04/2000 has been lost or misplaced finder contact Ajay Luthra Mobile No.9999084412.

NAME CHANGE
I SHUBHAM KUMAR S/O MITHLESH KUMAR R/O A-433 VIDYAPATI NAGAR GALI NO-8 INDER ENCLAVE PHASE-2 MUBARAK PUR DABAS NORTH WEST DELHI 110081 HAVE CHANGED MY NAME TO SHUBHAM

NAME CHANGE
I hitherto known as DEVI RAM S/o GYANI RAM R/o H.No- C-71, Gali No-06, Saurabh Vihar, South Delhi, Delhi- 110044, have changed my name and shall hereafter be known as DEV BARAN.

NAME CHANGE
I, MOHD ALI S/O SABIR ALAM residing at JHUGGI NO N-95/273 T-HUTS SHAHZADA ABGH INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MOHAMMAD ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as SATISH KUMAR S/o BANARASI DAS residing at F-106, Brave Heart Society, AVS Palace, Rajnagar Extension, PO: Raj Nagar Extension, Dist. - Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201017 have changed my name and shall hereafter be known as SATESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, NEERAJ SHARMA S/o SHRI HARI OM SHARMA R/o H NO. – F-76, GROUND FLOOR, SADBHAWNA APPARTMENT, PITAMPURA, NORTH WEST DELHI – 110034, have changed my name from Neeraj to Neeraj Sharma for all future purposes.

नाम परिवर्तन
मैं, अंजलि पठानिया पत्नी अजय सिंह पठानिया निवासी गांव और डाकघर- तनिहार , जिला -मंडी , हिमाचल प्रदेश ने अपना नाम बदल लिया है और अब से अंजलि राणा के नाम से जानी जाउंगी।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे मुवक्किलगण श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री छत्तर पाल सिंह व श्रीमति मीनू सिंह पत्नी श्री जोगेन्द्र सिंह दोनों निवासी मकान न0 आरज़ेड-15ए, बी-ब्लॉक, अर्जुन पार्क, साउथ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110043 ने अपने पुत्र यशवीर सिंह को उनके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण मे नहीं होने के कारण अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उनसे अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है यदि कोई भी व्यक्ति भविष्य मे उनसे कोई भी लेन-देन करता है तो वह स्वय इसका जिम्मेदार होगा एवं मेरे मुवक्किलगण का इससे कोई लेना-देना नहीं होगा ।
NITIN ADVOCATE
306, STREET NO. PRAKSHA ENCLAVE, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059

NAME CHANGE
It is for general information that I, FARHAN SIDDIQUI S/o TOFIK AHMAD R/o House No.-1283, Block-A, Near M S Model School, Karala, Karala, Dist. North West Delhi, Delhi-110081 declare that name of my father has been wrongly written as TAUFIQ SIDDIQUI in my 10th class educational documents. The actual name of my father is TOFIK AHMAD, which may be amended accordingly.

Lost & found
LR No:2972584/2025 Delhi Crime Branch, Ranbir Singh (9566 8903 9421) R/O Bindrakh Po: Purkhali Dist: Rupnagar Punjab-140108 I Have Lost My Original Document Number 1459/2004 Kuruvikulam North Sub Registrar Kazhugumalai Taluk Thiuvengadam Registration District Thenkasi Zone Tamil Nadu State and also Previous Documents. (i) Document No-1459/2004. Survey No-1.355/2B.Acre-12.45Cent Survey No-355/3. Acre-1.45 Cent Survey No-357/6.Acre-2.09 Cent Total-16.02 2.Document No-1460/2004 Survey No-1 295/3. Acre-3.09 Cent 2.Survey no-301/4. Acre 2.06 Cet 3.2812 Acre 0.72 Cent. 4.281/3 Acre 0. 65 cet 5.282/4 Acre. 1 91 Cent 6. 300/3 Acre 0. 63 Cent 7. 300/4 Acre 0.61 Cent 8. 300/5 Acre 0.59 Cent 9.300/7 Acre 0. 62 Cent 10. 285/3 Acre 3.00 Cent 11.357/2. Acre 0.75 Cent. 12. 357/4 Acre 0.44 Cent. Total Acre 15. 04 Cent. Two Document All Total Acre 31. 06 Cent. Situated at Kuruvikulam North Village. Thiruvengadam Taluk. Registration District Kazhugumalai,Tamil Nadu

NAME CHANGE
I DAVINDER KAUR, W/O LATE HARJIT SINGH BAKSHI, D/O SURJEET SINGH, R/O B-140B, THIRD FLOOR, KALKA JI, NEW DELHI 110019,HAVE CHANGED MY NAME TO DAVINDER KAUR BAKSHI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, No-2611990A Rank-HAV Name-RAKASH S/o HUKKAMI CHAND Presently residing at HOUSE NO-58, VILL & POST-LOHANI, DIST-BHIWANI, HARYANA-127021, have changed my name from RAKASH to RAKESH for all future purposes vide Affidavit dated 05/07/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Kul Bhushan son of chunni lal aged 51 years residing at 81 white apartment new gh-6 paschim vihar west Delhi Delhi 110087 declare that names Of mine and my wife has been wrongly written as kulbhushan jajoria and vidya jajoria In my Minor sons namely Utkarsh Jajoria Aged 17 years educational documents including CBSE marksheet cum certificate for SSE THE Actual name of mine and my wife are kul bhushan and vidyawati respectively which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Kul Bhushan son of chunni lal aged 51 years residing at 81 white apartment new gh-6 paschim vihar west Delhi Delhi 110087 declare that names Of mine and my wife has been wrongly written as kulbhushan jajoria and vidya jajoria In my Minor sons namely Utkarsh Jajoria Aged 17 years educational documents including CBSE marksheet cum certificate for SSE THE Actual name of mine and my wife are kul bhushan and vidyawati respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, hitherto known as MONIKA AKASH AGGARWAL alias MONIKA THAKUR W/O AKASH AGGARWAL D/O RATTAN CHAND THAKUR R/O 47/6, NEAR NIJ THAN GURUDWARA, OLD RAJINDER NAGAR, RAJENDER NAGAR, CENTRAL DELHI, DELHI-110060 have changed my name and shall hereafter be known as MONIKA AKASH AGGARWAL.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डीसीआरयूएसटी में 17 शोधार्थी पीएचडी के लिए चयनित

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (डीसीआरयूएसटी) अपने शैक्षणिक व अनुसंधान क्षेत्र में विश्वविद्यालय के परीक्षकों के बोर्ड एवं शोध समिति की अनुशंसा पर कुल 17 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया गया है। कुलगुरु प्रो. श्रीप्रकाश सिंह गुणवत्ता युक्त शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों पर सभी शोधार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विभाग से दो शोधार्थियों को नियमानुसार 25 हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। साथ ही, प्रत्येक पीएचडी शोधार्थी को 10 हजार रुपये आकस्मिक व्यय के रूप में भी प्रदान किए जाएंगे। पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किए गए शोधार्थियों में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से कपिल सैनी और पुष्पा, मैनेजमेंट स्टडीज से सरिता यादव, विंकी रानी, सुरभी दहिया, मैकेनिकल इंजीनियरिंग से आशीष, फिजिक्स से सुप्रिया सहरावत, पूजा नेहरा और दीपक, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से लोकेन्द्र कुमार, सिविल इंजीनियरिंग से परमिंदर गिल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग से सर्वेश कुमार शर्मा, ललिता यादव और नीति, गणित से कविता, तथा बायोटेक्नोलॉजी से प्रिया और अमरेश कुमार शामिल हैं।

सोनीपत में 40 साल बाद हटेंगे कब्जे, गिराई जाएंगी 17 दुकानें

सोनीपत। सोनीपत के सुभाष चौक एटलस रोड पर स्थित नगर पालिका की दुकानों को लेकर वर्षों से चला आ रहा कानूनी विवाद अब निर्णायक चरण में पहुंच चुका है। नगर निकाय की बनाई गई ये दुकानें मूलतः पार्किंग और हरित पट्टी की जमीन पर बनी थीं, जिसके कारण क्षेत्र में हमेशा जाम और अतिक्रमण की समस्या बनी रही। इन 17 दुकानों को लेकर उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक लंबी कानूनी प्रक्रिया चली, पर अब सभी याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने एक अगस्त 2012 को नगर पालिका की दुकानों को हटाने का आदेश दिया था, जिसके अनुपालन हेतु उपायुक्त को निर्देशित किया गया। इस आदेश को रणधीर सिंह और अन्य ने सिविल कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन 2014 में याचिका खारिज हो गई। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त जिला जज के समक्ष अपील की, जो 2016 में निरस्त कर दी गई। उच्च न्यायालय में दायर याचिका भी 2023 में खारिज हुई। अंततः सर्वोच्च न्यायालय ने 4 दिसंबर 2024 को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि दुकानदारों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत ही हटाया जाए, लेकिन राहत नहीं दी गई।

तोड़े गए निर्माणों का मलबा उठाने का खर्चा वसूलेगा नगर निगम

फरीदाबाद। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अरावली में बने अवैध निमार्ण की तोड़-फोड़ के बाद वेस्ट को हटाने के लिए नगर निगम की तरफ से आदेश जारी किए गए है। निर्माण के मालिकों को कहा गया है कि वह स्वयं कीमती सामान, लोहा, गाटर, अन्य सीएनडी वेस्ट को मौके से हटा लें। निगम के द्वारा वेस्ट को हटाने पर मालिकों से इसका खर्चा वसूला जाएगा। गौरतलब है कि फरीदाबाद में करीब 20 दिनों से अरावली पर्वत श्रृखंला में वन विभाग और नगर निगम की टीमों ने मिलकर 80 से ज्यादा अवैध निर्माण गिराएं है। इनमें बड़े फार्म हाउस से लेकर कई मकान शामिल है। इनको तोड़े जाने के बाद अब नगर निगम ने पहाड़ों पर पड़े इनके वेस्ट को उठाने की मुहिम शुरू की है। जिसके लिए इन निर्माण के मालिकों को आदेश जारी किए गए है। जिसमें वहां से मलबे को हटाने के लिए बोला गया है। साथ में यह भी कहा गया है कि अगर निगम को ये मलबा हटाना पड़ा तो इसके खर्चे की वसूली भी इन निर्माण के मालिकों से ही की जायेगी। नगर निगम एनआईटी जॉइंट कमिश्नर द्विजा ने इसकी जानकारी दी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अरावली में ये तोड़-फोड़ की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में अवैध निर्माण को गिराकर उसकी जगह पर वन विकसित करने का आदेश भी वन विभाग को दिया थ।

पानीपत में सड़क पर खड़े ट्राले से टकराई रोड़वेज बस,चालक सहित चार घायल

पानीपत। पानीपत में हरियाणा रोडवेज की बस ट्रॉले में घुस गई। जिससे ड्राइवर समेत चार यात्री घायल हो गए। ड्राइवर की हालत नाजुक है। घायलों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। हादसा सुबह के समय राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 44 पर हुआ हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। जिसके बाद घायलों को राहगीरों व अन्य सवारियों की मदद से नजदीकी पार्क अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है । कैथल डिपो की बस जब दिल्ली जा रही थी तो पुलिस लाइन के सामने ट्रॉले से जा टकराई। दुर्घटना में घायल होने वाले में कैथल के हरसौला गांव का रहने वाला ड्राइवर अशोक, रजनी, कैथल के सांच गांव का रॉबिन और करनाल की विमी गोयल शामिल हैं। बस के कंडक्टर भूपेंद्र ने कहा कि वह सुबह आठ बजकर 40 मिनट पर कैथल से दिल्ली के लिए रवाना रवाना हुए थे। पानीपत आने के बाद यहां बस स्टैंड से सवारियां बैठाई। बस स्टैंड से निकलने के बाद थोड़ी दूरी पर सड़क के बीच में ट्रॉला खड़ा था। बताया गया कि प्रैशर पाइप फटने से ट्रॉला बीच रोड में खड़ा हो गया था।

सीएम पैक्स के माध्यम से खुलेंगे जनऔषधि केंद्र, सीएससी सेंटर और गैस स्टेशन

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस सहकारिता मंत्री की घोषणाए

एजेंसी

चंडीगढ़। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि गन्ना उत्पादकों को हार्वेस्टिंग के दौरान आने वाली परेशानियों के समाधान के लिए हरको बैंक के माध्यम से लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इससे युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीनों के व्यवसायिक इस्तेमाल से आर्थिक तौर पर मजबूत होने के अवसर मिलेंगे।अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ. शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का लोगो लांच किया व दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से जन औषधि केंद्र, सीएससी सेंटर, गैस स्टेशन जैसे 25

प्रकार के काम करने के अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत 500 सीएम पैक्स का गठन करने की दिशा में प्रदेश में अब तक 141 सीएम पैक्सों का गठन हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गन्ना उत्पादक किसानों के सामने हार्वेस्टिंग को लेकर आने वाली समस्या के समाधन के लिए हरको बैंक के पैक्स के माध्यम से युवाओं,किसानों को हार्वेस्टिंग मशीन खरीद के लिए लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। अब डेयरी फेडरेशन के माध्यम से सीएम पैक्स के सदस्यों को भी वीटा बूथ आवंटन में अवसर प्रदान किए जाएंगे। यहीं नहीं डेयरी फेडरेशन वीटा बूथों को माडर्नाइज्ड बनाया जाएगा, ताकि वहां वीटा और हैफेड के खाद्य उत्पादों की उपलब्धता होगी। उन्होंने हरको बैंक के प्लेटिनम डेबिट कार्ड को भी लांच किया। पांच लाख रुपए तक के इस डेबिट कार्ड का इस्तेमाल देश के एयरपोर्ट लांज में भी किया जा सकेगा।

डीसी कार्यालय रिश्वतकांड में 76 नाम, जांच में नया मोड़

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में रिश्वत मामले में गिरफ्तार तत्कालीन डीसी डॉ. मनोज यादव के निजी सहायक शशांक शर्मा को विशेष अदालत में 14 दिन की न्यायिक हिरासत के बाद फिर से अदालत पेश किया गया। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जांच को और गहरा करते हुए 76 लोगों की नई सूची तैयार की है, जिनमें कई नाम डीसी कार्यालय से जुड़े कर्मचारियों के हैं। प्रारंभ में मामले में केवल आठ लोगों के नाम सामने आए थे जिसमें हरीश कुमार (सहायक), प्रवीण कुमार (चालक), और अनूप, अखिल, दीपांशु (डीआईटी ऑपरेटर)। लेकिन अब यह संख्या 76 से अधिक पहुंच चुकी है। लिस्ट में अजय, अमित, अंकुर शर्मा, अन्नपूर्णा, अनुप, आशीष, दीपक, दिनेश, हरीश, जसवंत, कुलदीप, मोहित, मोनिका, पूजा, राहुल, राजेश, राकेश, रीना, रिंकू, साहिल, संदीप मलिक, सुरजीत, विकास समेत दर्जनों अन्य नाम हैं, जिनमें से कुछ सरकारी पदों पर हैं और कुछ निजी संपर्क माने जा रहे हैं। सभी के बैंक खाते और लेन-देन की जांच की जा रही है। जांच के बीच डीसी कार्यालय के कई कर्मचारी अचानक छुट्टी परचले गए हैं या बीमारी का बहाना बना रहे हैं। जिससे पूरे स्टाफ की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। ऐसे में एसीबी ने उन सभी कर्मचारियों को रडार पर ले लिया है जिनका नाम सूची में है या जिनके लेन-देन संदिग्ध हैं। एडवोकेट राजेश दहिया ने शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि शशांक शर्मा बीते आठ वर्षों से एक ही सीट पर बने हुए थे, जो बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं। उन्होंने इस नियुक्ति के पीछे कुछ रसूखदारों की मिलीभगत की बात कही है।

संवाद कार्यक्रमों से मजबूत होता है संगठन : बंतो कटारिया

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के गोबिंदपुरी रोड स्थित कार्यालय पर पूर्व मेयर एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा, हरियाणा मदन चौहान के नेतृत्व में सामाजिक समरसता, संगठनात्मक संवाद और जनसेवा के मूल्यों को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा हरियाणा की प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ यमुनानगर विधानसभा के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने भी विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बंतो कटारिया ने कहा कि इस तरह के संवादमूलक कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिएं, जिससे हम आप सभी को सुनें और आप हमें अपने विचारों से

अवगत कराएं। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने भी अपने वक्तव्य में कहा, 'जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के बीच ऐसा संवाद संगठन की ऊर्जा को बढ़ाता है। मैं मदन चौहान को इस पहल के लिए बधाई देता हूं और अपेक्षा करता हूं कि भविष्य में भी ऐसे सार्थक आयोजन होते रहें। मदन चौहान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल आपसी संवाद बढ़ता है, बल्कि समाज और संगठन दोनों को एक सकारात्मक दिशा मिलती है।

बकाया मुआवजा राशि नहीं मिलने पर भड़के किसान,आईएमटी निर्माण रोकने का ऐलान

एजेंसी

नूंह। जमीन अधिग्रहण का पूरा मुआवजा नहीं मिलने की सूरत में नूंह जिला के रोजका मेव में आईएमटी के निर्माण को रुकवाने का निर्णय किसानों ने लिया है। इसे लेकर महापंचायत बुलाई गई थी। स्थिति को भांपते हुए वहां पर भारी संख्या में पुलिस बस तैनात किया गया। साथ ही किसानों की गिरफ्तारी के लिए बसें भी मौके पर मंगवाई गई। जब तक महापंचायत चली, माहौल तनावपूर्ण रहा। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद सहित कई किसान नेताओं ने यहां शिरकत की। किसानों की मांग के समर्थन में पहुंचे किसान नेता रवि आजाद बोले, सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। जब मुआवजा राशि के लिए सरकार ने किसानों से एफिडेविट तक ले लिए, तो फिर मुआवजा की बकाया राशि क्यों नहीं दी। आश्वासन देने के बाद भी प्रशासन ने सरकार के साथ किसानों की मुलाकात नहीं कराई। 11 मार्च 2024 को भी इसी तरह

का माहौल यहां बना था। उस समय 54 महिलाओं समेत 107 किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। अब किसान अपनी मांग को लेकर शांत नहीं बैठेंगे। रोजका मेव आईएमटी के निर्माण के लिए सरकार की ओर से नूंह जिला के नौ गांव बडेलाकी, खोड, रेवासन कंवरसीका, रोजकामेव, धीरदोका, खेड़ली कंकर, मेहरोला व रूपाहेड़ी के किसानों की 1600 एकड़ जमीन का अधिग्रहण वर्ष 2010 में किया गया था। उस समय सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ 25 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया था। सरकार ने बाद में फरीदाबाद जिला के चंदावली, मच्छगर गांवों की जमीन का भी अधिग्रहण किया। वहां के किसानों ने अदालत की शरण लेते हुए कहा कि उनकी जमीन को सरकार ने सस्ते रेट में लिया है। इसलिए उनका मुआवजा बढ़ाया जाए। किसानों के पक्ष में फैसला देते हुए कोर्ट ने प्रति एकड़ दो करोड़ की राशि देने के सरकार को आदेश दिए थे।

हरियाणा में हर वर्ष जुलाई माह में मनाया जाएगा शतरंज दिवसः शिक्षा मंत्री

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने घोषणा की कि स्कूलों में अब हर वर्ष जुलाई माह के पहले शतरंज दिवस मनाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत राजकीय माध्यमिक विद्यालय (जीएमएस) कचरौली, पानीपत से की गई। इस महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ आज राज्यभर के स्कूलों में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा उपस्थित रहे,वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक सुनील बजाज ने की। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विद्यालय परिसर में विशाल शतरंज बोर्ड पर प्रथम चाल चलकर चेस डे का औपचारिक उद्घाटन किया। शिक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं बल्कि बुद्धि, धैर्य, योजना, निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान कौशल को

विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों को ऐसे बौद्धिक खेलों से जोड़ना समय की मांग है. जिससे उनका मानसिक विकास संतुलित ढंग से हो सके। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने बच्चों से साथ साथ शिक्षकों से भी चेस खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि अगर शिक्षक मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ होंगे तो विद्यार्थी अपने आप ही स्वस्थ होंगे। महिपाल ढांडा ने कहा की अध्यापको के लिए भी चेस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाये ताकि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जा सके।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विद्यालय प्रशासन को विद्यालय स्तर पर चेस क्लब गठित करने तथा नियमित शतरंज कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में शतरंज को स्कूलों की सह-पाठ्यक्रम गतिविधि के रूप में और अधिक मजबूती से लागू किया जाएगा ताकि हर बच्चा अपनी बौद्धिक क्षमता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सके। महिपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा के बच्चे राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज में राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। शतरंज खेल से बच्चों में धैर्य, अनुशासन और तर्क शक्ति विकसित होती है जो जीवन में सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा, विक्रम सहरावतखंड शिक्षा अधिकारी, पानीपत समेत गणमान्य अतिथि, अध्यापकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हर रविवार को ड्राई-डे के रूप में मना डेंगू के प्रहार पर करें वारः अजय कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। जुलाई माह को एंटी-डेंगू माह के रूप में मनाते हुए जिला उपायुक्त अजय कुमार ने गुरुग्राम जिले के नागरिकों से डेंगू की रोकथाम में सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि डेंगू एक वायरल बीमारी है, जो एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। यह मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में दिन के समय पनपता है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि घरों और आस-पास के क्षेत्रों में पानी जमा न होने दिया जाए। डीसी अजय कुमार ने बताया कि गुरुग्राम जिले में प्रत्येक रविवार को ड्राई डे के रूप में मनाया जाए, ताकि घरों में मौजूद कूलर, पानी की टंकियां, गमले, फ्रिज की ट्रे, पक्षियों के बर्तन आदि को खाली कर साफ किया जा सके। मच्छर ऐसे स्थानों पर अंडे देते हैं, जिन्हें नियमित रूप से साफ कर डेंगू की रोकथाम की जा सकती है। उन्होंने कहा कि डेंगू के लक्षणों में तेज बुखार का अचानक आना, माथे में तेज दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, स्वाद और भूख में कमी शामिल हैं। यदि इनमें से कोई भी लक्षण नजर आएं तो व्यक्ति को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच करवानी चाहिए और डॉक्टर की सलाह अनुसार ही दवा लेनी चाहिए। गुरुग्राम जिले के नागरिक अस्पताल में डेंगू की जांच और इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है। यहां पर प्लेटलेट्स की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। इसके अलावा जिले के सिविल अस्पताल में डेंगू जांच की सुविधा भी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध है। डीसी ने यह भी बताया कि गुरुग्राम में कार्यरत निजी लैबों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एनएस-1 और आईजीएम एलीसा आधारित डेंगू जांच के लिए अधिकतम 600 रुपये से ज्यादा शुल्क न लें।

मीरपुर के दो स्कूलों में सीएम फ्लाइंग का छापा, मिली अनियमितताएं

एजेंसी

हिसार। सीएम फ्लाइंग की टीम ने अग्रोहा क्षेत्र के गांव मीरपुर स्थित राजकीय माध्यमिक स्कूल व राजकीय प्राथमिक स्कूल में छापेमारी की। छापे के दौरान टीम ने स्कूलों में ग्रांट के उपयोग, मिड-डे मील, इको क्लब ग्रांट और अन्य रिकॉर्ड की जांच की। पता चला है कि जांच के दौरान सीएम फ्लाइंग ने कई तरह की अनियमितताएं पकड़ी है। मिली जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग टीम ने इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में यह छापामार कार्रवाई की। इसमें शिक्षा विभाग के चेकिंग अधिकारी के रूप में राजकीयसीनियर सेकेंडरी स्कूल, दड़ोली के प्रिंसिपल प्रकाश चंद्र, बीईओ अग्रोहा के क्लर्क वीरेंद्र, एएसआई सुरेंद्र कुमार और एचसी विजय शामिल रहे। सुनैना ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि मीरपुर गांव के दोनों स्कूलों में ग्रांट के दुरुपयोग और अनियमितताओं की शिकायतें हैं। इस सूचना के आधार पर टीम ने दोनों स्कूलों में रेड की और रिकॉर्ड्स की गहन जांच की।सीएम फ्लाइंग की इंचार्ज सुनैना ने बताया कि जांच के दौरान राजकीय माध्यमिक स्कूल में मुख्याध्यापक अनिल कुमार की

मौजूदगी में कई खामियां पाई गईं। इंचार्ज सुनैना ने बताया कि स्कूल में दी गई ग्रांट के कई बिल वेरिफाइड नहीं थे। विशेष रूप से, छत की मरम्मत के लिए निकाले गए ग्रांट में मजदूरों की दिहाड़ी के बिल गायब थे। इसके अलावा, इको क्लब ग्रांट की कोटेशन खाली पाई गई और कैश बुक व प्रॉपर्टी रजिस्टर लंबे समय से अपडेट नहीं किए गए थे। सबसे गंभीर मामला यह सामने आया कि स्कूल ग्रांट में से 50 हजार रुपए खर्च किए गए, लेकिन इनमें से 3 हजार 050 रुपए के बिल प्रस्तुत नहीं किए गए। रिकॉर्ड्स की कमी और अनियमितताओं ने स्कूल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। सीएम फ्लाइंग की इंचार्ज सुनैना ने बताया कि राजकीय प्राथमिक स्कूल में मुख्याध्यापक सतबीर सिंह की उपस्थिति में जांच की गई। यहां भी ग्रांट से संबंधित कैश बुक आधी-अधूरी पाई गई, और बिलों को वेरिफाइड नहीं किया गया था। ग्रांट खर्च से संबंधित फाइलों में लगाई गई कोटेशन में तारीखें नहीं थीं, और नियमों का पालन नहीं किया गया था।

छह माह में अवैध हथियारों, नशीले पदार्थ के मामलों में 234 हुए गिरफ्तार

एजेंसी

झज्जर। आपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से झज्जर पुलिस ने बीते छह महीने में अवैध असलाह रखने, नशीले पदार्थों का कारोबार करने, सट्टा खाईवाली रोकने के लिए कार्रवाई करते हुए 234 लोगों को गिरफ्तार किया। झज्जर पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा अवैध हथियार रखने वालों और नाजायज हथियार खरीदने/बेचने के अवैध धंधे, नशीली पदार्थ का कारोबार करने वालों व आपराधिक गतिविधियों में लिप्त दोषियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कारवाई करने के लिए जिला के सभी थाना प्रबन्धकों, चौकी प्रभारियों, एंटी नारकोटिक सेल, अपराध जांच शाखा झज्जर व स्पेशल स्टाफ झज्जर के प्रभारियों को पुलिस आयुक्त की ओर से विशेष रूप से कड़े दिशा निर्देश किए गए थे। निर्देशों का पालन करते हुए झज्जर पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा चिह्नित संदिग्ध व सार्वजनिक स्थानों पर लगातार निगरानी रखते हुए औचक कार्यवाही भी की गई। पिछले छह माह के दौरान जिला के अलग-अलग स्थानों पर शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 72 मुकदमों में 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिनसे 74 अवैध पिस्तौल सहित 165 जिंदा कारतूस बरामद हुए। नशीले पदार्थो के अलग-अलग 48 मामलों में 61 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिनसे नशीला पदार्थ अफीम 3.688 किलोग्राम, चरस 1.974 किलोग्राम, गांजा 84 किलो 976 ग्राम, 14 नशीले इंजेक्शन और 65 टैबलेट, 42 लिक्विड सीसी, हीरोइन और स्मैक बरामद हुई। अवैध शराब के मामलों में 21 आरोपियों को गिरफतार करके उनसे अंग्रेजी व देसी शराब की 37764 बोतल बरामद की गई। सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाई वाले करने के मामले में 44 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे दो 50 लाख 809 रुपये बरामद किए गए। पुलिस आयुक्त राजश्री सिंह ने आमजन से अपील की कि कहीं भी नशीले पदार्थ की खरीद फरोख्त होते हुए देखें तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बिजली सरचार्ज माफी योजना से हर वर्ग को मिलेगा लाभः कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जगाधरी शहर में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शुरू की गई बिजली 'सरचार्ज माफी योजना 2025' के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित हरियाणा सरकार का हृदय से आभार प्रकट किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि यह योजना आमजन, विशेषकर गरीब एवं मध्यम वर्गीय उपभोक्ताओं के लिए एक बहुत ही राहत भरी सौगात है, जिससे हजारों परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। यह योजना हरियाणा राज्य के सभी घरेलू, कृषि, औद्योगिक, वाणिज्यिक, सरकारी, नगरपालिका, ग्राम पंचायत एवं सार्वजनिक सेवा संस्थानों के उपभोक्ताओं के लिए लागू है। यह योजना 11 नवंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 31 अगस्त 2024 तक के बकायेदार उपभोक्ताओं को सरचार्ज से पूर्ण राहत दी जा रही है। घरेलू व कृषि उपभोक्ता एकमुश्त मूलधन जमा कर 100 प्रतिशत

सरचार्ज माफी और 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट प्राप्त कर सकते हैं। वहीं किस्तों में भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को भी नियमित भुगतान की शर्त पर राहत मिलेगी। औद्योगिक व अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत सरचार्ज की माफी दी जाएगी, यदि वे बाकी राशि का एकमुश्त भुगतान करते हैं।उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा चुके हैं, उन्हें भी पुनः कनेक्शन जोड़ने की सुविधा इस योजना के तहत दी गई

NAME CHANGE

It is for general information that I VINOD KUMAR S/o CHARAN SINGH R/o D-4981, Rajiv Nagar Shamshabad, Palwal, Palwal, Palwal, Haryana - 121102, declare that name of my wife has been wrongly written as NEETA in my minor Daughter's Namely TRISHA aged 16 Years in her School Record. The actual name of my wife is ANITA , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VENETA SINGH W/o GAURAV TEWATIA R/o House No. 1189, First Floor, Block - D, Sainik Colony, Sector – 49, Faridabad, Faridabad, Nit, Haryana - 121001 have changed the name of my minor Son RANVEER SINGH TEWATIA aged 14 years and he shall hereafter be known as RAANVVEER TEWATIA.

NAME CHANGE

I, VENETA SINGH W/o GAURAV TEWATIA R/o House No. 1189, First Floor, Block - D, Sainik Colony, Sector – 49, Faridabad, Faridabad, Nit, Haryana - 121001 have changed the name of my minor Son RAJVEER SINGH TEWATIA aged 17 years and he shall hereafter be known as RAJVEERR SINGH.

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हरियाणा का नाम रोशन कर रही बवानिया गांव

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के कनीना खंड के गांव बवानिया से निकली प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह की कहानी आज पूरे प्रदेश और देश की महिलाओं के लिए एक अमर प्रेरणा बन चुकी है। यह कहानी है बनारसी देवी और उनके समूह की उन मेहनती महिलाओं की जिन्होंने अपने सामूहिक प्रयास, अटूट विश्वास और हरियाणा सरकार की दूरदर्शी नीतियों के सहयोग से आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिखी है। आज यह समूह न केवल 300 से अधिक महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार दे रहा है बल्कि उनके द्वारा निर्मित उत्पादों की ख्याति देश की सीमाओं को लांघकर अमेरिका और जापान जैसे दूर देशों तक पहुंच चुकी है। इस स्वयं सहायता समूह की यात्रा वर्ष 2001 में शुरू हुई जब बनारसी देवी ने अपने गांव की महिलाओं को संगठित कर आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा। इसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह की नींव रखी। 2005 से इस समूह की विकास यात्रा ने गति पकड़ी। वर्ष 2017 में समूह को औपचारिक रूप देते हुए उन्होंने पहला कदम उठाया। उन्होंने गांव की महिलाओं को अचार बनाने का कौशल सिखाया। इस शुरुआती सफलता से उत्साहित होकर समूह की महिलाओं को करनाल स्थित बागवानी प्रशिक्षण संस्थान में उन्नत प्रशिक्षण के लिए भेजा जहां उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग के गुर सीखे। हरियाणा सरकार के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत 2021 में समूह को दाल प्रसंस्करण के लिए एक मिनी दाल मिल उपलब्ध करवाई गई जिसने उनके उत्पादन क्षमता में क्रांति ला दी। समूह ने अपनी गतिविधियों का विस्तार करते हुए महिला किसान संगठन से जुड़कर मोटे अनाज (मिलेट्स) और ऑर्गेनिक उत्पादों के उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया। बनारसी देवी के नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने बाजरे, ज्वार, रागी से बने स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद जैसे बाजरा खिचड़ी, बेसन, हल्दी व मसाले, तेल और गुड़ तैयार करना सीखा।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज ने ईवाय को भेजा दूसरा कानूनी नोटिस

कॉर्पोरेट विवाद का मामला

नई दिल्ली।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) और वैश्विक कंसल्टिंग फर्म अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाय) के बीच एक बड़ा कॉर्पोरेट विवाद खड़ा हो गया है। आकाश ने ईवाय पर पेशेवर आचार संहिता के उल्लंघन और हितों के टकराव का गंभीर आरोप लगाते हुए दूसरा कानूनी नोटिस भेजा है। आकाश का कहना है कि ईवाय एक ओर उनकी वित्तीय सलाहकार थी और दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी एलेन के रियर इंस्टीटयूट के लिए भी एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर और ऑफिशियल रिजल्ट वैलिडेटर के तौर पर कार्य कर रही थी। आकाश के अनुसार यह प्रोफेशनल एथिक्स का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि ईवाय 2021 से उनके और बायजूस की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के विलय सहित कई वित्तीय मामलों में गहराई से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने ईवाय पर टीएलपीएल की इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया में रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के रूप में पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने और बेंगलुरु एनसीएलटी में जानबूझकर आकाश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया है। आकाश के एक अे धिकारी ने बताया कि

उन्होंने पहले ईवाय के अजय शाह को नोटिस भेजा था, और अब अन्य सीनियर पार्टनर्स को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी सिविल और आपराधिक कार्रवाई पर विचार कर रही है।

सेबी की बड़ी कार्रवाईः जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ रुपए जब्त

भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है। एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है। अब सेबी अन्य एक्सपायरी दिनों और इंडेक्स जैसे निफ्टी

50 व बीएसई सेंसेक्स में भी संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है।

जून 2025 में ह्युंदै क्रेटा ने बेचीं 15,786 यूनिट्स

नई दिल्ली।

जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ फिर साबित की है। 2015 में लॉन्च हुई क्रेटा ने अपने 10 साल पूरे करते हुए मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की पहचान ही बदल दी है। बाजार में इसकी लोकप्रियता इतनी गहरी है कि इस श्रेणी को लोग अब क्रेटा सेगमेंट कहने लगे हैं। हयूदै के मुताबिक, अब तक 12 लाख से ज्यादा भारतीय परिवार इसे अपना चुके हैं और जून 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि ग्राहक आज भी इसे उतना ही पसंद करते हैं। कंपनी ने इस उपलब्धि पर कहा कि क्रेटा सिर्फ एक कार नहीं बल्कि एक भावना है, जिसने हयूदै की भारत में सफलता की नींव रखी। क्रेटा को हयूदै ने हर वर्ग के ग्राहकों के लिए तैयार किया है। इसका 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन 115 बीएचपी और 144 एनएम का टॉर्क देता है, वहीं 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 160 बीएचपी और 253 एनएम की ताकत के साथ आता है। डीजल विकल्प में 1.5-लीटर इंजन 116 बीएचपी और 250 एनएम का टॉर्क देता है। स्पोर्टी ड्राइव चाहने वालों के लिए क्रेटा एन लाइन भी पेश की गई है। हयूदै ने इसके इलेक्ट्रिक अवतार की भी शुरुआत कर दी है, जिसमें 42 केडब्ल्यूएच और 51.4 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक हैं जो क्रमशः 390 किमी और 473 किमी की अनुमानित रेंज देते हैं।

खाद्य तेल बाजार में हलचलः सरसों-सोया-मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वै श्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6-7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130-1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155-1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375-4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230-2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है। सीपीओ 10,650, पामोलीन दिल्ली 12,400 और एक्स कांडला 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। बिनौला तेल की उपलब्धता कम रहने से इसके भाव में 150 की तेजी दर्ज की गई और यह 12,500 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

सोमवार को स्टॉक में दिख सकता है एक्शन

नई दिल्ली।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है। इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी

जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता। अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी। इस खबर के बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.6 फीसदी बढ़कर 65.65 पर बंद हुए। निवेशकों को उम्मीद है कि यह पुनर्गठन कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देगा।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

मलांजखंड।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरुआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

एलाइड इंजीनियरिंग ने आईपीओ के लिए दाखिल किए दस्तावेज

नए शेयरों की बिक्री से 400 करोड़ रु. जुटाने का इरादा

नई दिल्ली।

स्मार्ट बिजली उपकरण विनिर्माता एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी करीब 400 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी कर बाजार से पूंजी जुटाना चाहती है। इसके साथ ही एक प्रवर्तक की ओर से 75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश भी की जाएगी। जुटाई गई राशि का उपयोग कुंडली और राय स्थित विनिर्माण इकाइयों में स्मार्ट गैस, वॉटर और बिजली मीटर के उत्पादन पर किया जाएगा, जिसमें क्रमशः 116.75 करोड़ और 99.71 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा कंपनी 120 करोड़ अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर खर्च करेगी। एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स आईपीओ से पहले के दौर में 80 करोड़ तक जुटाने पर भी विचार कर रही है, जिससे नए निर्गम का आकार कम हो सकता है।

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अदाणी समूह

पेट्रोरसायन क्षेत्र में रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा की तैयारी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है। सूत्रों के मुताबिक अदाणी की यह परियोजना एसिटिलीन और कैल्शियम कार्बाइड आधारित उत्पादन प्रक्रिया पर आधारित होगी। इसे पर्यावरणीय मंजूरी और सरकार की सहमति पहले ही मिल चुकी है। समूह भविष्य में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक ले जाने की योजना बना रहा है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते मार्च 2023 में रुकी यह परियोजना अब दोबारा शुरू हो चुकी है। अदाणी समूह ने 5 अरब डालर से अधिक की पूंजी जुटाई है और इस परियोजना को एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकिंग गठजोड़ से वित्तपोषित किया जा रहा है।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट -गोयल

सरकार ने फंड ऑफ फंड्स में जोड़े 10 हजार करोड़

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है।

भारत सरकार के अनुरोध पर की गई नीरव मोदी के भाई की गिरफ्तारी

करोड़ों की बैंक धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन।

अमेरिका में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी 4 जुलाई को भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने नीरव मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में मदद की थी। यह घोटाला भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है, जिसमें करीब 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है और अमेरिका में रह रहा था। भारत की जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उसके खिलाफ सबूत जुटाए थे और उसे भारत लाने के लिए अमेरिका से औपचारिक रूप से प्रत्यर्पण की मांग की थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने पुष्टि की है कि गिरफ्तारी भारत के अनुरोध के बाद की गई है। अब अमेरिका की अदालत में नेहल मोदी के प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि अदालत भारत के पक्ष में फैसला देती है, तो नेहल को भारत लाया जाएगा, जहां उसे पूछताछ और मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पहले से ही ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। नेहल की गिरफ्तारी भारत की उन अंतरराष्ट्रीय कोशिशों का हिस्सा है, जिसके तहत भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कानून के कटघरे में लाया जा रहा है। इस कदम को भारत की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सेंसेक्स की छह कंप नियों के मार्केट कैप में 70,325 करोड़ की गिरावट

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

मुंबई।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के कारण एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा।

टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में 13,566.92 करोड़ रुपये की कमी आई, जो अब 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर है। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये और एलआईसी का 10,246.49 करोड़ रुपये घटकर 5,95,277.16 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 8,032.15 करोड़ रुपये घटकर 12,37,729.65 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी 5,958.7 करोड़ रुपये घटकर 11,50,371.24 करोड़ रुपये रह

गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये हो गया।

इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,127.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,383.80 करोड़ रुपये पहुंचा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 5,756.38 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,545.28 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर बरकरार रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की स्थिति बनी रही।

इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी नई फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग शुरू कर दी है। टाटा ने इसे ऑल व्हील ड्राइव और स्टील्थ एडिशन जैसे वेरिएंट में लॉन्च किया है। ग्राहक इसे 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक कर सकते हैं। इसकी शुरुआती कीमत 21.49 लाख रुपये रखी गई है। यह भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी मानी जा रही है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 622 किमी की क्लेम्ड रेंज है। इसके अलावा इसमें डुअल मोटर ऑल-व्हील-ड्राइव सेटअप दिया गया है, जिसमें हर एक्सल पर एक इलेक्ट्रिक मोटर लगी है।

बूस्ट मोड में यह कार 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 6.3 सेकंड में पकड़ सकती है। ऑफरोडिंग को ध्यान में रखते हुए इसमें 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं - नॉर्मल, मड रट्स, रॉक क्रॉल, सैंड, स्नो/ग्रास और कस्टम।

हैरियर ईवी में 540-डिग्री कैमरा फंक्शन दिया गया है जो 360-डिग्री व्यू के साथ-साथ गाड़ी के नीचे का हिस्सा भी दिखाता है।इसमें शार्क फिन एंटीना में कैमरा लगाया गया है जो डिजिटल आईआरवीएम पर रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम की तरह रिकॉर्डिंग भी करता है।

इवेंट में हैरियर ईवी को पहाड़ी चढ़ाई, कीचड़ और पानी से भरे रास्तों से निकाला गया। इसे 1.5 टन के कंटेनर का भार भी सहन करते दिखाया गया। भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग भी मिली है।

इस तरह टाटा हैरियर ईवी ने भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में नई स्टैंडर्ड सेट कर दी है। यह ट्रांसपेरेंट मोड में खासतौर पर ऑफरोडिंग और बड़े गड्ढों में बेहद काम आता है। टाटा ने इसमें 14.5 इंच का नया नियो क्यूलेड डिस्प्ले दिया है, जो अब तक की सबसे बड़ी स्क्रीन है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली।

ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अ धिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है। 2024-25 में ट्रांसरेल ने 9,680 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 120 फीसदी की वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। अ धिकारी के अनुसार कंपनी के पास वर्ष की शुरुआत से ही मजबूत ऑर्डर बुक है और उसे अगले 24-30 महीनों के लिए राजस्व की स्पष्ट दृश्यता प्राप्त है।

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना 'लिथियम ट्रायंगल' का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के ₹ग्लोबल साउथ₹ को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैंझ जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और Global South की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि Lithium Triangle का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की "Act Global" कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

संपादकीय

घरेलू निवेशकों का वर्चस्व

वैश्विक स्तर पर राजनीतिक अस्थिरता, कई देशों में तनावपूर्ण हालात और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते विदेशी निवेशकों के सतर्क रहने के कारण अप्रैल-जून में भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 33 फीसद से घट कर 1.69 अरब ड़ॉलर रह गया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता कंपनी कोलियर्स इंड़िया यह आकलन लगाया है। कोलियर्स इंड़िया के आंकड़ों से पता चलता है कि बीते साल अप्रैल-जून में रियल एस्टेट क्षेत्र में जो 253.33 करोड़. ड़ॉलर का संस्थागत निवेश था, वह घट कर 169.12 करोड़ ड़ॉलर रह गया। समीक्षाधीन अवधि में विदेशी निवेशकों से प्राप्त धन प्रवाह 204.68 करोड़. ड़ॉलर से लगभग आधा होकर 104.84 करोड़. ड़ॉलर रह गया। बेशक, भू-राजनीतिक हालात तमाम देशों को प्रभावित कर रहे हैं, और तमाम अर्थव्यवस्थाएं इनसे असरंदोज हो रही हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक हालिया वर्षों में बराबर इतने मजबूत बने रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिदृश्य के घटनाक्रम के असर से ज्यादा प्रभावित नहीं होने पाती। ऐसा ही हमने कोविड़-19 महामारी के समय भी देखा था। उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था को खासा झटका लगा था, लेकिन भारत अपनी आर्थिक गतिविधियों को चलायमान बनाए रख सका तो मात्रइसलिए कि घरेलू मांग शिथिल नहीं पड़ी थी। अभी भी वैश्विक भू-राजनीतिक स्थितियां तमाम देशों पर असर ड़ाल रही हैं और इसी के चलते भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र पर भी असर पड़ा है। लेकिन इतने विपरीत हालात में भी भारत के घरेलू निवेश ने रियल एस्टेट को संभाले रखा है। घरेलू निवेशकों का उत्साह बराबर बना रहा और उन्होंने अप्रैल-जून के दौरान 64.28 करोड़. ड़ॉलर का निवेश किया जो पिछले वर्ष की संबद्ध अवधि के 48.65 करोड़. ड़ॉलर से 32 फीसद अधिक है। कह सकते हैं कि घरेलू पूंजी भारत के रियल एस्टेट निवेश में एक प्रमुख चालक के रूप में उभरी है। कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 2021 के 16 फीसद से बढ़ कर 2024 में 35 फीसद हो गई। घरेलू निवेशकों के प्रभुत्व के चलते अनिश्चतताओं का भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में ज्यादा असर नहीं पड़ऩे पाया। रियल एस्टेट क्षेत्र के कमजोर न पड़ऩे के कारण इससे संबद्ध अन्य क्षेत्रों में भी मजबूती बनी रही जो अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा।

हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

नक्सलवाद या नीतिगत नरसंहार? संविधान की छांव में छुपा सच!

सोनम लववंशी

साल 2025 की पहली छमाही में ही छत्तीसगढ़ के जंगलों से जो खबरें लगातार आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील नागरिक को विचलित करने के लिए काफी हैं। सरकारी आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि अब तक 287 कथित नक्सलियों को सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराया जा चुका है, 865 ने समर्पण किया और 830 गिरफ्तार किए गए हैं। इन आँकड़ों को एक सतही विजयगाथा की तरह पेश किया जा रहा है जैसे मानो एक बड़ी जीत हासिल हो गई हो। पर क्या सचमुच यह जीत है? और अगर है, तो किसकी? राज्य की? संविधान की? लोकतंत्र की? या फिर उन कॉरपोरेट हितों की जो खनिजों से भरे इन जंगलों की कीमत को खून से तौलना चाहते हैं? छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संसाधनों की भूमि नहीं है, यह सदियों से आदिवासी जीवन, परंपराओं और सांस्कृतिक अस्तित्व की जीवंत गवाही रही है। यहाँ का हर पेड़, हर नदी, हर पहाड़ इन आदिवासियों के जीवन से जुड़ा है। लेकिन अब इन्हीं जंगलों और बस्तियों में, नक्सल उन्मूलन के नाम पर जिस तरह से मौत परोसी जा रही हैं, वह किसी सुरक्षा अभियान से कहीं आगे की कहानी है। यह उस खामोश विनाश की गाथा है जिसे आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन की आड़ में अंजाम दिया जा रहा है।

जिन्हें मारा जा रहा है, उनके शवों के साथ न मीडिया तस्वीरें साझा करता है, न ही अदालतें कोई सुनवाई करती हैं। एके-47 की गोलियों से किसी की संभावित पहचान को नक्सली ठहराकर मिटा देना क्या इस लोकतंत्र में न्याय का नया मानक बन गया है? क्या अब संविधान की प्रस्तावना में लिखी 'न्याय', 'स्वतंत्रता' और 'समता' की अवधारणाएं केवल भाषणों और परीक्षाओं की चीज बनकर रह गई हैं? विडंबना यह है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला बैठी हैं जो प्रतीकात्मक रूप से आदिवासी गौरव का प्रतिनिधित्व करती हैं और उसी समय उन्हीं आदिवासियों को 'राज्य विरोधी' घोषित कर उनका सफाया किया जा रहा है। यह उस विरोधाभास की मिसाल है जो इस राष्ट्र के प्रतीकों और उसकी वास्तविकता के बीच की गहरी खाई को दशार्ता है। यह सवाल सिर्फ छत्तीसगढ़ या किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है। यह प्रश्न उस सोच का है, जो मानती है कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने का एकमात्र तरीका उसे या तो मार देना है, या हथियार डलवा कर उसे 'आज्ञाकारी' बना देना है। लेकिन यह 'मुख्यधारा' आखिर है क्या? क्या यह वही धारा है जहां जल, जंगल, जमीन पर कॉरपोरेट कब्जा वैध है, लेकिन आदिवासी हक की आवाज 'राष्ट्रविरोधी' हो जाती है? सरकार यह दावा करती है कि वह शांति चाहती है, विकास चाहती है। पर सवाल उठता है अगर पाकिस्तान से युद्धविराम हो सकता है, सीमा पर बातचीत हो सकती है, तो अपने ही देश के नागरिकों से संवाद क्यों असंभव है? अगर नगालैंड, मिजोरम, कश्मीर, असम में राजनीतिक समाधान तलाशे जा सकते हैं, तो बस्तर की घाटियों में केवल गोलियों की गूंज ही क्यों तय कर रही है कि कौन जिएगा और कौन मरेगा? सच यह है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं रखते, वे इस देश के उस मूल स्वर को दशार्ते हैं जिसे 'लोक' कहते हैं। उनका जीवन सामूहिकता, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और गहरे आत्म-सम्मान पर आधारित है। लेकिन यह जीवन पद्धति उस नवउदारवादी मॉडल के लिए सबसे बड़ी बाधा है जो जंगल को सिर्फ खनिज मानता है, न कि जीवंत संस्कृति। यही कारण है कि जब कोई आदिवासी अपनी जमीन छोड़ने से मना करता है, तो उसे माओवादी ठहरा दिया जाता है। और यही वह क्षण है जब न्याय के दरवाजे बंद हो जाते हैं, और बंदूकें खुल जाती हैं। आंकड़ों की भाषा में देखें तो 2025 में अब तक 287 लोग मारे गए, लेकिन यह संख्या सिर्फ शरीरों की नहीं, यह 287 परिवारों की बबार्दी, सैकड़ों अनाथ बच्चों की आँखें, और उन गाँवों की खामोश पीड़ा की गिनती है जहाँ जीवन अब केवल डर में बीतता है। ऐसे में यह दावा करना कि नक्सलवाद कमजोर हो रहा है, शायद रणनीतिक हो, लेकिन मानवीय नहीं।

एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी कानून व्यवस्था से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। और जब वह समाज अपने ही नागरिकों की असहमति को हिंसा से कुचलने लगे, तो वह खुद अपनी नींव को खोद रहा होता है। क्या हम सच में यह मानने लगे हैं कि आदिवासी होना ही अपराध है? हमारी चुप्पी इस अपराध में साझेदार है। जब हम मीडिया की एकतरफा खबरों पर विश्वास करके संतोष की सांस लेते हैं, जब हम यह मान लेते हैं कि 'अगर मारा गया तो कुछ न कुछ गड़बड़ की होगी', तब हम उस न्याय प्रक्रिया का गला घोंट रहे होते हैं जिसने हर नागरिक को निर्दोष मानने का अधिकार दिया है जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। अब समय आ गया है कि हम सवाल पूछें खुले, निर्भीक और जिम्मेदार सवाल। क्या यह सच नहीं कि इस पूरे सैन्य अभियान का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि खनन मार्ग को साफ करना है? क्या यह सच नहीं कि जिन इलाकों में सबसे अधिक संघर्ष हो रहा है, वे वही क्षेत्र हैं जहाँ खनिज संपदा सबसे ज्यादा है?

अगर यह संघर्ष केवल सुरक्षा का होता, तो इसमें संवाद, विश्वास और पुनर्वास की योजना होती। लेकिन जब किसी समाधान की बात ही नहीं होती, जब केवल 'मौत या समर्पण' का विकल्प दिया जाता है, तब यह राज्य की हिंसक इच्छाशक्ति का संकेत है, न कि लोकतांत्रिक मंशा का। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम अपने ही देश के एक पूरे समुदाय को आंतरिक शत्रु मानने की आदत डाल चुके हैं? और अगर हां, तो यह आदत हमें उस दिशा में ले जा रही है जहां लोकतंत्र केवल कागजों पर बचेगा, और जमीन पर तानाशाही का रूप ले लेगा। एक संवेदनशील राष्ट्र वह होता है जो अपने लोगों की पीड़ा को सुने, उनके आक्रोश को समझे और उनकी असहमति को देशद्रोह नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा माने। छत्तीसगढ़ का सवाल केवल सुरक्षा नीति का नहीं है, यह इस देश की आत्मा का प्रश्न है। अगर हमने इस समय चुप्पी ओढ़ी, तो इतिहास यह नहीं देखेगा कि कितने 'नक्सली' मारे गए बल्कि यह याद रखेगा कि हमने कितनी निर्दोष आवाजों को चुप होते देखा, और कुछ नहीं किया। यह लोकतंत्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। क्या हम बंदूक से शासन चलाएंगे, या संवाद से? क्या हम खामोशी को सुरक्षा मानेंगे, या न्याय को? यह चुनाव सिर्फ छत्तीसगढ़ का नहीं, पूरे भारत का है।

सोशल मीडिया : नया नशा, टूटते रिश्ते और तनाव

प्रियंका सौरभ

आज का समाज ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहां एक तरफ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज बना दिया है, वहीं यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य, तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था बैठ कर बात करनाङ्क साथ हंसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ 'टाइप' और 'स्क्रॉल' में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष, सबके हाथ में स्मार्टफोन हैं, और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आंगन या बैठक में होती थीं, आज 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'ट्वीट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुंच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है अब दोस्त वो हैं, जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने 'सीन' किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने 'स्टोरी' पर साझा किया हो। बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूल से लौट कर मांझबाप से बात करने की बजाय इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज सेल्फी, फिल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहां व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। मां-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींच कर पोस्ट करते हैं। यह आदत लत बन चुकी है। सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है।

डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट जिंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताङ्क सुंदरता, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देख कर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।

इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल जिंदगी में वह कर्ज और तनाव से घिरा होता है। परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा जिंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरजरूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखा कर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। सोशल मीडिया का नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएंगे।

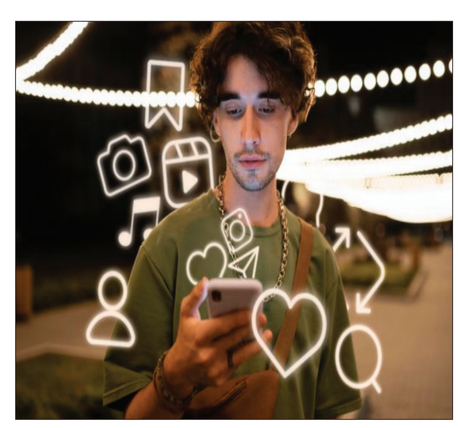

इंदौर से महाराष्ट्र जा रही बस फिसलकर नदी में गिरी, 3 की मौत, कई घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के आमोदा गांव के पास एक निजी बस पुल से नीचे मोर नदी में गिरी गई। यह बस मध्य प्रदेश के इंदौर से भुसावल (महाराष्ट्र) जा रही थी। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की खबर मिली है, जबकि 25 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ जब बस पुल पर चढ़ते समय नियंत्रण हो गई और बैरिकेट तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी। गनीमत रही कि नदी में पानी नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के मुताबिक स्थानीय ग्रामीण और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस एमपी 09-9009 को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे के बाद मोर नदी पर बने पुल की सुरक्षा और सड़क की हालत पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि फैजपुर-अमोदा मार्ग पर एक महीने में 20 से ज्यादा हादसे हो चुके है। आरोप है कि इस सड़क पर ब्रेक लगाते समय वाहन फिसलते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद अब तक कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बता दें इससे पहले महाराष्ट्र के वाशिम जिले में समृद्धि महामार्ग पर एक कार डिवाइडर से टकरा गई थी, जिससे दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा गुरुवार रात वनोजा और करंजा के बीच हुआ था। कार में सवार नागपुर जिले के उमरेड निवासी एक ही परिवार के पांच लोग पुणे से लौट रहे थे।

अंडमान सागर में भूकंप के झटके, तीव्रता 4.5 मापी गई; फिलहाल नुकसान की कोई खबर नहीं

अंडमान (एजेंसी)। अंडमान सागर में रविवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप सुबह 7ः03 बजे समुद्र की गहराई में महसूस किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) द्वारा जारी की गई है। जानकारी अनुसार भूकंप का एपिसेंटर 6.60अक्षांश नॉर्थ और 95.05 देशांतर ईस्ट पर स्थित था। यह झटका समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर गहराई में उत्पन्न हुआ, जो सामान्य गहराई के भूकंपों की श्रेणी में आता है। अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या सुनामी खतरे की सूचना नहीं है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्रीय भूकंपीय निगरानी सिस्टम और तटीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

लगातार सक्रिय रहता है यह क्षेत्र

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के आसपास का इलाका भूकंपीय दृष्टि से बेहद सक्रिय माना जाता है। यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और बर्मा टेक्टोनिक प्लेट्स के जंक्शन पर स्थित है, जहां अक्सर हल्के या मध्यम भूकंप आते रहते हैं। हालांकि यह झटका समुद्र में आया और किसी प्रभाव की खबर नहीं है, फिर भी विशेषज्ञों ने लोगों से सतर्क रहने और भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की है।

तेलंगाना में काम के घंटे 8 से बढ़कर 10 घंटे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने निजी संस्थानों में काम के 2 घंटे बढ़ा दिये है। अब 8 घंटे की जगह 10 घंटे कर्मचारियों से काम लिया जा सकेगा। तेलंगाना सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना निजी संस्थानों पर ही लागू होगी। अधिसूचना के अनुसार सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम कराने की दशा में कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान करना पड़ेगा। एक सप्ताह में केवल 48 घंटे ही काम कराया जा सकता है। 6 घंटे के बाद 30 मिनट का ब्रेक अनिवार्य रूप से दिए जाने का प्रावधान सरकार ने अधिसूचना में रखा है। किसी भी कार्य अवधि में 12 घंटे से अधिक का काम नहीं कराया जा सकता है। इस अधिसूचना के नियम दुकानों पर लागू नहीं होंगे। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद सभी कल कारखाने और बड़े संस्थानों में कर्मचारियो से 10 घंटे तक काम कराया जा सकता है।

विस्फोटक से भरी गाड़ी पकड़ाई

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस ने समय रहते एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया। जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संदिग्ध गाड़ी को रोका, जिसमें से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और बारूद बरामद किया गया। पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन फखरपुर रोड से होते हुए दिल्ली की ओर जा रहा है, जिसमें भारी मात्रा में विस्फोटक है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर गाड़ी को रोका। जब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें से 5 क्विंटल विस्फोटक और 10 किलो बारूद बरामद हुआ।

लॉ कॉलेज गैंगरेप : आरोपी मोनोजीत घटना के बाद कई जगह घूमा, मांगी थी मदद

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता लॉ कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 25 जून को वारदात के एक दिन बाद मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा ने अपने मेंटर्स से मदद मांगी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोग आरोपी हैं उसमें सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं। ये सभी हिरासत में हैं। यह घटना कॉलेज कैंपस के अंदर हुई थी और पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि घटना के बाद मोनोजीत मिश्रा दक्षिण कोलकाता के कई इलाकों में गया था। रासबिहारी, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बालीगंज स्टेशन रोड में भटकते हुए उसने अपने परिचितों से संपर्क करने की कोशिश की। मोबाइल टावर डेटा से पता चला कि वह पुलिस स्टेशन के पास भी गया था।

हरियाणा और पंजाब सरकारों के साथ वायु प्रदूषण शमन उपायों पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में समन्वित कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास के अंतर्गत चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थिति रहे। इन समीक्षा बैठकों का उद्देश्य उक्त दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है।

हरियाणा राज्य सरकार के साथ बैठक के दौरान, अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार 2025 में धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें 2025-26 के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत बायोमास को-फायरिंग लक्ष्य के संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा भी शामिल है। समीक्षा किए गए अन्य मुद्दों में सड़क धूल शमन रणनीतियां, विशेष रूप से राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सड़कों के पुनर्विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देश शामिल थे।

समीक्षा बैठकों के अलावा, आयोग की टीम ने 4 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा राज्यों में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा भी किया, जिसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। इससे धान की पराली के बाहरी प्रबंधन को मजबूत बनाने में दोनों राज्यों द्वारा की गई तकनीकी और परिचालन प्रगति के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की गई।

आयोग ने समन्वय बढ़ाने, कार्य योजनाओं के लक्षित क्रियान्वयन और आयोग द्वारा जारी वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन के महत्व को दोहराया। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखी चिट्ठी, कहा- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराएं बंगला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3क्क के तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के एक अधिकारी द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स सचिव को भेजे गए इस पत्र को हिन्दुस्तान टाइम्स ने देखा है। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है। साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है। गौरतलब है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे। कार्यकाल खत्म होने के करीब आठ महीने बाद भी वह बंगले में रह रहे हैं। वहीं, उनके बाद मुख्य न्यायाधीश बने, जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई सीजेआई के आधिकारिक निवास में गए ही नहीं। इन दोनों ने अपने पूर्व आवंटित बंगले में ही रहना जारी रखा।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा, भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। खानयार इलाके के शालबाग के मीर मस्जिद मोहल्ला में स्थित यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है। वर्तमान में यह उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है।

11 के खिलाफ आरोप पत्र दायर

इस बीच, जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने सबसे पहले 2022 में मामला दर्ज किया था। इसने जांच में आतंकवादी सहयोगियों व एक ऐसे सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाया था, जो मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद कर प्रतिबंधित संगठन का सहयोग कर रहा था। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव के निवासी सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके का एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोप पत्र में शामिल है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश सरकार का ऐतिहासिक कदम

राज्य में 80 और चलेंगी पिंक बसें, चालक-कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को को लेकर बड़ा फैसला लिया है। परिवहन विभाग ने राज्यभर में 80 नई पिंक बसें चलाने की योजना बनाई है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी, जिसे सितंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा। मई 2025 में 20 सीएनजी पिंक बसें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा में शुरू की गई थीं। इनकी सफलता के बाद अब सरकार ने 80 नई बसें और चलाने का फैसला लिया है।

बता दें 35 बसें पटना में, शेष 45 बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। पिंक बसों को पूरी तरह महिला यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कई आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें जीपीएस लगाया गया है जिससे बसों की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। पैनिक बटन भी लगा है जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट करेगा। पूरे बस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सेनेटरी पैड और मेडिकल किट महिलाओं की हेल्थ जरूरतों के लिए लगाया गया है। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक सीटें हैं और किराया 6 से 25 तक रखा है। छात्राओं के लिए 400 रुपए में मासिक पास बनाया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए 550 में पास बनेगा।

इस पहल को पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। 500 महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कंडक्टर, चालक और नोडल अधिकारी सभी महिलाएं होंगी। पटना में 16, गया और भागलपुर में 4-4 महिला कंडक्टर पहले ही तैनात की जा चुकी हैं।

नोडल अधिकारी ने इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक नायाब प्रयास है। जहां एक तरफ यह कदम यातायात में सुरक्षा और सुविधा तय करता है, वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

हिमाचल में आपदाः यह वक्त राजनीति का नहीं, राहत पहुंचाने काः सीएम सुक्खू

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश इन दिनों भारी बारिश से तबाही मची है। बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ से राज्य में अब तक 69 मौतें, 37 लापता लोगों और 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान हुआ है। इस बीच प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ आया, जब मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के बीच कथित बयानबाज़ी बीजेपी के लिए सिरदर्द बन गई है।

सीएम सुक्खू ने बताया कि उन्होंने राज्य में अपदा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से बात की है और केंद्र सरकार ने हरसंभव मदद देने का वादा किया है। राज्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का नहीं, राहत का वक्त है। हिमाचल की आपदा जहां प्राकृतिक संकट बनी हुई है, वहीं राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है। कंगना रनौत और जयराम ठाकुर के बीच सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेद भाजपा की आंतरिक असहजता को उजागर कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पत्रकारों ने जब जयराम ठाकुर से पूछा कि कंगना रनौत आपदा के समय क्यों चुप हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो किसी की परवाह नहीं करते। हम यहां उन लोगों के लिए हैं जो परवाह करते हैं। जयराम ठाकुर के बयान पर कंगना ने एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें ठाकुर ने ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से रोका था, क्योंकि सड़कें टूटी हैं और संपर्क पूरी तरह बाधित है।

कंगन ने लिखा- मैंने सेराज व अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने की कोशिश की, लेकिन वहां सड़क संपर्क टूट चुका है। जयराम जी ने सलाह दी है कि जब तक रास्ते ठीक नहीं हो जाते, जाना उचित नहीं। वहीं कांग्रेस ने कंगना के ट्वीट और बीजेपी नेताओं के विरोधाभासी बयानों को लेकर बीजेपी की आपसी तालमेल की कमी और दोहरे रवैये पर सवाल खड़े किए हैं।

राज और उद्धव पर भड़के फडणवीस- शिंदे बोले ये सिर्फ सत्ता की लालसा के अलाव कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा और महायुति गठबंधन के नेताओं ने इसे सियासी मजबूरी और भाईचारे की नौटंकी करार दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के भाषण पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज ने जहां मराठी भाषा के प्रति संवेदनशीलता दिखाई, वहीं उद्धव का पूरा भाषण ईर्ष्या, कटुता और सत्ता की लालसा से भरा था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर व्यंग्य करते हुए कहा, अगर मैंने ठाकरे भाइयों को मिला दिया तो शायद बालासाहेब की भी मुझ पर कृपा है। उन्होंने रैली को ÷रुदाली कार्यक्रम÷ बताया और कहा कि मराठी का नाम लेकर सत्ता की राजनीति की जा रही है। फडणवीस ने यह भी पूछा, 25 साल मुंबई नगर निगम आपके पास थी, आपने मराठी के लिए कौन सा कार्य किया? वहीं शिंदे ने कहा कि यह रैली मराठी मानुष की आवाज बनने के बजाय, सत्ता प्राप्ति की व्यक्तिगत कोशिश बन गई। उन्होंने उद्धव पर 2019 में भाजपा से नाता तोड़कर मराठी अस्मिता और बालासाहेब की विचारधारा के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। राज्य मंत्री आशीष शेलार ने तो इसे भाई-भाई के मेल की रैली बताते हुए कहा, यह मराठी भाषा के प्रेम के लिए नहीं, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) की सियासी जमीन बचाने का प्रयास था। वहीं, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, मराठी से प्रेम होना ठीक है, लेकिन हिंदी-विरोधी भावना गलत है। मारपीट और धमकी देकर कोई भाषा नहीं सिखाई जा सकती। शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस की यह एकजुटता बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है। उद्धव की पार्टी जहां लोकसभा में पिछड़ती दिखी, वहीं एमएनएस हालिया विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। यह मंच साझा करना न केवल बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से एकजुट करने की कोशिश है, बल्कि मराठी मतदाताओं के बीच भाजपा के खिलाफ एक भावनात्मक और सांस्कृतिक मोर्चा खड़ा करने की रणनीति भी लगती है।

घाना के बाद आतंकवाद के मामले पर भारत को मिला त्रिनिदाद-टोबैगो का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के मामले पर दुनियाभर के देशों से पुरजोर अंदाज में समर्थन देने की कूटनीतिक कवायद शुरू की थी। जिसमें उसे काफी सफलता भी हाथ लगी। लेकिन कई ऐसे देश ऐसे रह गए, जहां भारत अपनी इस कोशिश में पहुंच नहीं सका। अब इसी अंतर को पाटने का काम स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दौरान कर रहे हैं। जिसका नतीजा यह है कि पहले भारत को आतंकवाद पर घाना का समर्थन मिला। तो वहीं अब कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो (टी-एंड-टी) भी इस मामले में मजबूती से भारत के साथ खड़ा हो गया है। बीते शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के रेड हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों, अभिव्यक्तियों से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि पीएम मोदी ने पहलगाम हमले को लेकर भारत के लोगों को त्रिनिदाद-टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता की प्रशंसा की। दोनों ने वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई। वार्ता में साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया है। टी एंड टी में पीएम मोदी ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की। जिनमें भारतीय समुदाय सदस्यों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड सुविधा का विस्तार, विद्यालय के छात्रों को 2 हजार लैपटॉप उपहार में दिए, 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कृषि प्रसंस्करण मशीनरी का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। 800 लोगों के लिए 50 दिनों के लिए कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन, हील इन इंडिया के तहत भारत में विशेष चिकित्सा उपचार की पेशकश की जाएगी।

शांति-सुरक्षा के लिए आतंकवाद खतरा

बैठक के बाद जारी किए संयुक्त बयान में भी दोनों नेताओं ने आतंकवाद का उल्लेख किया और उसे शांति और सुरक्षा के लिए एक समान खतरा बताया। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ सख्त अंदाज अपने विरोध को लेकर प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा पीएम मोदी और पीएम कमला ने घोषणा की कि आतंकवाद के लिए किसी तरह की कोई सफाई नहीं दी जा सकती है। सीमा-पार आतंकवाद भी इसमें शामिल है।

कुल 6 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

मंत्रालय ने बताया, बैठक के बाद भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच कुल 6 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय फार्माकोपिया पर एमओयू, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता, 2025-2028 की अवधि के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, खेलों में सहयोग पर एमओयू, राजनयिक प्रशिक्षण में सहयोग पर एमओयू और वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, त्रिनिदाद-टोबैगो में हिंदी व भारतीय अध्ययन की दो आईसीसीआर पीठों की पुनर्स्थापना पर एमओयू इसमें मुख्य हैं।

जानकारी

पीरियड्स को लेकर हैं वहम तो दूर कर लें माहवारी से जुड़ी गलतफहमियां

आमतौर पर माहवारी (पीरियड्स) के दौरान महिलाओं में सिर दर्द, मूड स्विंग्स जैसे कई लक्षण देखने को मिलते हैं। जिसका सीधा असर महिलाओं की सेहत पर भी पड़ने लगता है। अधिकत्तर महिलाएं इस दौरान अपनी परेशानियों को डॉक्टर या दूसरी महिलाओं से शेयर करने से कतराती हैं। जिसकी वजह से वो पीरियड्स से जुड़े कई ऐसे भ्रम पाल लेती हैं जिसका बुरा असर उनकी सेहत पर पड़ने लगता है।

लड़कियों की हर छोटी बड़ी परेशानियों को फोकस में रखकर वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक आइए जानते हैं आखिर कौन से हैं वो 3 भ्रम जिनकी वजह से महिलाओं की सेहत को हो सकता है नुकसान-

1- 28 दिनों में पीरियड्स नहीं आए तो समझो दिक्कत है

लड़कियों को अक्सर यह भ्रम रहता है कि अगर उन्हें हर 28 दिन में महावरी नहीं होती है तो कुछ गड़बड़ हो गई है। लेकिन हकीकत में ऐसा बिल्कुल नहीं है। पीरियड्स के बीच के नियमित और स्वस्थ अंतराल का समय वयस्कों में 21 से 37 दिन और किशोरों में 21 से 45 दिन तक होता है। इस अवधि को पीरियड्स के पहले दिन से लेकर आपके अगले पीरियड शुरु होने तक के बीच का समय माना जाता है। यदि आपको 28 दिन की जगह 35 दिन बाद पीरियड्स होते हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा तनाव, आहार में बदलाव, हार्मोनल परिवर्तन और पर्यावरण की वजह से भी हो सकता है। हां अगर यह समय सीमा 37 दिनों से बढ़कर अधिक हो जाती है, तो आपको अपने डॉक्टर से परामर्श कर लेना चाहिए।

2-पीरियड्स में शरीर से निकलता है गंदा खून

अक्सर महिलाओं के बीच यह भ्रम बना रहता है कि पीरियड्स के दौरान शरीर से निकलने वाला खून गंदा होता है। आपको बता दें, इस तथ्य में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। इस दौरान शरीर से निकलने वाला रक्त शरीर में मौजूद सामान्य रक्त की ही तरह होता है बस इसमें साधारण रक्त की तुलना में कम रक्त कोशिकाएं होती हैं।

3-पीरियड्स के दौरान गर्भ नहीं ठहरता

अक्सर महिलाओं को कहते सुना जाता है कि पीरियड्स के दौरान सबंध बनाने से गर्भ ठहरने का खतरा न के बराबर होता है। लेकिन आपको बता दें, महिलाओं के मासिक धर्म चक्र के बीच में ओव्यूलेशन की वजह से गर्भवती होने की संभावनाएं बनी रहती हैं।

एंजियोप्लास्टी सर्जरी क्या है

धमनियों में रुकावट के आने पर इन्हें खोलने के लिए एंजियोप्लास्टी सर्जरी की जाती है। एंजियोप्लास्टी सर्जरी ब्लॉक हो चुकी दिल की धमनियों को शल्य चिकित्सा से खोलने का एक तरीका है।

कब होती है एंजियोप्लास्टी सर्जरी

कोरोनरी धमनियां दिल की मांसपेशियों को ऑक्सीजन और पोषक तत्वों से भरपूर रक्त की आपूर्ति करती हैं। एस्थ्रोस्क्लोरोसिस (धमनीकलाकाठिन्य) के कारण जब इन धमनियों में रुकावट आ जाती है तो ये हृदय की मांसपेशियों को रक्त की आपूर्ति करना कम कर देती हैं और एन्जाइन का निर्माण शुरू कर देती हैं। ब्लॉकेज की समस्या वाले कुछ रोगियों को एंजियोप्लास्टी सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है।

जिन रोगियों की हृदय कोरोनरी समस्याएं गंभीर हो जाती हैं या चिकित्सा उपचार विफल हो जाता है तो उनकी कार्डियक कैथ जांच की जाती हैं। इस जांच को कार्डियक कैथेटराइजेशन या कोरोनरी एंजियोग्राम भी कहते हैं। हृदय कैथ, पम्प (रक्त पम्प करना) के दौरान हृदय की रक्त धमनियों और अंदर के हिस्से को दिखाता है। इसे करते समय कैथेटर कही जाने वाली एक ट्यूब रोगी के पैर के ऊपरी हिस्से, जांघ या हाथ की रक्त धमनी में डाला जाता है। इसके बाद इसे हृदय तक पहुंचाया जाता है। कैथेटर के माध्यम से डाई डाली जाती है और एक्स-रे लिए जाते हैं।

कैसे होती है एंजियोप्लास्टी सर्जरी

रक्त धमनियों के संकरा होने को कारण सीने में दर्द या हृदय आघात हो सकता है। यदि आपके भी हृदय की रक्त धमनियां संकरी हैं तो हृदय एंजियोप्लास्टी की जा सकती है। इसे पीटीसीए (परकुटेनियस ट्रांसलुमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी) या बैलून एंजियोप्लास्टी भी कहा जाता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से रक्त प्रवाह बेहतर बनाने के लिए कैथेटर के आखिर में लगे बैलून का उपयोग रक्त धमनी खोलने के लिए किया जाता है। रक्त धमनी को खुला रखने के लिए एक स्टेंट लगाया जा सकता है। स्टेंट तार की नली जैसा छोटा उपकारण होता है।

इस तकनीक में एक गाइड वायर के सिरे पर रखकर खाली और पिचके हुए बैलून कैथेटर को संकुचित स्थान में प्रवेश कराया जाता है। इसके बाद सामान्य रक्तचाप (6 से 20 वायुमण्डल) से 75-500 गुना अधिक जल दवाब का उपयोग करते हुए उसे एक निश्चित आकार में फुलाया जाता है। बैलून धमनी या शिरा के अंदर जमा हुई वसा को खत्म कर देता है और रक्त वाहिका को बेहतर प्रवाह के लिए खोल देता है। इसके बाद गुब्बारे को पिचका कर उसी तार (कैथेटर) द्वारा वापस बाहर खींच लिया जाता है।

एंजियोप्लास्टी सर्जरी की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि ब्लॉकेज कौन सी आर्टरी में हुई है। पैरीफेरल आर्टरी में एंजियोप्लास्टी सर्जरी लगभग 98 फीसदी तक सफल रहती है। एंजियोप्लास्टी कराने वाले महज 10 प्रतिशत रोगियों के फिर से ब्लॉकेज होने की आशंका रहती है। ब्लॉकेज का जल्द पता चल जाता है तो इसके सफल होने की गारंटी और बढ़ जाती है। अब शरीर की सभी आर्टरीज की एंजियोप्लॉस्टी की जा सकती है।

एंजियोप्लास्टी सर्जरी क्यों जरूरी है

शरीर के अन्य भागों की तरह हृदय को भी रक्त की निरंतर आपूर्ति की जरुरत होती है। यह आपूर्ति दो बड़ी रक्त वाहिकाओं के द्वारा होती है, इन्हें बांयी और दांयी कोरोनरी धमनियां कहते हैं। उम्र बढ़ने के साथ ये धमनियां संकुचित और सख्त हो जाती हैं। कोरोनरी धमनियों के सख्त होने पर वे हृदय में रक्त प्रवाह को बाधित करती हैं। इस कारण एंजाइना का निर्माण हो सकता है। एंजाइना का सामान्य लक्षण सीने में दर्द होना होता है।

एंजाइना के कई मामलों में दवा से उपचार भी कारगर रहता है, लेकिन एंजाइना के गंभीर होने पर हृदय को रक्त की आपूर्ति बहाल करने के लिए कोरोनरी एंजियोप्लास्टी आवश्यक हो सकती है। अक्सर दिल का दौरा पड़ने के बाद आपातकालीन उपचार के रूप में भी कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की जाती है।

एंजियोप्लास्टी के बाद देखभाल

गैर आपातकालीन एंजियोप्लास्टी में मरीज को उसकी स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार अस्पताल में रखा जाता है। आम तौर परए मरीज एक हफ्ते बाद अपनी दिनचर्या में लौट सकए हैं। दिल का दौरा पड़ने पर एंजियोप्लास्टी करने परए अस्पताल में रहने की अवधि और रिकवरी की अवधि बढ़ सकती है।

दवाओं का प्रयोग

एंजियोप्लास्टी के बाद रोगियों को दवाओं के बारे में सर्जन की सलाह का पालन करना बहुत आवश्यक है। अधिकांश समयए एंजियोप्लास्टी रोगियों को सर्जरी के बाद अनिश्चितकाल के लिए एस्पिरिन लेने की जरूरत होती है। स्टेंट प्लेसमेंट के साथ मरीजों को रक्त को पतला करने वाली दवाओं की आवश्यकता होगी। ऐसी स्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक की अवधि के लिए क्लोपिडोग्रेल दी जाती है।

एंजियोप्लास्टी के बाद हृदय का स्वास्थ्य बनाए रखना बहुत जरूरी है। इस सर्जरी के बाद

- धूम्रपान का सेवन न करें। ■ कोलेस्ट्रॉल का स्तर बनाए रखें।
- स्वस्थ वजन बनाए रखें। ■ नियमित व्यायाम करें।

जिन स्थितियों में एंजियोप्लास्टी वांछित परिणाम नहीं दे पाती वहां हृदय की क्षति को रोकने के लिए बायपास सर्जरी की जाती है।

एंजियोप्लास्टी के बाद सावधानियां

घर पहुंचने के बादए मरीजों को अत्यधिक द्रव का सेवन करना चाहिए, जिससे शरीर से कंट्रास्ट डाई निकल जाए। थकाने वाले व्यायाम न करें और भारी वजन न उठाएं। अन्य गतिविधियां अपने सर्जन के कहे अनुसार करें। सर्जरी के बादए कैथेटर निशेचन की जगह पर दर्द या परेशानी या सूजन या रक्तस्त्राव होने पर बुखारए स्त्राव जैसे संक्रमण के लक्षणए तापमान में अस्थिरता थकान या कमजोरी छाती में दर्द सांस लेने में तकलीफहोने पर अपने डॉक्टर को बताएं।

एंजियोप्लास्टी की जटिलताएं

- निम्न कारकों की वजह से एंजियोप्लास्टी से होने वाले जोखिम बढ़ सकते हैं।
- मरीज की उम्र वृद्धावस्था में जोखिम ज्यादा होते हैं।
- उपचार प्रक्रिया का प्रकार आपातकालीन प्रक्रिया ज्यादा जोखिमों से भरी होती है क्योंकि इसमें सर्जरी की योजना बनाए का समय नहीं मिलता।
- गुर्दे का कोई विकाररू कंट्रास्ट एजेंट के प्रयोग के कारण गुर्दे को क्षति हो सकती है।
- हृदय की लय की असामन्यता एंजियोप्लास्टी के दौरानए हृदय की गति बढ़ या घट सकती है। हृदय की समस्याएं आम तौर पर काम समय ही रहती हैं और इनसे बचने के लिए अस्थायी पेसमेकर निशेचन या दवाओं का प्रयोग किया जा सकता है।
- कैथेटर निशेचन के स्थान पर चोट या रक्तस्त्राव।
- म्यान निशेचन की जगह पर क्षति।
- कोरोनरी धमनी को एंजियोप्लास्टी के दौरान क्षति पहुंच सकती है जिसके उपचार के लिए आपातकालीन बायपास सर्जरी करनी पड़ सकती है।

सेहत

क्या आपको भी होती है ऊनी कपड़े पहनने से खुजली

राहत के लिए करें ये उपाए

अगर आप भी उन लोगों की लिस्ट में शामिल हैं जिन्हें ऊनी कपड़े पहनते ही शरीर में खुजली होने लगती है या फिर शरीर पर लाल रैशेज हो जाते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। अक्सर सर्दियों में इस तरह की समस्या आम देखने को मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों होता है। आइए आपको बताते हैं आखिर क्यों ऊनी कपड़े पहनते ही लोगों को शरीर में खुजली और रैशेज होने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों से एलर्जी होने को **'टेक्सटाइल डर्मेटाइटिस'** कहा जाता है। इस तरह की एलर्जी में लोगों को ऊनी कपड़े पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए जानते हैं क्या होते हैं इस एलर्जी के लक्षण और बचाव के उपाए।

क्या हैं एलर्जी के लक्षण

- ऊनी कपड़े पहनने के बाद इस तरह की एलर्जी में इस तरह के लक्षण नजर आने लगते हैं।
- त्वचा पर तेज खुजली होना।
- चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों जैसे- चेहरे, हाथों, माथे आदि पर लाल-लाल रैशेज होना।
- ऊन के संपर्क में आने वाले हिस्से में सूजन आना।
- शरीर में छोटे-छोटे दाने या फिर चकत्ते निकलना।

ऊनी कपड़ों से एलर्जी का कारण

ऊनी कपड़ों से एलर्जी सेंसिटिव स्किन वाले व्यक्तियों को आमतौर पर होती है। ऊन में मौजूद छोटे-छोटे रोएं जब त्वचा पर मौजूद रोएं के साथ आपस में रगड़ते हैं तो उनमें एक तरह का खिंचाव पैदा होने लगता है। जिसकी वजह से शरीर में गर्मी पैदा होने लगती है। सेंसिटिव त्वचा इस तरह के खिंचाव से पैदा गर्मी को सहन नहीं कर पाती है। जिसकी वजह से त्वचा पर दाने, चकत्ते, रैशेज होने लगते हैं। इसके अलावा त्वचा का रूखापन भी एलर्जी और खुजली की समस्या पैदा कर सकता है। त्वचा के रोएं ऊनी कपड़ों के रोएं के साथ मिलकर शरीर में गर्मी पैदा न करें इसके लिए ठंड का मौसम शुरू होते ही पूरे शरीर पर अच्छी क्वालिटी का बॉडी लोशन लगाना शुरू कर दें। ऐसा करने से एलर्जी की संभावना कम होगी।

एलर्जी की समस्या दूर करने के उपाए

- एलर्जी की समस्या दूर करने के लिए अपने शरीर पर मॉइश्चराइजर या बॉडी लोशन लगाकर रखें।
- ऊनी कपड़े के नीचे कॉटन का कपड़ा पहनकर भी आप एलर्जी की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।
- एलर्जी की दवा का सेवन करके भी आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 5003

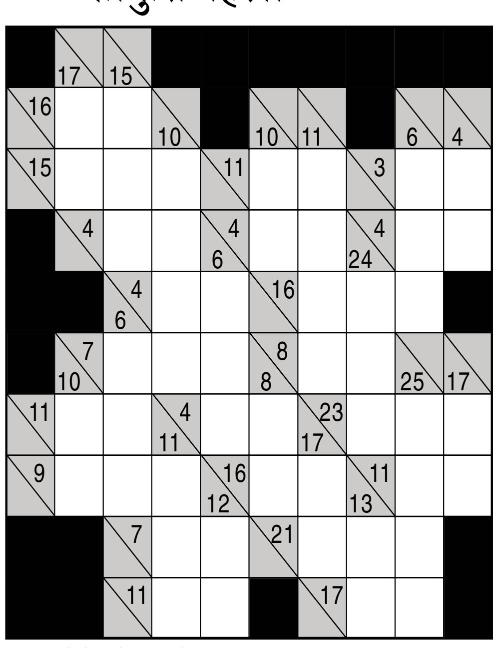

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

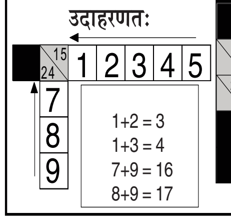

काकुरो - 5002 का हल

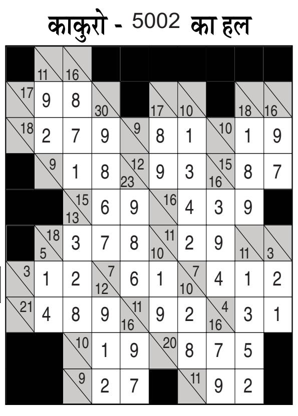

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5003

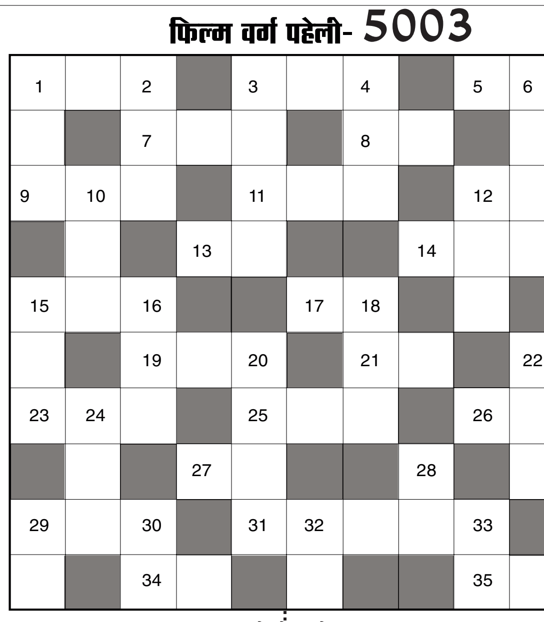

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5002

सूडोकु -5003

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5002 हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली -5003

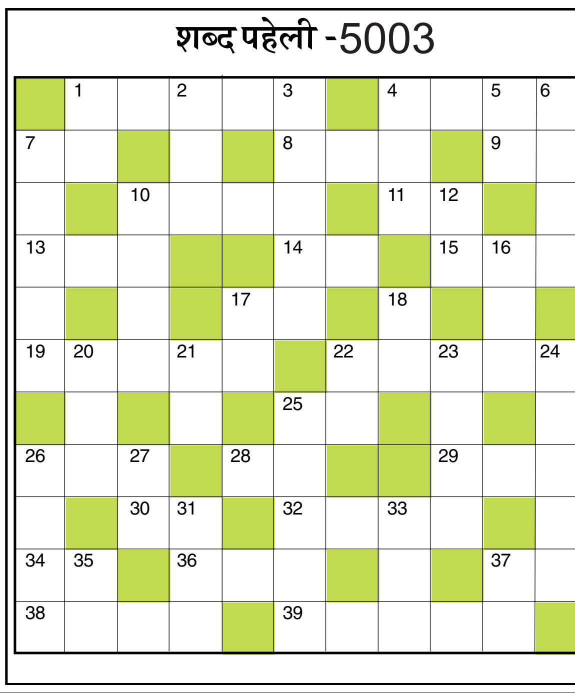

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5002 हल

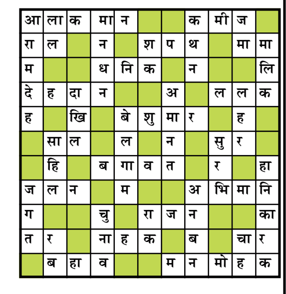

जापान के राजदूत ओनो ने किया बड़ा इमामबाड़ा का भ्रमण

एजेंसी
लखनऊ। भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने लखनऊ स्थित बड़ा इमामबाड़ा का भ्रमण किया। राजदूत ओनो केइची बड़ा इमामबाड़ा में घूमते हुए वहां की कलाकृतियों से बेहद प्रभावित हुए। बड़ा इमामबाड़ा की कलाकृतियां, इतिहास की जानकारी लेकर राजदूत ओनो केइची ने अपनी भावनाओं को एक्स पर साझा किया। जापान के राजदूत ओनो केइची ने सोशल मीडिया एक्स पर इमामबाड़ा के पर्यटन से जुड़ी अपनी तस्वीरों को डाला और कहा कि मैं इसकी वास्तुकला की चमक और जटिल शिल्प कौशल से बहुत प्रभावित हूं। जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

हिमाचल में 2592 करोड़ की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन, 2027 तक पूरे होंगे कार्य : जेपी नड्डा

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बिलासपुर में कहा कि हिमाचल प्रदेश में 2592 किलोमीटर के 25 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण प्रगति पर है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 2592 करोड़ है। इनमें से 785 किलोमीटर की सड़कें नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, 1238 किलोमीटर की सड़कें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और 569 किलोमीटर की सड़कें बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा बनाई जा रही हैं। नड्डा ने बताया कि इन परियोजनाओं में से अधिकांश कार्य वर्ष 2026 और 2027 तक पूरे हो जाएंगे जबकि कुछ परियोजनाएं 2028 तक पूरी होंगी। कीरतपुर-मनाली कॉरिडोर के लिए 7667 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिसमें 12 टनल बनाई जाएंगी जिनकी कुल लंबाई 11.51 किलोमीटर होगी। इसी कॉरिडोर की परियोजना लागत 9452 करोड़ है जिसमें 28 सुरंगें बनेंगी जिनकी कुल लंबाई 41 किलोमीटर होगी। इसके अलावा शिमला-मटौर मार्ग पर 10208 करोड़ खर्च किए जाएंगे, जिसमें 15 सुरंगों का निर्माण होगा जिनकी कुल लंबाई 13.41 किलोमीटर होगी। पठानकोट-मंडी मार्ग पर 1088 करोड़ खर्च किए जाएंगे और इसमें 13 सुरंगें बनेंगी जिनकी कुल लंबाई 10 किलोमीटर होगी।

दिल्ली समेत देश कई राज्यों में बारिश का दौर अगले छह दिनों तक रहेगा जारी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में अगले छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार पूर्वी मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में अत्यधिक बारिश की संभावना है। मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा एक-दो स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है। कोंकण और गोवा, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, जम्मू, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नगालैंड, ओडिशा, झारखंड, गुजरात राज्य, छत्तीसगढ़, केरल, तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है। तमिलनाडु, केरल, आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, रायलसीमा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, असम और मेघालय, पश्चिम उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, कोंकण, बिहार, हिमाचल प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ तूफान आया।

आईपीयू के लॉ प्रोग्राम में दाखिले के लिए विकल्प चयन 7 जुलाई से शुरू

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपीयू) के लॉ प्रोग्राम में दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत पहले चरण के विकल्प चयन की प्रक्रिया 7 जुलाई से शुरू होकर 9 जुलाई तक चलेगी। यह प्रक्रिया यूनिवर्सिटी के यूजी (एलएलबी) और पीजी (एलएलएम) दोनों लॉ प्रोग्राम्स के लिए लागू है। विकल्प चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को पहले ही 2500 रुपये का आवेदन शुल्क जमा कराना अनिवार्य था। ऐसे सभी पात्र अभ्यर्थी अब अपनी पसंद के कॉलेज और प्रोग्राम के लिए ऑनलाइन माध्यम से विकल्प भर सकते हैं।

जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर ग्वालियर में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

एजेंसी
ग्वालियर। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा जगन्नाथ पुरी (ओडिशा) की तर्ज शाम ग्वालियर शहर में भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। इस भव्य रथयात्रा के अवसर पर ग्वालियर के महाराज बाड़े पर जनसमुदाय में विशेष उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भक्तों के साथ मिलकर 'हरे कृष्णा हरे राम' की संकीर्तन धुनों में सहभागिता की।

रथ यात्रा में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, मंत्रिगण सर्वश्री नारायण सिंह कुशवाह व प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रथयात्रा स्थल पर महाप्रभु जगन्नाथ के रथ की रस्सी को स्पर्श कर रथ खींचने की परंपरा में अपनी सहभागिता दी। इसके बाद वे भोपाल के लिए रवाना हो गए। इससे पहले भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा अचलेश्वर रोड स्थित जीवायएमसी मैदान से कीर्तन व विग्रह पूजा के बाद शुरू हुई और शहर के विभिन्न क्षेत्रों, बाजारों, नई सड़क होते हुए लक्ष्मीगंज स्थित गोयल वाटिका गार्डन पर पहुंची। इस दौरान जगह-जगह पर भगवान जगन्नाथ का पुष्पहार से स्वागत किया गया और आरती उतारी गई। यात्रा के बाद लगभग 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को प्रसाद दिया गया।

आतंकी हमलों की साजिश के आरोपित अबूबकर सिद्दीकी के घर से पार्सल बम बरामद

एजेंसी
अमरावती/रायचोटी। आंध्र प्रदेश की अन्नामय्या जिला पुलिस ने रायचोटी में आतंकी हमलों की साजिश से जुड़े मामाले की जांच और तेज कर दी है। पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार किए गए अबूबकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली के घरों में एक बार फिर तलाशी ली है। तलाशी के दौरान अबूबकर के घर से पार्सल बम बरामद किया है, जिसपर लिखे पते से यह ज्ञात होता है कि इसे दिल्ली भेजने के लिए तैयार किया गया था। पुलिस ने तलाशी के दौरान अबूबकर के घर से विस्फोटक, कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, पासपोर्ट और बैंक पासबुक भी जब्त किए हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से संबंधों के नजरिए से भी कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अबूबकर और मोहम्मद अली का संबंध दूसरे देशों के किसी आतंकी संगठन तो नहीं है। दरअसल, हाल ही में पुलिस और आईबी अधिकारियों ने रायचोटी इलाके से अबूबकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली को गिरफ्तार किया था। आरोपितों की पत्नियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गयी। बाद में अबूबकर की पत्नी शेख सैरा बानू और मोहम्मद अली की पत्नी शेख शमीम को अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेश पर दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में कडप्पा सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

सामाजिक समरसता हमारे खून में समाई है: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

एजेंसी
ग्वालियर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हमारी संस्कृति व सभ्यता हजारों हजार साल पुरानी है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हमारी मूल संस्कृति है। इसी भाव के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश व प्रदेश को ऊँचाइयों को ले जा रहे हैं। खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास की इबारत लिखने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाने का काम भी किया है। सामाजिक समरसता हमारे खून में समाई है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया शाम ग्वालियर में आयोजित 'समरसता सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व के 177 देशों में भारत के अलावा ऐसा कोई देश नहीं जहाँ आर्थिक एवं आध्यात्मिक शक्ति का संगम दिखाई देता हो। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य अतिथियों ने संतजन एवं विभिन्न क्षेत्रों में ग्वालियर व प्रदेश का नाम रोशन कर रहीं आधा दर्जन विभूतियों को समरसता सम्मान से

विभूषित किया। साथ ही सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहे समाज के आखिरी छोर पर खड़े हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के जौरासी में अंबेडकर धाम बनने के बाद हर साल वहां पर सामाजिक समरसता सम्मेलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समान अधिकार देने का जो संकल्प लिया गया है, उसमें नारी शक्ति को भी आगे बढ़ाने का संकल्प शामिल है। अनुच्छेद-14 और अनुच्छेद-16 के आधार पर, लिंग के आधार पर महिलाओं के प्रति दूसरी सोच रखने का जो संदेश था। उसे नष्ट करने का काम डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने किया।

देश प्रगति के पथ पर अग्रसर

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारत का विकास और प्रगति इस कालखंड में सुनिश्चित है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी का ओजस्वी नेतृत्व, यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी अगर मैं कहूं कि उनका नेतृत्व केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विश्वव्यापी है। उनकी सोच और कार्यशैली भी वैश्विक दृष्टिकोण से परिपूर्ण है। इसलिए आज विश्व हमारे प्रधानमंत्री को सम्मान की दृष्टि से देखता है। यह भारत माता का कालखंड है। यह सुनिश्चित है कि भारत विकास और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है।

फूल किसानों को योगी सरकार की बड़ी सौगात: मंडी शुल्क से पूरी तरह मुक्ति

एजेंसी
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूल की खेती से जुड़े किसानों को बड़ी राहत देते हुए 'सभी प्रकार के फूलों' को विनिर्दिष्ट कृषि उत्पाद की श्रेणी से हटाकर गैर-विनिर्दिष्ट श्रेणी में रखने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फूलों की ताजगी अल्पकालिक होती है और यह नाशवान प्रकृति का उत्पाद है। मंडी तक लाने में समय लगने से फूलों की गुणवत्ता पर असर पड़ता है और किसान उचित मूल्य से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में किसानों को फूलों की बिक्री मंडी के बाहर करने पर किसी भी प्रकार का मंडी शुल्क नहीं लिया जाना चाहिए। यह निर्णय विशेष रूप से छोटे, सीमांत और फूलों की मौसमी खेती करने वाले किसानों के लिए बड़ा संबल सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 171वीं बैठक में लिए गए इस निर्णय के बाद अब फूल की खेती करने वाले किसानों को मंडी परिसर से बाहर व्यापार करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा,

जबकि मंडी परिसर में उनसे मात्र प्रयोक्ता शुल्क लिया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडी परिषद केवल एक संस्थागत निकाय नहीं, बल्कि किसानों के आत्मसम्मान, अधिकार और आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने दो टूक कहा कि मंडियों की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जहाँ किसान सुविधाजनक, सुरक्षित और सम्मानजनक ढंग से अपनी उपज का विक्रय कर सके। मुख्यमंत्री ने मंडियों को उत्तरदायी, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाते हुए इन्हें राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने मंडी परिषद की सभी प्रधान कृषि मंडी स्थलों में 'शबरी कैंटीन' स्थापित करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि इन कैंटीनों का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सेवा भावना के साथ सस्ता, स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट भोजन सुनिश्चित करना होना चाहिए।

झारखंड सीआईडी ने चीन से जुड़े साइबर क्राइम नेटवर्क का किया खुलासा, सात गिरफ्तार

एजेंसी
रांची। झारखंड अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के साइबर क्राइम थाने ने एक बड़े और सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा किया है। यह गिरोह निवेश घोटालों और डिजिटल अरेस्ट जैसी गतिविधियों में शामिल था, जिसमें चीनी जालसाजों की मिलीभगत से अवैध वित्तीय लेनदेन किए जा रहे थे। यह जानकारी साइबर डीएसपी नेहा बाला ने दी।सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता के आदेश पर सीआईडी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में बिहार के सिवान निवासी कुमार दीपक, प्रभात कुमार, नांलदा निवासी कुमार सौरभ, नवादा निवासी शिवम कुमार, पटना निवासी अनिल कुमार व प्रदीप कुमार और मध्यप्रदेश के गोपालगंज निवासी लखन चौरसिया शामिल हैं। इन साइबर अपराधियों के पास से 12 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, 14 एटीएम कार्ड और व्हाट्सएप व टेलीग्राम चैट से प्राप्त 60 बैंक खातों का

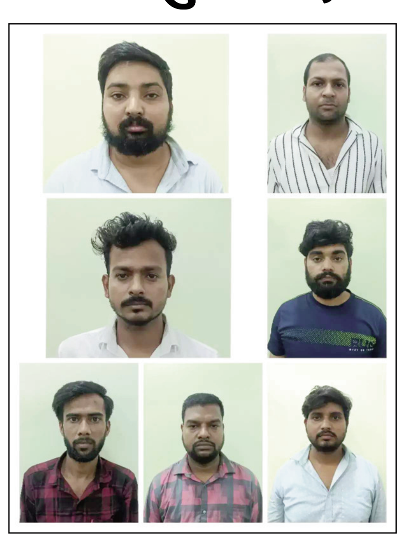

विवरण बरामद हुआ है। साइबर डीएसपी नेहा बाला ने बताया कि गत 4 जुलाई को साइबर क्राइम थाने को एक गुप्त सूचना मिली थी कि जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के ओलिव गार्डन होटल में एक संगठित साइबर गिरोह इकट्ठा हुआ है। यह गिरोह म्यूल बैंक खातों (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते) की व्यवस्था करने और चीनी जालसाजों के साथ मिलकर काम करने में संलिप्त है। यह सूचना मिलते ही सीआईडी ने तत्काल कार्रवाई की और मौके से सात एजेंटों को गिरफ्तार कर लिया। ये एजेंट देश के अलग-अलग हिस्सों से म्यूल बैंक खातों की आपूर्ति में शामिल थे। इनके साथ ही एक विशेष एजेंट भी पकड़ा गया, जो मून पे, ड्रेगन पे, सुपर पे और मैंगो पे इंडिया जैसी चीनी कंपनियों के लिए काम कर रहा था। गिरफ्तार किए गए चीनी नेटवर्क से जुड़े एजेंटों के व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैट्स से बड़ी संख्या में बैंक खातों की जानकारी और कई डिजिटल सबूत बरामद किए गए हैं। डीएसपी ने बताया कि चीनी गिरोह के लिए काम करने वाले एजेंटों को टेलीग्राम के माध्यम से एक विशेष एप्लिकेशन (एपीके फाइल) भेजी जाती थी।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ और जेंडर रिसर्च सेंटर का किया दौरा

एजेंसी
गुवाहाटी। केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्मृति शरण ने असम के चंद्रपुर क्षेत्र में महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ और मोरीगांव जिले के मायंग क्षेत्र में स्थित जेंडर रिसर्च सेंटर का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य विभिन्न लिंग आधारित कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करना और ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे सामाजिक परिवर्तनों का क्षेत्रीय अध्ययन करना था। उनके साथ नेशनल मिशन मैनेजमेंट यूनिट (एनएमएमयू), डीएवाई-एनआरएलएम की सलाहकार सुनंदिता बनर्जी भी रहीं। इस दौरे के दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में समुदाय आधारित संगठनों की भूमिका को करीब से समझा। संयुक्त सचिव ने दौरे के दौरान जेंडर रिसर्च सेंटर के संचालन समिति के सदस्य, सीएलएफ एसएसी के प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की कार्यकर्ताओं और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने सीएलएफ कार्यालय का निरीक्षण किया और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी, जो स्थानीय महिलाओं की कौशल, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को दर्शाती है। जेंडर रिसर्च सेंटर की सदस्यों ने उन्हें अपनी जमीनी अनुभव, सफलता की कहानियां सुनाने के साथ यह भी बताया कि जेंडर आधारित कार्यों ने किस प्रकार से गांवों में सकारात्मक बदलाव लाया है।

अमित शाह ने आणंद में त्रिभुवन सहकारिता विवि का शिलान्यास किया

एजेंसी
गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आणंद में त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय का शिलान्यास करते हुए कहा कि आने वाले समय में सहकारी गतिविधियों का विस्तार होना तय है। टैक्सी सेवा और बीमा सेवा जैसे क्षेत्रों में सहकारी मॉडल लागू करने की योजना के अंतर्गत इस विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी, जो यहीं से प्राप्त हो सकेगा। केंद्र सरकार के मौजूदा बजट में इस विश्वविद्यालय की घोषणा के मात्र चार माह के भीतर यह महत्वाकांक्षी शैक्षणिक संस्थान कार्यान्वयन की दिशा में अग्रसर है। इसके शिलान्यास के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना गरीब और ग्रामीण लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। मंत्रालय ने देशभर के 16 प्रमुख सहकारी नेताओं से संवाद कर उनके सुझाव लिए हैं। सहकारी क्षेत्र में मौजूद खामियों की पहचान कर उनके विकास हेतु सात नए कदम लागू किए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य सहकारी क्षेत्र को अधिक पारदर्शी, लोकतांत्रिक और समावेशी बनाना है। शाह ने कहा कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना सहकारी क्षेत्र की सभी खामियों को दूर करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह विश्वविद्यालय 125 एकड़ में लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जा रहा है। यह नीति निर्माण, डेटा विश्लेषण, अनुसंधान और दीर्घकालिक विकास रणनीति बनाने का कार्य करेगा। भारत में 40 लाख कर्मचारी और 80 लाख बोर्ड सदस्य सहकारी गतिविधियों से जुड़े हैं, जो लगभग 30 करोड़ लोगों को–अर्थात् हर चौथे भारतीय को–इस आंदोलन से जोड़ते हैं। बावजूद इसके अब तक इनके प्रशिक्षण के लिए कोई सुव्यवस्थित व्यवस्था नहीं थी, जिसे यह विश्वविद्यालय दूर करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता में सफलता की गाथा लिख रहा है मध्य प्रदेश : मुख्यमंत्री

एजेंसी
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है।

नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री ने सहकारिता ध्वज फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया।

कोलकाता एयरपोर्ट पर थाई लायन एयर की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, 130 यात्री फंसे

एजेंसी
कोलकाता। थाई लायन एयर की बैंकॉक जाने वाली बोइंग 737-800 विमान को तकनीकी खराबी के कारण कोलकाता एयरपोर्ट पर रद्द कर दिया गया। इसके चलते विमान में सवार करीब 130 यात्रियों को होटल में ठहराया गया है। यह विमान बैंकॉक के डॉन मुआंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से देर रात 151 यात्रियों को लेकर कोलकाता पहुंचा था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, कोलकाता से बैंकॉक जाने वाले यात्रियों ने विमान में सवार होकर रात 2-35 बजे उड़ान की तैयारी पूरी कर ली थी। लेकिन तभी विमान के एयर-कंडीशनिंग सिस्टम में गड़बड़ी सामने आई। गर्म और उमस भरे माहौल में पायलट ने तकनीकी खराबी की जानकारी दी और विमान को वापस पार्किंग बे पर लाने की अनुमति मांगी। एयरपोर्ट प्रवक्ता ने शनिवार अपराह्न बताया कि विमान को 2:43 बजे पार्किंग पर लौटा दिया गया और यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया। बाद में जब स्पष्ट हुआ कि विमान की मरम्मत के लिए थाईलैंड से इंजीनियरों को बुलाना पड़ेगा, तब यात्रियों को एक स्थानीय होटल में ठहराया गया। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार, थाईलैंड से इंजीनियर शनिवार दोपहर कोलकाता पहुंचे और विमान की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। प्रारंभिक योजना के अनुसार, विमान रविवार तड़के 2:30 बजे उड़ान भरने वाला था, लेकिन एयरलाइन सूत्रों का कहना है।

चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर चुनाव आयोग गम्भीर : मुख्य चुनाव आयुक्त

एजेंसी
फिरोजाबाद। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग सभी राजनीतिक दलों से लगातार संवाद कर रहा है। आयोग चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए गंभीर है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार फिरोजाबाद दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में भी बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि बीते चार महीनों में आयोग ने 5000 से अधिक बैठकें आयोजित की हैं, जिनमें 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ये बैठकें सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के साथ की गई ताकि

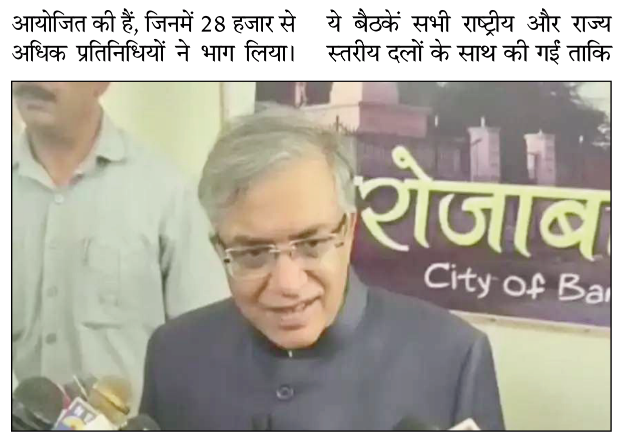

चुनाव प्रक्रिया को लेकर उनकी चिंताओं को समझा जा सके और समाधान निकाला जा सके।बिहार की मतदाता सूची पर विपक्ष के सवालों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत किसी भी पात्र मतदाता को अतिरिक्त दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नामों के आधार पर ही मतदाता की पात्रता तय की जाती है और इसके लिए 31 दिन की समय सीमा में परीक्षण प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के आदेशों और दिशा निर्देशों को यदि ठीक से पढ़ा और समझा जाए, तो कई सवालों के जवाब स्वतः ही स्पष्ट हो जाते हैं। उन्होंने जनता और राजनीतिक दलों से अपील की कि वे आयोग की प्रक्रिया पर भरोसा रखें और आयोग का सहयोग करें। इस दौरान पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी मौजूद रहे।

माँ के व्यवहार पर निर्भर है

शिशु का तेज दिमाग

नई बनी मां कृपया ध्यान दें। क्या आप अपने लाड़ले से सकारात्मक सहयोग रखती हैं। यदि नहीं तो आज से अपने बच्चे के प्रति आप सहयोग की भावना रखें। ऐसा करने से आपके लाड़ले का दिमाग तेज रहेगा और जीवन भर तनाव से भी दूर रहेगा। यह बात हम नहीं बल्कि एक ताजा अध्ययन में कही गई है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक जो महिलाएं अपने नवजात बच्चे के प्रति ज्यादा शिष्ट रहती हैं उनके बच्चों के दिमाग के हिप्पोकेंपस क्षेत्र में ज्यादा नर्व कोशिकाएं बनती हैं जिससे बच्चे का दिमाग तेज होता है। हिप्पोकेंपस का सीधा संबंध याददाश्त और भावना से होता है। हालांकि इस अध्ययन में यह साबित नहीं हो सका कि मां के व्यवहार से बच्चे का ब्रेन साइज बाद में बड़ा होता है लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि मां का बच्चे के प्रति सकारात्मक व्यवहार ब्रेन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शोधकर्ताओं ने 92 बच्चों पर प्री-स्कूल से लेकर ग्रेड स्कूल तक अध्ययन किया। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बच्चों पर माता-पिता के सहयोग के स्तर का विश्लेषण किया। इसमें 7 से 13 साल तक के बच्चों को शामिल किया गया था। बच्चों को एक टास्क पूरा करने के लिए कहा गया। बच्चों के माता-पिता को इस अध्ययन के बारे में नहीं बताया गया था। इसके बाद बच्चों का ब्रेन स्कैन किया गया। अध्ययन में देखा गया कि जिन बच्चों के माता-पिता ने ज्यादा सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखा उनमें तनाव का स्तर एकदम कम था। इसके अलावा इन बच्चों में हिप्पोकेंपस भी बड़ा देखा गया। अध्ययन में हालांकि यह भी देखा गया कि जिन बच्चों में पहले से तनाव के संकेत थे उनमें माता-पिता के इस सहयोग का ज्यादा असर नहीं पड़ा। प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर जॉन लुबी के अनुसार इस असर का महत्व यह है कि ब्रेन के हिप्पोकेंपस में याददाश्त, भावनाओं का नियमन और तनाव का स्तर जुड़ा होता है। इसमें स्वस्थ सामाजिक मेलजोल की कुंजी छुपी है। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन से शुरुआती माता-पिता के व्यवहार को सहयोगात्मक बनाने में मदद मिलेगी।

नोज पिन सौंदर्य में लगाए

चार चांद

समय बदलता है तो उसके साथ ही फैशन भी बदलता है जो हमेशा कुछ नया लिए होता है। चाहे ड्रेसेज हों या ज्वैलरी, आए दिन इनमें कुछ नए ट्रेंड मिलते ही हैं। इस नएपन की चाल में हमारी बॉलीवुड एक्ट्रेसेज का बडा योगदान रहता है और वे जो कुछ भी नई चीज ट्राई करती हैं वही उस समय का फैशन बन जाता है। नोज पिन- हिंदी में इसे नथ कहते हैं व इसे पहनने की प्रथा बहुत पुरानी है। शादी में तो नथ को ही स्पेशल माना जाता है। फिर वह साइज में बड़ी हो या छोटी, पहननी ही पड़ती है। मुस्लिमों में तो लड़के वालों की तरफ से लड़की को गहने और कपड़ों के साथ नथ भी भेजी जाती है व लड़की जब नथ पहन लेती है तभी निकाह होता है। नोज पिन की वैराइटी नोज पिन कई वैराइटी में आने लगी हैं। ये आपको राउंड शेप में मिल सकती हैं, घुंघरू लगी नथ,नगों की लड़ी से सजी नथ, मल्टीकलर में स्टार शेप की नथ, अर्द्ध चंद्राकार नथ, बतख या रोज की आकृति की नथ, थ्री स्टोन नथ आदि-आदि कई आकार व प्रकार में सुलभ हो सकती हैं। इन नोज पिन को आज फैशन वर्ल्ड में एक अलग पहचान मिल रही है और मिले भी क्यों नहीं, इसे पहनने के बाद गर्ल्स हों या शादीशुदा महिलाएं, खुद को सेलिब्रिटी सा महसूस करती हैं। चाहे कोई लड़की कॉलेज जा रही हो या कोई विवाहिता किसी शादी या पार्टी में जा रही हो, चाहे उसने साड़ी पहनी हो या शलवार-कमीज या लहंगा-चोली, नोज पिन उनके सौंदर्य में चार चांद लगा देती है। लड़कियों में तो नोज पिन का केज बढ़ता ही जा रहा है। लाभ भी हैं नोज पिन के इसे पहनने से जुकाम या नाक संबंधी रोग कम ही होते हैं। नोज पिन से सूंघने की शक्ति तेज होती हैं। अक्सर पानी में काम करने वाली भी इसे आराम से पहन सकती हैं, उन्हें कफ आदि विकार कम होंगे।

फैशन में इन पेंसिल स्कर्ट और

न्यूड शूज

नए और हॉट ट्रेंड के हिसाब से युवतियों की खास पसंद बन चुकी पेंसिल स्कर्ट अब पार्टीज से लेकर कॉलेज तक में दिखाई देने लगी है। वहीं न्यूड शेड के फुटवेयर का क्रेज तो सभी महिलाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। सेलिब्रिटीज भी आजकल इस ट्रेंड पर मोहित नजर आ रही हैं।

स्मार्ट और ट्रेंडी लुक के साथ ही पेंसिल स्कर्ट आपको एलीगेंट लुक भी देती है। चाहे सिंपल सफेद शिफॉन शर्ट के साथ पहनें या फिर प्रिंटेड टीशर्ट के साथ, यह स्कर्ट हर तरह से फबती है। इसे मुख्य तौर पर नी लेंथ तथा बैक स्लिट के साथ पहना जाता है। वैसे सामान्यतः पेंसिल स्कर्ट का उपयोग छरहरी काया वाली युवतियां ही ज्यादा करती हैं, लेकिन नी लेंथ वाली थोड़ी लूज फिटिंग की पेंसिल स्कर्ट ब्रॉड फ्रेम वालों पर भी बेहद जंचती है। नी लेंथ वाली पेंसिल स्कर्ट को आप पार्टीज या ऑफिस कहीं भी पहन सकती हैं।

कॉर्पोरेट ड्रेसिंग के तौर पर तो इसका प्रयोग बहुत आम है, वहीं फ्लाइट अटेंडेंट्स तथा हॉस्पिटलिटी जैसे प्रोफेशन से जुड़ी युवतियों के ड्रेस कोड में भी यह अक्सर शामिल होती है।

ऑफिस वेयर के हिसाब से जहां प्लेन पेंसिल स्कर्ट अच्छी लगती है, वहीं कैजुअल ड्रेस के तौर पर प्रिंटेड, स्ट्राइप्स वाली तथा कलरफुल स्कर्ट्स का उपयोग सहजता से किया जा सकता है। इसका मोटा फैब्रिक तथा फिटिंग आपको कॉन्फिडेंट बनाती हैं और स्मार्ट लुक देती हैं।

न्यूड शेड्स वे सारे शेड्स हैं, जो बेहद सादे और आपकी त्वचा की रंगत से मेल खाते हों। इनमें खाकी, ब्राउन, बैज आदि शामिल हो सकते हैं। साथ ही आजकल सिल्वर, मैटेलिक, ग्रे आदि रंगों को भी इनमें मिक्स करके एक नया इफेक्ट पैदा किया जाता है।

न्यूड शेड फुटवेयर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह के और किसी भी कलर-शेड के परिधान के साथ मैच किया जा सकता है। ये सलवार सूट के साथ भी उतने ही सुंदर दिखते हैं, जितने कि जींस या फिर शॉर्ट ड्रेस के साथ। यही नहीं इन्हें आप प्लेन या प्रिंटेड, किसी भी तरह के फैब्रिक के साथ पहन सकती हैं। यानी ये हर तरह से काम आते हैं।

अगर आपके कलेक्शन में एक पेयर न्यूड फुटवेयर का है तो आप इन्हें कई तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। न्यूड शेड में हाई हील सैंडल्स, शूज, बैलेरीना, फ्लैट्स या प्लेटफॉर्म कोई भी स्टाइल पैरों पर अच्छी लगती है। इन फुटवेयर्स का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इनमें आपके पैर लंबे दिखाई देते हैं।

यही नहीं तीखे कलर वाले नेलपेंट के साथ यह और भी खूबसूरत दिखाई देते हैं। आजकल न्यूड के साथ रेड, ऑरेंज, गोल्ड तथा ऐसे ही भड़कीले रंगों का हल्का-सा टच देकर भी फुटवेयर बनाए जा रहे हैं, जो बेहद सुंदर दिखाई देते हैं।

स्प्रिंग सीजन में

स्किन ब्यूटी

चंदन पीसकर उसमें कुछ बूंदें गुलाब जल मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक पहुंचती है

- त्वचा यदि धूप के कारण झुलस गई हो तो खीरा, टमाटर तथा नींबू के रस को समान मात्रा में मिलाकर लेप करें तथा सूखने पर पुनः लगाएं, फिर धो डालें।
- प्रतिदिन नहाने से पहले शरीर के खुले हिस्सों पर दही लगाएं और 10 मिनट तक छोड़ दें और इसके बाद नहाएं।
- जैतून का तेल तथा सिरका बराबर मात्रा में लेकर उन्हें मिलाकर, नहाने के एक घंटे पहले शरीर पर लगाने से त्वचा कांतिमय हो जाएगी।
- एक छोटे खीरे का रस, आधा चम्मच ग्लिसरीन व एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर झुलसी त्वचा पर लगाने से त्वचा नर्म पड़ जाती है।
- यदि तेज धूप से आपकी चमड़ी का रंग सांवला हो गया है तो कच्चे टमाटर को कुचलकर छाछ मिलाकर चेहरे और चमड़ी पर मलने से त्वचा को ठंडक मिलेगी।
- अलसी का तेल व नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाकर झुलसी त्वचा पर लगाने से काफी फायदा होता है।
- चिरौंजी कच्चे दूध में पीसकर मलाई एवं नींबू का रस मिलाकर चेहरे तथा बदन में लगाना गर्मियों में बहुत लाभदायक होता है।
- एक चम्मच मक्खन और एक चम्मच पानी मिलाकर फेंट लें। धूप से झुलसी त्वचा पर लगाएं राहत मिलेगी।
- 1/2 चम्मच बेसन में 2 चम्मच नींबू का रस व दही मिलाकर चेहरे, गर्दन व बाहों पर लगाएं, 20 मिनट बाद धो लें। गर्मी से राहत मिलेगी।
- एक चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी, एक चम्मच कच्चा दूध व एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर नियमित रूप से लगाने से त्वचा में निखार आता है।

मां बनने के बाद होता है आर्थिक नुकसान, कोंकणा ने इंडस्ट्री के दोहरे रवैये पर की बात

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आने वाली हैं। इस बीच अब अभिनेत्री काम और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन बिठाने को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं के काम और उनके वेतन पर पड़ने वाले असर को लेकर भी बात की।

मां बनने के बाद पड़ता है असर

फर्स्टपोस्ट के साथ हालिया बातचीत में कोंकणा सेन शर्मा ने कहा कि सच कहूं तो आज के वक्त में किसी भी इंडस्ट्री में मां बनने के बाद महिलाओं की कमाई में असर दिखना शुरू हो जाता है। जबकि पुरुषों के साथ इसका उल्टा होता है। क्योंकि होता ये है कि एक पिता के तौर पर एक पुरुष के लिए जैसे-जैसे उनके बच्चे होते हैं, वो अधिक सीनियर होते जाते हैं और अधिक कमाने लगते हैं। लेकिन महिलाओं के साथ इसका उल्टा होता है। क्योंकि मां बनने के बाद महिलाओं को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। क्योंकि आप उस तरह से हर चीज में हिस्सा नहीं ले सकते और वैसे काम नहीं कर सकते। जिस तरह से समाज आपसे उम्मीद करता है या जो आपके वर्कप्लेस पर आपसे उम्मीद की जाती है।

'सरकारों को वर्किंग मदर्स के लिए नीतियों में करना चाहिए बदलाव'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब आने वाले दिनों में ये होने वाला है कि महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए बिल्कुल भी प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। क्योंकि यह दिन पर दिन मुश्किल होता जा रहा है। आप जानते हैं, प्रोफेशनल लाइफ में एक्टिव होना और साथ ही एक अच्छी मां बनना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसके लिए सरकारों को अंततः वर्किंग माओं के लिए नीतियों में बदलाव करना होगा। वर्ना धीरे-धीरे इसमें कमी आती जाएगी।

'मेट्रो इन दिनो' में नजर आएंगी कोंकणा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कोंकणा अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनो' का हिस्सा हैं। इस फिल्म में कोंकणा के अलावा पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, अनुपम खेर, फातिमा सना शेख और नीना गुप्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इस एक्ट्रेस ने प्रियंका की फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' को सराहा, देसी गर्ल ने दिया रिएक्शन

प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की तारीफ उनके कई बॉलीवुड को-एक्टर्स भी कर रहे हैं। हाल ही में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू की पत्नी और एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की है। नम्रता की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्शन दिया है।

नम्रता ने प्रियंका को अमेजिंग बताया

नम्रता शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। पोस्ट में नम्रता ने लिखा है, 'आप फिल्म में बहुत अमेजिंग थीं प्रियंका चोपड़ा। आपने धमाल मचा दिया। मुझे फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' बहुत पसंद आई।' नम्रता की इस पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्ट किया, उनकी पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया। साथ ही नम्रता के लिए एक मैसेज भी लिखा, 'शुक्रिया क्वीन, नम्रता शिरोडकर।'

साउथ की मेगा बजट फिल्म का भी हिस्सा प्रियंका

बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा, नम्रता शिरोडकर के पति और एक्टर महेश बाबू के साथ एक साउथ फिल्म कर रही हैं। इस मेगा बजट फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। फिल्म को एस.एस. राजामौली निर्देशित कर रहे हैं। पिछले दिनों इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका भारत भी आई थी। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी जानकारी प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी।

निमरत कौर ने की टाइगर की तारीफ

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और टीवी एक्ट्रेस निमरत कौर का म्यूजिक वीडियो 'बेपनाह' रिलीज हो चुका है। निमरत ने को-एक्टर टाइगर की तारीफ करते हुए बताया कि वह मेहनती हैं और हर फ्रेम में उनका पैशन दिखता है। टीवी शो 'छोटी सरदारनी' फेम निमरत कौर ने इस वीडियो में टाइगर के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर किया है। उनके ग्लैमरस अंदाज और टाइगर की डांस प्रतिभा ने इस गाने को खास बना दिया है।

निमरत ने इस अनुभव को शेयर करते हुए बताया, टाइगर के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। हर फ्रेम में उनका जुनून और मेहनत साफ दिखता है, जो प्रेरणादायक है। मुझे उनकी एनर्जी से तालमेल बिठाना था और कोरियोग्राफर बॉस्को ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालकर बेहतरीन डांस सिखाया। यह गाना स्टाइल, रिदम और केमिस्ट्री का शानदार मिश्रण है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का इंतजार कर रही हूं। निमरत ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 'बेपनाह' का कॉन्सेप्ट और ट्रैक सुना, तो वह तुरंत इसकी दीवानी हो गईं। गाने की जीवंतता और ग्लैमरस वाइब ने उन्हें नया लुक आजमाने का मौका दिया। टाइगर सोशल मीडिया पर गाने के बीटीएस वीडियो और टीजर शेयर कर चुके हैं। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था, मैंने लंबे समय बाद खुद को इतना पुश किया है। इस गाने को आप सबके साथ शेयर करने के लिए उत्साहित हूं। यह म्यूजिक वीडियो हाई-फैशन विजुअल्स और शानदार कोरियोग्राफी का मिश्रण है, जो दर्शकों को मनोरंजन का दोगुना डोज देगा। टाइगर के फैंस इसे उनके अब तक के सबसे शानदार परफॉर्मेंस में से एक बता रहे हैं। 'बेपनाह' यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। टाइगर जल्द ही 'बागी 4' में भी नजर आएंगे, जो 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज के समय में मैं गेमिंग तब करता हूं जब मुझे कोई टेंशन होती है

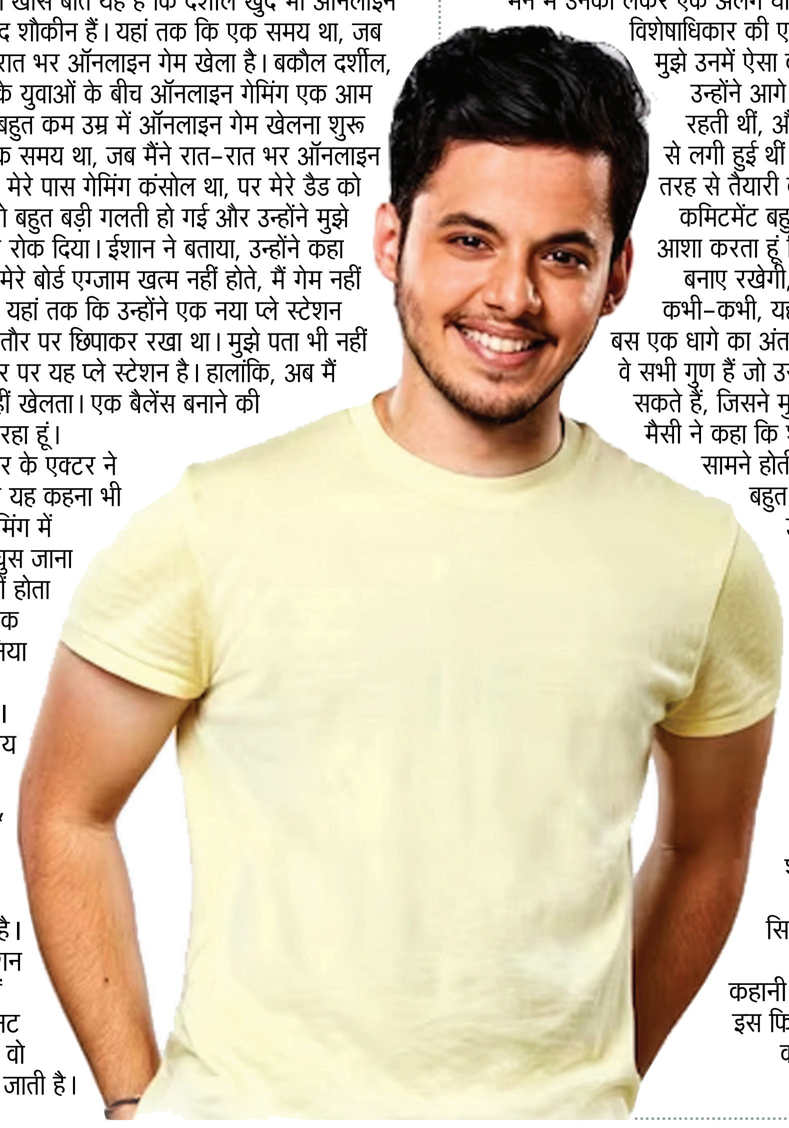

फिल्म तारे जमीन पर के ईशान अवस्थी के रूप में आज भी याद किए जाने वाले एक्टर दर्शील सफारी इन दिनों अपनी वेब सीरीज गेमरलोग को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में दर्शील ऑनलाइन गेमिंग मुकाबले में भागीदारी करने वाले युवा की भूमिका में हैं। खास बात यह है कि दर्शील खुद भी ऑनलाइन गेमिंग के बेहद शौकीन हैं। यहां तक कि एक समय था, जब उन्होंने रात-रात भर ऑनलाइन गेम खेला है। बकौल दर्शील, हमारी पीढ़ी के युवाओं के बीच ऑनलाइन गेमिंग एक आम बात है। मैंने बहुत कम उम्र में ऑनलाइन गेम खेलना शुरू किया था। एक समय था, जब मैंने रात-रात भर ऑनलाइन गेम खेली है। मेरे पास गेमिंग कंसोल था, पर मेरे डैड को लगा कि ये तो बहुत बड़ी गलती हो गई और उन्होंने मुझे गेम खेलने से रोक दिया। ईशान ने बताया, उन्होंने कहा कि जब तक मेरे बोर्ड एग्जाम खत्म नहीं होते, मैं गेम नहीं खेल सकता। यहां तक कि उन्होंने एक नया प्ले स्टेशन सरप्राइज के तौर पर छिपाकर रखा था। मुझे पता भी नहीं था कि मेरे घर पर यह प्ले स्टेशन है। हालांकि, अब मैं उतना गेम नहीं खेलता। एक बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

तारे जमीन पर के एक्टर ने कहा,मैं सबसे यह कहना भी चाहूंगा कि गेमिंग में बहुत ज्यादा घुस जाना भी अच्छा नहीं होता है। आपको एक बाहर की दुनिया से भी जुड़ा रहना चाहिए। आज के समय में मैं गेमिंग तब करता हूं, जब मुझे अपनी किसी सोच को बंद करना होता है। जब कोई टेंशन होती है तो मैं 15-20 मिनट खेलता हूं तो वो टेंशन दूर हो जाती है।

शनाया की ईमानदारी और कमिटमेंट ने किया मुझे हैरान

विक्रांत मैसी ने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में अभिनेत्री शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। अभिनेता विक्रांत मैसी ने बताया कि कैसे उनके समर्पण और कड़ी मेहनत ने नेपोटिज्म जैसे स्टीरियोटाइप को तोड़ने में मदद की। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में विक्रांत से पूछा गया कि उन्होंने रोमांटिक ड्रामा की शूटिंग के दौरान शनाया से क्या सीखा? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। लेकिन जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित किया, वह था उनकी कमिटमेंट। जिस इंटेनसिटी और ईमानदारी के साथ वह इस फिल्म में आईं, मेरे लिए यह अविश्वसनीय रूप से प्रेरक और मार्मिक था। भले ही यह सच है कि वह नेपोकिड हैं और फिल्मी परिवार से आती हैं, तो लोगों के मन में उनको लेकर एक अलग धारणा बनी है कि उनके पास विशेषाधिकार की एक खास भावना है। लेकिन मुझे उनमें ऐसा कुछ भी महसूस नहीं हुआ।

उन्होंने आगे कहा, वह हर दिन सेट पर रहती थीं, और इस प्रोजेक्ट में पूरे दिल से लगी हुई थीं। वह फिल्म में बहुत अच्छी तरह से तैयारी करके आई थीं। उनका यह कमिटमेंट बहुत प्रेरणादायक था, और मैं आशा करता हूं कि वह इसे लंबे समय तक बनाए रखेंगी, क्योंकि मेरा मानना है कि कभी-कभी, यह अच्छे और महान के बीच बस एक धागे का अंतर होता है, और उनके पास वे सभी गुण हैं जो उसे इस इंडस्ट्री में आगे बढ़ा सकते हैं, जिसने मुझे वास्तव में प्रेरित किया। मैसी ने कहा कि शनाया कपूर जब कैमरे के सामने होती हैं तो सच में उस पल को बहुत अहमियत देती हैं और यह उनके काम में झलकता है। जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें भी ऐसा ही लगेगा कि उन्होंने इस अवसर को हल्के में नहीं लिया है। और यह, मेरे लिए, बहुत ताजगी भरा था।

शनाया कपूर आंखों की गुस्ताखियां से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं, जो 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आने वाली है। रस्किन बॉन्ड की मशहूर कहानी द आइज हैव इट से प्रेरित इस फिल्म में शनाया एक थिएटर कलाकार की भूमिका में हैं।

8 घंटे शिफ्ट की लड़ाई कब से लड़ रही हूं

कला उन्हें विरासत में मिली। उनके दादा नाटक कंपनी चलाते थे, तो सुर सम्राज्ञी बुआ लता मंगेशकर और आशा भोसले की भी संगत रही। लिहाजा, वह खुद भी बचपन ही फिल्मों में गायिकी और अदाकारी का हुनर दिखाने लगीं। हम बात कर रहे हैं, 80 के दशक की प्रेम रोग, वो सात दिन, सौतन जैसी यादगार फिल्मों की स्टार अदाकारा पद्मिनी कोल्हापुरे की, जिन्होंने लंबे अर्से बाद सीरियल चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान से छोटे पर्दे पर वापसी की है।

आज नायिका प्रधान फिल्मों की काफी बातें होती हैं कि अब लड़कियों के लिए दमदार रोल लिखे जा रहे हैं। आप इससे कितना सहमत हैं?

पद्मिनी ने कहा- ये मुझे विपरीत बात लगती है। अभी मैं किसी से बात कर रही थी, तो उनका कहना था कि उस जमाने में जिस तरह से महिला प्रधान फिल्में हुआ करती थीं, वो अभी नहीं बन रही है, तो ये नजरिए की बात है। अपने ज़माने में मैंने ढेरों अच्छी फिल्में और बहुत बढ़िया कैरेक्टर किए है। जैसे, प्रेम रोग, इंसाफ का तराजू, वो सात दिन, सौतन, जिनके बारे में आज भी चर्चा होती है। यही नहीं, उस ज़माने में हम 5 या 6 ही लड़कियां थीं। जबकि, आज 50 से 100 लड़कियां हैं, तो कॉम्पिटिशन बहुत तगड़ा हो गया है।

इंसाफ का तराजू और प्रेम रोग जैसी फिल्में सेक्सुअल एब्यूज और विधवा विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर हैं। उसमें इंटीमेट सीन भी थे, जबकि आप तब सिर्फ 15-16 साल की थीं। उन किरदारों को करना कितना मुश्किल था? कुछ असहज भी हुई?

देखिए, ये तो डायरेक्टर के हाथ में होता है कि वे ऐसे सीन को कैसे फिल्माते हैं। उस समय में इतने बड़े-बड़े डायरेक्टर्स थे, राज कपूर, बीआर चोपड़ा, वी शांताराम, वे एक जुनून के साथ फिल्म बनाते थे। उनको सिनेमा से मोहब्बत थी, जो मैंने खुद देखा है। वे यह सोचकर फिल्म नहीं बनाते थे कि वो चलेगी या नहीं। 100 दिन करेगी या सिल्वर जुबली। उन्हें स्क्रिप्ट पसंद आती थी, तो वे उसमें बिल्कुल डूब जाते थे। वे इस नीयत से सिनेमा बनाते थे। दूसरे, चूंकि मैं बचपन से ही काम करती आ रही हूं तो मुझे उसमें ऐसा कुछ अलग या असहज नहीं लगा। मैं तो नर्वस तब हुई थी, जब जमाने को दिखाना है में पहली बार ऋषि कपूर जी के साथ काम करना था। मैं ऋषि जी की बहुत बड़ी फैन थी। आज भी मैं उनकी फिल्में देखती हूं तो उनकी बहुत याद आती है।

आपने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट भी बहुत काम किया है, क्या बचपन में काम इंजॉय करती थीं? जैसे नीतू कपूर कहती है की वो इंजॉय नहीं करती थीं, इसलिए शादी के बाद जैसे मौका मिला, उन्होंने ऐक्टिंग छोड़ दी...

ऐक्टिंग छोड़ी तो मैंने भी। मैंने भी 21 साल की उम्र में ऐक्टिंग छोड़ दी थी, जब मेरी शादी हुई, क्योंकि तब मैं इतनी बिजी थी। सुबह से लेकर रात तक। जैसे अभी इस शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान के लिए ही मुझे 12 से 14 घंटे शूट करना पड़ रहा है। उस समय तो हफ्ते में सातों दिन, साल में 365 दिन नॉनस्टॉप शूटिंग हुआ करती थी। आप सोचिए, मैं बच्ची ही थी न। बच्ची छोड़िए, कोई बड़ा भी हो तो सुबह 7 बजे से रात के 11-12 बजे तक आप बाहर ही रहो। आज-कल, परसों, 10 दिन, 15 दिन महीना साल तो इंसान थक ही जाता है ना, तो ये हुआ मेरे साथ। इसलिए, मैंने भी जब शादी की, तो खुद ही तय कर लिया था कि शादी के बाद मैं काम छोड़ दूंगी। बहुत हो गया और उसका कोई अफसोस नहीं है। अभी लोग सोचते हैं कि अब फिर से काम क्यों कर रही हूं, तो वो इसलिए क्योंकि मैं यही एक काम जानती हूं।

तब ज्यादातर हीरोइनें शादी और मां बनने के बाद काम छोड़ देती थीं, मगर आज करीना, आलिया, दीपिका सब काम कर रही हैं और वे एक वर्क कल्चर की मांग कर रही हैं कि 12-14 नहीं, 8 घंटे काम होना चाहिए। आपका क्या नजरिया है?

काम के घंटे निश्चित तौर पर कम होने चाहिए। ऐसा नहीं कि 12-14 घंटे की शिफ्ट हो। मैं सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन (ष्ट्वहझ्र) की सीनियर वाइस प्रेजिडेंट भी हूं तो हम इसके लिए बहुत समय से लड़ रहे है, आग्रह भी कर रहे हैं कि प्लीज थोड़ी सी सहूलियत करें। मुझ लगता है कि कुछ बड़े कलाकार भी इसमें जुड़ जाएं और तो सबके लिए आसानी हो जाएगी। सभी खुशी खुशी काम कर पाएंगे, क्योंकि ऐक्टिंग में फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से बहुत काम होता है। जैसे, अभी एक दिन 12 बजे तक शूट करते-करते मैं खुद बिल्कुल डेड हो गई थी कि भई, अब मुझसे नहीं होगा और काम के वक्त ये तनाव अच्छा नहीं है।

फिल्म पानीपत के बाद टीवी पर 11 साल बाद वापसी करने के लिए भी आपने चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान जैसा ऐतिहासिक शो चुना है। ऐसा क्यों?

चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। जब राजमाता की भूमिका मेरे पास आई तो मुझे तुरंत एक जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है जिसमें इतनी गहराई और शांत शक्ति हो। पानीपत मेरी पहली ऐतिहासिक फिल्म थी, जिसे करने में मुझे बहुत मजा आया था, मगर फिल्म में आपको तीन घंटे में सब कुछ दिखाना पड़ता है, जबकि टीवी पर आप बहुत दिखा सकते हैं। अभी मैं शूट के लिए पटना गई थी, तो फ्लाइट में छावा देखी और मुझे लगा कि हमारे देश के इन नायकों की कहानी कहना बेहद जरूरी है।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: आकाश दीप का कहर, भारत जीत से चार विकेट दूर

बर्मिंघम (एजेंसी)। आकाश दीप (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को भोजनकाल तक इंग्लैंड के 153 पर छह विकेट झटककर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

भारत को लंच से ठीक पहले वाशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स का विकेट दिलाया, जो भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस सेशन की शुरुआत में पहले आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए दो विकेट निकाले। लेकिन उसके बाद स्टोक्स और स्मिथ के बीच 70 रनों की अच्छी साझेदारी हुई लेकिन लंच से ठीक पहले स्टोक्स आउट हो गए। अब इंग्लैंड पूरी तरह से इस मैच को ड्रॉ कराने का प्रयास करेगा लेकिन भारत जीत के काफ़ी क़रीब दिख रहा है।

इंग्लैंड ने कल के तीन विकेट पर 72 रन से आगे खेला शुरु किया। इंग्लैंड ने महज आठ रन जोड़कर अपना चौथा विकेट ऑली पोप (24) के रूप में गंवा दिया। ऑली पोप को आकाश दीप ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद आकाश दीप ने 22वें ओवर में हैरी ब्रूक (23) को पगबाधा कर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। भारत को छठी सफलता वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान बेन स्टोक्स (33) को पगबाधा आउट कर दिलाई। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने छह विकेट पर 153 रन बना लिये है और जेमी स्मिथ (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए जहां 455 रनों की दरकार है। वहीं भारत को चार विकेट चटकाने होंगे।

भारत की ओर से आकाश दीप ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे। भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 427 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

साक्षी ने विश्व मुक्केबाजी कप में जीता स्वर्ण पदक

अस्ताना (एजेंसी)। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां दूसरे विश्व मुक्केबाजी कप में महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 24 साल की साक्षी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अमेरिका की योसलाइन पेरेज के खिलाफ सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की।

भारतीय दल ने यहां विश्व मुक्केबाजी कप में अच्छा प्रदर्शन किया है और कुल 11 पदक पक्के किए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ने गति और सटीक पंच के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

इससे पहले मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में स्थानीय दावेदार नाजिम काइजाइबे को कड़ी चुनौती दी लेकिन 2-3 के खंडित फैसले से हार गयी। जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) को भी अपने-अपने फाइनल में हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। जुगनू को कजाकिस्तान के बेकजाद नूरदौलेटोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा जबकि पूजा को आस्ट्रेलिया की एसिटा फ्लिंट के खिलाफ इसी अंतर से शिकस्त मिली।

इस खिलाड़ी से मिली प्रेरणा, वैभव सूर्यवंशी बोले- अगले मैच में 200 बनाने की कोशिश करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं। सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।' सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।'

इंडिया हाउस में भारतीय महिला टीम हुआ सम्मान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यहां के इंडिया हाउस में एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। इस समारोह में कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार सहित सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों ने जिस प्रकार से यहां जीत दर्ज की है। उससे देश में खेलों के क्षेत्र में एक बढ़ा बदलाव आयेगा और युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।' दोरईस्वामी ने कहा, 'जब आप हमारी क्रिकेट टीम, हमारी हॉकी टीम या हमारी किसी भी खेल की टीम को देखेंगे तो पाएंगे कि यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करती हैं।' उन्होंने कहा, 'ये केवल हमारी बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि ये वो लड़कियां हैं जो हर शहर और हर प्रांत से निकल भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची हैं।'

सुनील गावस्कर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं शुभमन गिल, 1971 से कामय है वर्चस्व

नई दिल्ली ।मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में 774 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।गावस्कर ने 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में 774 रन बनाये थे और उनका वो रिकॉर्ड आज तक कायम है।कोई भी भारतीय इस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है।दूसरे नंबर पर भी गावस्कर ही हैं जिन्होंने 1978–79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में छह मैचों में 732 रन बनाए थे।तीसरे नंबर पर मौजूदा ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने 2023–24 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पांच मैचों में 712 रन बनाए थे। रन मशीन विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014–15 की सीरीज में चार मैचों में 692 रन बनाए थे।गिल ने एजबस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 430 रन बनाए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं, पहले नंबर पर ग्राहम गूच हैं जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 456 रन बनाए थे।गिल ने इस इंग्लैंड दौरे पर पहले दो टेस्ट में 585 रन बनाए हैं, जो सीरीज के पहले दो टेस्ट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं।पहले नंबर पर ग्रीम स्मिथ हैं जिन्होंने 2003 में इंग्लैंड में 621 रन बनाए थे।गिल अब बतौर कप्तान पहले दो टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने कोहली के 449 रनों को पछाड़ा।गिल दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाए हैं, उनसे पहले ऐसा 1980 में एलेन बॉर्डर ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में नाबाद 150 और 153 रन बनाकर किया था।

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका)।कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया।चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था।कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाली पांचवी टीम बनी टीम इंडिया

बर्मिंघम ।शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुल 1000 रन बनाकर एक नया रिकार्ड बनाया है।टीम इंडिया इसी के साथ ही एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की 5वीं टीम बन गई है।पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम की ओर से पांच शतक लगे थे और उसने पांच सौ से अधिक रन बनाये थे। वहीं वहीं एजबेस्टन में जारी दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को कुल मिलाकर भारतीय टीम ने 1000 रन बनाये हैं।भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एक मैच में ही टीम ने 1000 से अधिक रन बनाये हैं।इससे पहले भारतीय टीम ने सिडनी में साल 2004 में एक मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 916 रन बनाए थे।वहीं एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है।इंग्लैंड ने साल 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 1121 रन बनाए थे।गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व क्रिकेट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसने दो बार एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 1028 रन बनाए थे, वहीं 1969 में उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1013 रन बनाये थे। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साल 2006 में एक मैच में कुल 1078 रन बनाए थे, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने साल 1939 में इंग्लैंड के खिलाफ 1011 रन बनाये थे।

सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ - कार्लसन नें फिर दिखाया अपना दम , गुकेश जीत को तरसे

जागरेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश के लिए ग्रांड चैस टूर के सुपरयूनाइटेड रैपिड में एकतरफा जीत के बाद भी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ का रास्ता आसान नहीं माना जा रहा था और हुआ भी कुछ ऐसा ही,कल खेले गए सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ शतरंज के पहले दिन एक और जहां गुकेश जीत को भी तरस गए वहीं विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए अपराजित रहते हुए एकल बढ़त कायम कर ली है । गुकेश जो रैपिड में सिर्फ एक बार हारे थे ब्लिट्ज़ में कई अच्छी बाज़ियाँ समय की कमी के चलते हारते चले गए और उन्होने एकमात्र जीत फबियानों करूआना के खिलाफ दर्ज की और एक ड्रॉ नीदरलैंड के अनीश गिरि के खिलाफ खेला वहीं मैगनस कार्लसन नें गुकेश को इस बार पराजित करते हुए रैपिड में अपनी हार का हिसाब बराबर कर दिया ।

ब्लिट्ज़ का पहला दिन कार्लसन के नाम रहा और उन्होने छह जीत और 3 ड्रॉ के साथ 7.5 अंक बनाए और रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों को मिलाकर कुल 17.5 अंको के साथ पहले स्थान पर पहुँच गए । गुकेश दूसरे दिन अपने रैपिड के 14 अंको में 1.5 जोड़ पाये और 15.5 अंको के साथ वह तीसरे स्थान पर है जबकि रैपिड में 11 अंको के साथ दूसरे स्थान में रहने वाले डुड़ा 5 अंक जोड़ते हुए कुल 16 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गए है । भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें ब्लिट्ज़ के पहले दिन कोशिश तो की पर वह 4.5 अंक जोड़ते हुए कुल 13.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गए है ।

ग्रांड चैस टूर के आखिरी और पांचवें दिन अंतिम 9 ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जाएँगे और कुल 9 अंक दांव पर होंगे देखना होगा की क्या गुकेश अंतिम दिन वापसी करेंगे या फिर कार्लसन एक बार फिर यह खिताब अपने नाम कर लेंगे ।

विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने नोवाक जोकोविच

लंदन ।नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6–3, 6–0, 6–4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की।उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे।जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3–3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं।' अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को लगा बड़ा झटका, विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की वनडे रैंकिंग में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से खिसक गई है जिससे मार्की टूर्नामेंट से एक बार फिर बाहर होने का जोखिम है। नई रैंकिंग श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में बांग्लादेश की जीत के बाद आई है, जहां उन्होंने कोलंबो में ताइजुल इस्लाम के शानदार पांच विकेट की बदौलत 248 रनों का बचाव किया जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। विजडन के अनुसार इस जीत ने बांग्लादेश को पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंचा दिया।

हालांकि विश्व कप योग्यता के लिए कटऑफ तिथि से पहले विंडीज आवश्यक रैंकिंग में वापस आ सकता है। वेस्टइंडीज अब 10वें स्थान पर खिसक गया है और 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से बाहर है। टूर्नामेंट के 2027 संस्करण में 14 टीमें भाग लेंगी, जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे स्वतः ही मेजबान के रूप में क्वालीफाई कर लेंगे। तीसरे मेजबान नामीबिया को वही विशेषाधिकार नहीं मिलेगा क्योंकि वे टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पूर्णकालिक आईसीसी सदस्य नहीं हैं।

शीर्ष आठ टीमें (मेजबान को छोड़कर) 31 मार्च 2027 को अपनी वनडे रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करेंगी। शेष चार स्थानों का निर्धारण 10 टीमों के क्वालीफायर टूर्नामेंट द्वारा किया जाएगा। वेस्टइंडीज क्वालीफायर खेलने से बचने का लक्ष्य रखेंगे, क्योंकि उन्होंने 2023 संस्करण के लिए भी ऐसा ही किया था और 1975 में अपनी स्थापना के बाद से अपना पहला विश्व कप गंवा दिया था। वह दो प्रतिष्ठित स्थानों के लिए नीदरलैंड और श्रीलंका से हार गए थे। नई द्बष्ट ह्रष्ठढ्ढ रैंकिंग में श्रीलंका अपनी हार के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गया। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और तीसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड दोनों के 109 रेटिंग अंक हैं।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम ।भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है।ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता थ। रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है।इसमें यशस्वी ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई।मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। साथ ही कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है मेरा बल्ला।मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें।आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने कहा, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत–बहुत धन्यवाद।आप शानदार क्रिकेटर है।आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं।मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है।यशस्वी ने बेहद कम समय के अंदर ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनायी है।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

–भारत–बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।